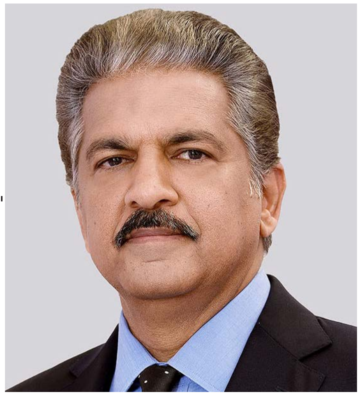

झारखंड वार्ता

गढ़वा से प्रकाशित, रांची से मुद्रित

खबर आम हो खास, पहुंचेगी आपके पास

भारत ने स्पेस सेक्टर में रचा इतिहास !

अपने ऑर्बिट में पहुंचा पहला प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1'

नई दिल्ली : भारत ने एक बार फिर स्पेस सेक्टर में इतिहास रच दिया है। भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' का सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से 'विक्रम-1' की लॉन्चिंग हुई है। ये भारत में बना पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट है, जिसे हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया है। इस आर्टिकल में जानें 'विक्रम-1' की खूबियां।

- **भारत में बने पहले प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट ने भरी उड़ान**

बता दें कि यह भारत में बने पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट की पहली उड़ान है, जिसे मिशन आगमन नाम दिया गया है। यह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

- **PM मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को दी बधाई**

विक्रम-1 की सफल लॉन्चिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को फोन पर बधाई दी। ये भी जान लें कि भारत के पहले प्राइवेट तौर पर डेवलप ऑर्बिटल रॉकेट, 'विक्रम-1' ने अपना आखिरी बर्न पूरा कर लिया है और 450 किलोमीटर की कक्षा में पेलोड पहुंचाने के बाद सफलतापूर्वक कक्षा में प्रवेश कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ ही, भारत विश्व का तीसरा ऐसा देश बन गया है जिसके पास प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च की क्षमता है।

- **PM मोदी ने इसे बताया ऐतिहासिक नई शुरुआत**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉन्चिंग से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और इसे 'ऐतिहासिक नई शुरुआत' बताया है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक ऐतिहासिक नई शुरुआत! स्काईरूट एयरोस्पेस भारत के पहले निजी तौर पर विकसित लॉन्च व्हीकल, 'विक्रम-1' का पहला ऑर्बिटल लॉन्च करेगा। यह चार-चरण वाला रॉकेट तेजी से और जरूरत के हिसाब से लॉन्च सेवाएं देने के लिए बनाया गया है। यह मिशन हमारे युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमिता की भावना को दर्शाता है। यह ये भी दिखाता है कि कैसे हमारे अंतरिक्ष-क्षेत्र के सुधार इनोवेशन और उद्यम के लिए नए अवसर खोल रहे हैं। सफल लॉन्च के लिए स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं। विक्रम-1 ऊंचाइयां छुए, इतिहास रचे और इनोवेटर्स की एक पीढ़ी को प्रेरित करे। मैं सभी भारतीयों, खासकर अपने युवा दोस्तों से आग्रह करता हूं कि वे इस ऐतिहासिक मिशन को देखें और India With Vikram1 का इस्तेमाल करके टीम स्काईरूट को सफलता के लिए शुभकामनाएं दें: PM मोदी

- **रॉकेट का नाम 'विक्रम-1' क्यों रखा गया?**

इस रॉकेट का नाम डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में 'विक्रम-1' रखा गया है। डॉ. साराभाई ने ही देश के स्पेस सेक्टर की मजबूत नींव रखी थी। वो दूरदर्शी वैज्ञानिक थे। स्काईरूट अपने सभी रॉकेट्स के नाम उनके सम्मान में इसी सीरीज पर रखती है। यह भारत के पहले प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट की लॉन्चिंग इसलिए इसे विक्रम-1 नाम दिया गया है। विक्रम-1 रॉकेट में PM मोदी का हस्तलिखित पोस्टकार्ड भी अंतरिक्ष में गया है, ये भी 'मिशन आगमन' को ऐतिहासिक बनाता है।

विक्रम-1' में क्या-क्या है खास?

- **विक्रम-1 रॉकेट कई तकनीकी उपकरणों को धरती से 450 किलोमीटर ऊपर एक खास कक्षा में स्थापित करेगा।**
- **रॉकेट विक्रम 350 किलोग्राम तक का वजन ले जाने में सक्षम है।**
- **विक्रम-1 पूरी तरह से हल्के और मजबूत कार्बन-कंपोजिट स्ट्रक्चर से बना पहला ऑर्बिटल रॉकेट है। कार्बन फाइबर स्टील की तुलना में पांच गुना हल्का होता है।**
- **इसमें कंपनी के अपने बनाए हुए इंजन लगे हैं, जिनमें 3 डी प्रिंटेड इंजन भी शामिल हैं।**
- **इसमें माइक्रो-आर्ट पीस छोटा सा रॉकेट भी है। इसका आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना है।**

लोकसभा अध्यक्ष का बड़ा फैसला :

उद्धव गुट के बागी सांसदों का विलय मंजूर, टीएमसी के बागी सांसदों को अलग सीटें

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह बागी सांसदों के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी। इस फैसले के बाद लोकसभा में शिंदे गुट की शिवसेना की ताकत बढ़ गई है। इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों को सदन में अलग बैठने की अनुमति भी दे दी गई है। ये सांसद नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो चुके हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, छह सांसदों के विलय के बाद लोकसभा में शिवसेना के सांसदों की संख्या सात से बढ़कर 13 हो गई है। यह फैसला सदन में पार्टी की संसदीय स्थिति को और मजबूत करेगा।

सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए 20 सांसदों को लोकसभा में अपनी मूल पार्टी से अलग बैठने की अनुमति मिल गई है। हालांकि, इन सांसदों की यह मांग अभी लंबित है कि उन्हें एनसीपीआई के सांसदों के रूप में आधिकारिक मान्यता दी जाए। इस संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

लोकसभा अध्यक्ष के इस फैसले के बाद संसद के भीतर राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खासकर शिवसेना के संख्या बल में बढ़ोतरी और टीएमसी के बागी सांसदों की अलग पहचान को लेकर आगे की स्थिति पर सभी की नजर रहेगी।

छत्तीसगढ़ में बारिश का 93 साल का रिकॉर्ड टूटा

यूपी के सभी 75 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट ; अरुणाचल प्रदेश के 35 गांवों में लैंडस्लाइड

एजेंसी नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बारिश का 93 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। यहां 1993 में 14.93 इंच बारिश हुई थी। लेकिन शनिवार को 16 इंच बारिश हुई और ये रिकॉर्ड टूट गया।

यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया।

वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा, निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई। बाढ़ से अब तक 1,13,674 लोग प्रभावित हुए हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी

अनशन के 21वें दिन वांगचुक को पुलिस ने अस्पताल भेजा, दवा-फ्लूइड लेने को राजी नहीं

एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख ह?ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस शनिवार सुबह सफदरजंग अस्पताल ले गई। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। मंच से नीचे आकर बैठे दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी।

इससे पहले सुबह करीब 7 बजे पुलिस सिविल ड्रेस में जंतर-मंतर पहुंची थी और वांगचुक को सफेद चादर में उठाकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर हंगामा हुआ।

वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। उनका वजन 9.5 किलो तक कम हो गया है।

इससे पहले, दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को आदेश दिया था कि वांगचुक का रोजाना मेडिकल चेकअप किया जाए और जरूरत पड़ने पर उनका इलाज कराया जाए।

हालांकि अस्पताल प्रशासन ने बताया है कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हो गया है। लेकिन उन्होंने दवा और आईवी फ्लूइड लेने से इनकार कर दिया है।

वांगचुक के अलावा 3 स्टूडेंट भी भूख हड़ताल पर

वांगचुक के साथ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन की नेहा, आमीन और मनीष भी पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। वे अभी भी अनशन पर हैं। नेहा को गंभीर हाइपोग्लाइसीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई है, जबकि आमीन और मनीष की तबीयत भी लगातार बिगड़ रही है।

हाइपोग्लाइसीमिया वह स्थिति है जब खून में शुगर लेवल सामान्य से बहुत कम हो जाता है। आमतौर पर 70एमजी/डीएलल से कम ब्लड शुगर को हाइपोग्लाइसीमिया माना जाता है।

वांगचुक के अलावा 3 स्टूडेंट भी भूख हड़ताल पर

वांगचुक के साथ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन की नेहा, आमीन और मनीष भी पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। वे अभी भी अनशन पर हैं। नेहा को गंभीर हाइपोग्लाइसीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई है, जबकि आमीन और मनीष की तबीयत भी लगातार बिगड़ रही है। हाइपोग्लाइसीमिया वह स्थिति है जब खून में शुगर लेवल सामान्य से बहुत कम हो जाता है। आमतौर पर 70एमजी से कम ब्लड शुगर को हाइपोग्लाइसीमिया माना जाता है।

नीट में सफल होने वालों में करीब आधे ओबीसी

हर दूसरा सफल छात्र इसी वर्ग से; एससी परीक्षार्थी 63% और ईडब्लूएस 76% बढ़े

एजेंसी नई दिल्ली

नीट 2026 के नतीजों में मेडिकल शिक्षा के सामाजिक-शैक्षणिक रुझानों में बड़ा बदलाव दिखा है। इस साल परीक्षा देने वालों में ओबीसी सबसे बड़ा वर्ग रहा। कुल रजिस्ट्रेशन में ओबीसी की हिस्सेदारी 41.8% थी, जबकि क्वालिफाई करने वालों में यह बढ़कर 45.7% हो गई। यानी लगभग हर दूसरा सफल छात्र ओबीसी वर्ग से है।

वहीं, सामान्य वर्ग की हिस्सेदारी रजिस्ट्रेशन में 29.2त्न थी, जो सफल छात्रों में घटकर 26% रह गई। स्ष्ट की हिस्सेदारी रजिस्ट्रेशन में 15.2% और सफल छात्रों में 14.2त्न रही। ईडब्लूएस का रजिस्ट्रेशन 7.3% था, लेकिन क्वालिफाई करने वालों में यह बढ़कर 8.5% हो गया। एसटी की हिस्सेदारी रजिस्ट्रेशन में 6.6% और सफल छात्रों में 5.7% रही। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 16 जुलाई की देर रात नीट 2026 का रिजल्ट जारी किया था। इस साल करीब 20 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 11.21 लाख स्टूडेंट्स मेडिकल, डेंटल,और अन्य मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए क्वालिफाई हुए हैं। 2020 और 2021 के बाद पहली बार कोई भी छात्र 720 का परफेक्ट स्कोर हासिल नहीं कर पाया।

साल में ईडब्लूएस सबसे तेज बढ़े, एससी दूसरे नंबर पर

2019 से 2026 के बीच सभी वर्गों के परीक्षार्थियों की संख्या बढ़ी है। सबसे तेज बढ़ोतरी ईडब्लूएस वर्ग में 76.30त्न दर्ज की गई। इसके बाद एससी वर्ग के परीक्षार्थी 63.52%, एसीके 56.93%, ओबीसी के 40.54त्न और सामान्य वर्ग के 24.52% बढ़े। विशेषज्ञों के मुताबिक, ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू होने के बाद इस वर्ग की भागीदारी में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ है। क्वालिफाइंग प्रतिशत के मामले में छोटे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का प्रदर्शन बेहतर रहा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा का चौथा दल धारचूला में फंसा

पिथौरागढ़। उत्तराखंड में लगातार बारिश का असर अब प्रमुख तीर्थ यात्राओं पर दिखने लगा है। पिथौरागढ़ में कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भूस्खलन होने से चौथा दल धारचूला में ही रुक गया है, जबकि जिले की 18 सड़कें बंद हैं।

वहीं रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी कई जगह भूस्खलन हुआ, हालांकि प्रशासन ने रास्ता साफ कर पैदल यात्रा फिर शुरू करा दी है। पिथौरागढ़ जिले में गर्भाधार के पास पहाड़ी दरकने से कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें आ गईं।

यात्रियों को सेकेंड क्लास कहना गलत:सुप्रीम कोर्ट

यह शब्द रेलवे कोच के लिए; ट्रेन हादसे के पीड़ित को 10 साल बाद 8 लाख मुआवजा

एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी यात्री की श्रेणी उसके खर्च से तय नहीं होनी चाहिए। रेलवे के नियमों में इस्तेमाल होने वाले 'सेकेंड क्लास पैसेंजर' शब्द पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट ने कहा कि 'सेकेंड क्लास' का संबंध कोच से होना चाहिए, यात्री से नहीं।

कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल का फैसला पलटते हुए ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिवार को 8 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मृत यात्री के पास टिकट नहीं मिलने भर से उसके परिवार को मुआवजे से वंचित नहीं किया जा सकता। जस्टिस संजय करोल और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर मुआवजा राशि जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। देरी होने पर दावा दायर करने की तारीख से 8त्न सालाना ब्याज भी देना होगा।

10 साल पहले ट्रेन से गिरकर हुई थी मौत

मामला नवंबर 2015 का है। मध्य प्रदेश के चंद्रकांत ठक्कर रायपुर से अहमदाबाद जा रहे थे। यात्रा के दौरान वे अहमदाबाद-हावड़ा मेल से गिर गए और उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद उनका बैग भी गायब हो गया, जिसमें टिकट होने की बात कही गई थी।

भाजपा बोली- महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुट मिल जाएं

फिर एनडीए में शामिल हों ; केंद्रीय कैबिनेट में दो पद का भी ऑफर

एजेंसी मुंबई

हाराष्ट्र में एनसीपी के दो गुट (सुनेत्रा पवार गुट और शरद पवार गुट) आपस में विलय कर सकते हैं। उन्हें साथ आने का ऑफर एनडीए की तरफ से मिला है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्र सरकार संसद में महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन विधेयक से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक ला सकती है। इसके लिए सदन में दो-तिहाई बहुमत चाहिए। इसलिए एनडीए के पार्टी नेतृत्व ने सुझाव दिया है कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुट आपस में फिर से मिल जाएं और एनडीए की सहयोगी पार्टी बन जाएं। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच सत्ता का संतुलन बनाने के लिए केंद्रीय कैबिनेट में दो पद देने का भी ऑफर दिया है।

एनसीपी के भीतर ही मतभेद- पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में सत्ता बंटवारे को लेकर एक राय नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की मांग- सुनेत्रा के बड़े बेटे और सांसद पार्थ पवार चाहते हैं कि विलय के बाद सुनेत्रा पवार एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें और महाराष्ट्र का वित्त विभाग उन्हें मिले। सीनियर लीडर्स की आपत्ति- सुनील तटकरे, प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल का कहना है कि सत्ता और पदों का बंटवारा सभी नेताओं को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

हादसा

15 घायल ; राफ का कैंप पास था ; धमाका सुनते ही रेस्क्यू के लिए पहुंचे जवान

अहमदाबाद में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 8 की मौत

एजेंसी अहमदाबाद

अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में शनिवार को पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 8 कर्मचारियों की मौत हो गई और करीब 15 घायल हो गए।

हादसा रामोल से गतराड जाने वाले रास्ते पर महमूदपुरा टैलेंट के पास हुआ। यहां पास में ही रैपिड एक्शन फोर्स का कैंप है। धमाके की आवाज सुनते ही जवान तुरंत घटनास्थल पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू किया। धमाके की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 25 लोग काम कर रहे थे।

फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था

इलाके के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़ के अनुसार, रामोल-गटराड रोड पर खुले मैदान में मेहुल डोडिया नाम का व्यक्ति पटाखा फैक्ट्री चला रहा था। फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था, इसके बावजूद वहां पटाखे बनाए जा रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं दमकल कर्मियों की टीमें पर पहुंचीं। रामोल पुलिस इस पूरे मामले में विस्फोटक अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की कार्रवाई करेगी।

खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा, खिलाड़ियों को मिलेगा बेहतर मंच : डीसी

प्रथम अंतर विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज, आरके पब्लिक स्कूल ने जीता उद्घाटन मुकाबला

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा। जिला प्रशासन एवं जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को स्थानीय फुटबॉल स्टेडियम में प्रथम गढ़वा जिला अंतर विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा, जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज, प्रतियोगिता अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय एवं सचिव मदन प्रसाद केशरी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर ट्रॉफी का अनावरण किया और प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उद्घाटन मुकाबले में आरके पब्लिक स्कूल, गढ़वा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ज्ञान निकेतन कॉन्वेंट स्कूल को 2-0 से हराकर विजयी शुरूआत की। पहले हाफ में माही कुमार ने हिमांशु सिंह के शानदार पास पर पहला गोल दागा, जबकि दूसरे हाफ में नमन ने पेनाल्टी किक को गोल में बदलकर टीम की जीत सुनिश्चित की। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए माही कुमार को 'प्लेयर ऑफ द डे' चुना गया।

जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने कहा कि जिले में अंतर विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता की शुरूआत एक ऐतिहासिक पहल है। इससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि गढ़वा में फुटबॉल सहित अन्य खेलों की अपार संभावनाएं हैं और खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा। जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास करने और खेल को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी भरोसा दिया। वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज ने टीम भावना के साथ खेलने पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने कहा कि फुटबॉल केवल खेल नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम है। वहीं प्रतियोगिता सचिव मदन प्रसाद केशरी ने कहा कि खेल युवाओं के लिए बेहतर करियर और स्वस्थ जीवन का मजबूत आधार बन सकता है। मौके पर जिला समन्वयक सह कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार दुबे, उपाध्यक्ष सुशील केशरी, संजय सोनी, मुजीबउद्दीन खान, कार्यकारी सचिव आनंद कुमार सिन्हा, सह सचिव प्रिंस सोनी, संजय सिंह, जीनाहुद्दीन खान, धर्मराज भारती, आनंद यादव, संजय कुमार, अभिषेक द्विवेदी, मनीष उपाध्याय, मनोज तिवारी, मनोज पाठक, राहुल साहू, अजीत सिन्हा, कुश कुमार, फुटबॉल कोच सोनी कुमारी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मझिआंव नगर पंचायत में 52लाख रुपये की छह विकास योजनाओं का हुआ शिलान्यास

झारखंड वार्ता संवाददाता

मझिआंव: मझिआंव नगर पंचायत में शुक्रवार को स्थानीय विधायक नरेश प्रसाद सिंह एवं नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी द्वारा संयुक्त रूप से 52लाख 09 हजार 700रुपए की लागत राशि से बनने वाले छह विकास योजनाओं का शिलान्याक्स किया गया। इनमें वार्ड नं04में गोपाल मेहता के घर के पास गाइड वाल, वार्ड नंबर 7 में बाजार समिति में हैंडपंप से प्रदीप साह के घर तक नाली निर्माण, एवं मेंन रोड बाजार समिति से हैंडपंप तक स्लैब के साथ नाली निर्माण, वार्ड 9 में मेंन रोड से कुंज बिहारी के घर तक नाली निर्माण, वार्ड 11 में फुलेश्वर चौधरी के घर से रामधनी चौधरी के घर तक नाली निर्माण तथा वार्ड 12 में कुंज बिहारी के घर से नदी तक नाली निर्माण कार्य शामिल है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इन योजनाओं के पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि राज्य सरकार एवं नगर पंचायत के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं संवेदकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि आम जनता को योजनाओं का लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके। मौके पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमन विश्वकर्मा, सांसद प्रतिनिधि भगवान दत्त तिवारी,संबंधित वार्ड पार्षद,नगर प्रबंधक, कनीय अभियंता, नगर पंचायत कर्मी एवं संबंधित संवेदक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार आम लोगों को दिला रहा सुलभ न्याय : राकेश त्रिपाठी

मेराल में विधिक जागरूकता शिविर, सड़क सुरक्षा व साइबर अपराध से बचाव की दी गई जानकारी

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेराल (गढ़वा)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ठअछरअ) एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (JHALSA) के निर्देश पर चल रहे 90 दिवसीय आउटरीच अभियान के तहत शनिवार को मेराल प्रखंड सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (DLSA) की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष, मीडिएटर सह अधिवक्ता राकेश त्रिपाठी, थाना प्रभारी विष्णुकांत, डॉ. अनिल साह, प्रधान सहायक रामनाथ पाल, सीआई संजीव कुमार पांडे, बसंत पांडे एवं रिजवान अख्तर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि राकेश त्रिपाठी ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने सड़क दुर्घटना की स्थिति में आम नागरिकों, पुलिस, चिकित्सकों, मीडिया तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार की भूमिका और कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देते हुए लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। थाना प्रभारी विष्णुकांत ने सड़क सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा नशे की हालत में वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि एक छोटी-सी लापरवाही भी किसी परिवार की खुशियां छीन सकती है। साइबर अपराधों से बचाव को लेकर उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी, यूपीआई पिन अथवा बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। यदि कोई साइबर ठगी का शिकार होता है तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाना में शिकायत दर्ज कराएं। शिविर के दौरान दो दिव्यांग एवं तीन वृद्धजनों की पेंशन स्वीकृत की गई। साथ ही उन्हें साड़ी और धोती प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं एवं प्रखंड कर्मियों ने भाग लेकर विधिक अधिकारों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

जेपीएससी परीक्षा में अनियमितता का आरोप भाजपा ने सीबीआई जांच की उठाई मांग

19 जुलाई को मशाल जुलूस, 22 जुलाई को जेपीएससी कार्यालय घेराव का ऐलान

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष उदय कुशवाहा एवं भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुन्ना तिवारी ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर झारखंड लोक सेवा आयोग जेपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले लगभग सात वर्षों से जेपीएससी की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में लगातार परिणामों में विलंब, पारदर्शिता की कमी और अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं, जिससे राज्य के लाखों युवाओं का भर्ती प्रक्रिया से विश्वास डगमगा गया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि हाल ही में घोषित 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) के परिणाम में कट-ऑफ अंक सार्वजनिक नहीं किए गए और मेरिट सूची तैयार करने की प्रक्रिया को लेकर भी अभ्यर्थियों के बीच कई सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने तथा आवश्यक होने पर सीबीआई से जांच कराने की मांग की। जिलाध्यक्ष उदय कुशवाहा ने कहा कि राज्य के युवाओं का भविष्य सर्वोपरि है। यदि भर्ती प्रक्रिया पर संदेह उत्पन्न हो रहा है तो सरकार की जिम्मेदारी है कि पूरी पारदर्शिता के साथ जांच कराकर सच्चाई सामने लाए। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाए जाएं, उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुन्ना तिवारी ने कहा कि झारखंड का युवा वर्षों तक कठिन परिश्रम कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। यदि परीक्षाओं और परिणामों की निष्पक्षता पर लगातार सवाल उठेंगे तो युवाओं का मनोबल टूटेगा। उन्होंने सरकार से भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की मांग की। नेताओं ने मांग की कि सरकार परीक्षा से जुड़े सभी दस्तावेज, श्रेणीवार कट-ऑफ, मूल्यांकन प्रक्रिया और अन्य आवश्यक जानकारियां सार्वजनिक करे, ताकि किसी भी प्रकार की शंका समाप्त हो सके। उन्होंने कहा कि यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। प्रेस वार्ता में भाजपा युवा मोर्चा ने आंदोलन की घोषणा करते हुए बताया कि 19 जुलाई की शाम जिला मुख्यालय पर मशाल जुलूस निकाला जाएगा, जबकि 22 जुलाई को रांची स्थित जेपीएससी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि गढ़वा से बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता इस आंदोलन में शामिल होंगे। मौके पर विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी, अशोक केशरी, अविनाश पासवान, मनु उपाध्याय, उमेश कश्यप, रितेश दुबे, विकास, धनंजय गोंड, रंजीत चौरसिया, ज्ञान चौबे, लक्ष्मी पांडेय, अनिमेष चौबे, पवन कुजूर, संतोष चंद्रवंशी, रविंद्र सहित भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पलामू संसदीय क्षेत्र की पांच जर्जर सड़कों का होगा निर्माण, सांसद की पहल लाई रंग

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा। पलामू संसदीय क्षेत्र के लोगों को जल्द ही जर्जर सड़कों से राहत मिलने की उम्मीद है। सांसद विष्णु दयाल राम की अनुशंसा पर झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग ने पलामू और गढ़वा जिले की पांच महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग की अभियंताओं की टीम शीघ्र ही प्रस्तावित सड़कों का स्थलीय निरीक्षण करेगी, जिसके बाद निर्माण कार्य की औपचारिक प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। सांसद विष्णु दयाल राम ने बताया कि क्षेत्र के लोगों को वर्षों से खराब सड़कों के कारण आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखते हुए उन्होंने 24 मार्च 2026 को पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर इन सड़कों के निर्माण की अनुशंसा की थी। अब विभाग ने इस पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

इन सड़कों का होगा निर्माण

पलामू जिला:-एनएच-139 (पुराना एनएच-98) हरिहरगंज दुबटिया मोड़ से पीपरा होते हुए हुसैनाबाद पीडब्ल्यूडी रोड तक लगभग 22 किमी सड़क। चेचरिया से जमडीहा, करकट्टा, बसरिया होते हुए जोगा तक लगभग 13 किमी सड़क। जपला-छतरपुर से मझौली, पीपरा बाजार, सरहू, झगराखांड, हसनपुर, मधुबाना तक लगभग 15 किमी सड़क।

गढ़वा जिला:- परों से कुरून, तिहारो, हरता, चपलसी होते हुए पाट फकीराडीह तक लगभग 24 किमी सड़क।

पनघटवा-टाटीदीरी-मार्च-धुरकी तक लगभग 13 किमी सड़क। सांसद ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी। साथ ही किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों और आम लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और लोगों को वर्षों पुरानी समस्या से निजात मिलेगी।

राजा पहाड़ी शिव मंदिर प्रबंधन समिति का हुआ विस्तार, नगर पंचायत के पदेन सदस्यों समेत 12 नए सदस्य किए गए शामिल

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। राजा पहाड़ी शिव मंदिर के सुचारु संचालन एवं प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंदिर प्रबंधन समिति का विस्तार कर दिया गया है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) श्री बंशीधर नगर ने शुक्रवार को आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार 18 जुलाई 2026 को आयोजित मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के आलोक में पूर्व से गठित समिति में नए सदस्यों को शामिल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार नगर पंचायत श्री बंशीधर नगर के कार्यपालक पदाधिकारी एवं उपाध्यक्ष को पदेन सदस्य बनाया गया है। वहीं कामेश्वर प्रसाद, अशोक जायसवाल, मनोज कुमार मंदू, ओम प्रकाश गुप्ता, विरेंद्र अग्रहरी, शुभम प्रकाश, विद्या भास्कर, अशोक सेठ, मनोज कुमार, वीरेंद्र कुमार बहादुर, अजय कुमार मिंटू तथा सचिन कुमार को समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। एसडीओ द्वारा जारी आदेश में सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे प्रबंधन समिति की बैठकों में नियमित रूप से भाग लेकर राजा पहाड़ी शिव मंदिर के संचालन एवं विकास से जुड़े आवश्यक निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाएं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इस आदेश की प्रति मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों, नगर पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं कार्यपालक पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, वन क्षेत्र पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं सूचना के लिए भेजी गई है।

जहरीले सांपों का रक्षक बना रमना का सुनील, अब तक बचा चुका है सैकड़ों बेजुबानों की जान

बरसात में रोजाना करते हैं निःशुल्क स्नेक रेस्क्यू, लोगों से करते हैं अपील- सांप को न मारें, अस्पताल पर करें भरोसा

शुभम जायसवाल

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। जहां अधिकांश लोग सांप का नाम सुनते ही डर जाते हैं और उसे देखते ही मारने की कोशिश करते हैं, वहीं रमना प्रखंड का युवा सुनील गुप्ता सांपों को नया जीवन देने का मिशन लेकर काम कर रहा है। जहरीले से जहरीले सांपों का निडर होकर रेस्क्यू करने वाले सुनील इन दिनों पूरे इलाके में चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनका स्नेक रेस्क्यू का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे लोगों को सांपों के महत्व की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें न मारने की अपील करते नजर आते हैं। सुनील गुप्ता का कहना है कि सांप भी प्रकृति के महत्वपूर्ण जीव हैं और बिना वजह उन्हें मारना गलत है। इसी सोच के साथ वे पिछले कई वर्षों से पूरी तरह निःशुल्क स्नेक रेस्क्यू का कार्य कर रहे हैं। गांव हो या शहर, दिन हो या आधी रात, कहीं भी सांप निकलने की सूचना मिलते ही वे तुरंत अपने उपकरण लेकर मौके पर पहुंच जाते हैं और सुरक्षित तरीके से सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ देते हैं।

यूट्यूब से सीखी कला, बना लिया जीवन का मिशन

सुनील बताते हैं कि बचपन से ही उन्हें सांपों के प्रति जिज्ञासा थी। खेतों में काम करने के दौरान कई बार उनका सामना सांपों से हुआ, लेकिन उन्होंने कभी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाया। बाद में यूट्यूब पर स्नेक रेस्क्यू के वीडियो देखकर उन्होंने इस कला को सीखा और वर्ष 2023 से लोगों की सेवा में जुट गए। अब तक वे कोबरा, गेहुवन, धामिन सहित कई जहरीले और दुर्लभ प्रजाति के सांपों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर चुके हैं।

बरसात में रोजाना पहुंचते हैं लोगों की मदद के लिए

बरसात के मौसम में सांपों के निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में सुनील का मोबाइल लगातार बजता रहता है। सूचना मिलते ही वे लोहे की विशेष स्टिक और अन्य सुरक्षा उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचकर सांप का रेस्क्यू करते हैं। इस सेवा के लिए वे किसी से कोई शुल्क नहीं लेते। उनका उद्देश्य सिर्फ इंसानों और वन्यजीवों दोनों की जान बचाना है।

सिर्फ रेस्क्यू नहीं, लोगों को भी करते हैं जागरूक

सुनील गुप्ता केवल सांप पकड़ने तक सीमित नहीं हैं। वे लोगों को जागरूक भी करते हैं कि सांप दिखने पर घबराएं नहीं और उसे मारने की बजाय प्रशिक्षित रेस्क्यूकर्ता को बुलाएं। यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो झाड़-फूंक या अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय तुरंत अस्पताल पहुंचकर इलाज कराना चाहिए। वे लगातार लोगों को वैज्ञानिक सोच अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

एसडीओ और एसडीपीओ आवास से भी किया जहरीले सांप का रेस्क्यू

हाल ही में श्री बंशीधर नगर अनुमंडल पदाधिकारी एवं एसडीपीओ के सरकारी आवास में जहरीला सांप निकल आया था। सूचना मिलते ही सुनील मौके पर पहुंचे और सुरक्षित तरीके से सांप का रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया। इस कार्य की लोगों ने काफी सराहना की।

कई बार खुद भी हुए घायल, फिर भी नहीं छोड़ा सेवा का संकल्प

सांपों का रेस्क्यू करना जोखिम भरा काम है। इस दौरान कई बार सुनील खुद भी घायल हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी। उनका कहना है कि जब तक संभव होगा, वे वन्यजीवों की रक्षा और लोगों की सुरक्षा के लिए इसी तरह निःस्वार्थ सेवा करते रहेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुनील गुप्ता जैसे युवाओं की वजह से अब लोग सांपों को मारने के बजाय उन्हें सूचना देते हैं। उनकी यह अनोखी पहल न सिर्फ वन्यजीव संरक्षण का संदेश दे रही है, बल्कि समाज में जागरूकता भी फैला रही है।

मां चतुभुर्जी मंदिर में डीएसपी ने परिवार संग की पूजा-अर्चना, क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

झारखंड वार्ता संवाददाता

केतार (गढ़वा)। बंशीधर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह ने शनिवार को प्रखंड स्थित प्रसिद्ध मां चतुभुर्जी मंदिर पहुंचकर अपने परिवार के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां भगवती के दरबार में माथा टेककर क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि एवं बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की प्रार्थना की। पूजा-अर्चना के बाद मंदिर विकास समिति की ओर से डीएसपी एवं उनके परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समिति के संरक्षक राम विचार साहू, सचिव हेमंत पाठक, उपाध्यक्ष निशांत निश्रम उर्फ छोटे शर्मा तथा कोषाध्यक्ष विनोद प्रसाद ने माता की पवित्र चुनरी ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएसपी ने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की और धार्मिक आस्था के ऐसे आयोजनों को सामाजिक सौहार्द एवं सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक बताया। मंदिर परिसर में पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रही और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर विकास समिति के पदाधिकारियों ने डीएसपी को मंदिर की धार्मिक परंपराओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी तथा भविष्य में भी मंदिर के विकास के लिए सहयोग की अपेक्षा जताई। मौके पर केतार थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी भी उपस्थित थे।

झारखंड वार्ता
रविवार, 19-07-2026
www.jharkhandvarta.com

एसआईआर अभियान की समीक्षा के साथ जनहित, भाषा और संस्कृति के संरक्षण का लिया गया संकल्प : के. एन. त्रिपाठी

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड के अक्‍कू हॉल में एसआईआर अभियान को लेकर सभी बूथ साथियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. एन. त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान को पूरी पारदर्शिता, जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ संचालित किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से वंचित न हो। बैठक में प्रत्येक बूथ पर चल रहे एसआईआर कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को सक्रिय रूप से जुटने का आह्वान किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में आम जनता को होने वाली परेशानियों, कार्यों में अनावश्यक विलंब तथा प्रशासनिक कठिनाइयों को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान स्थानीय भाषा, संस्कृति एवं क्षेत्रीय पहचान के संरक्षण और सम्मान पर भी गंभीर चर्चा हुई।

के. एन. त्रिपाठी ने कहा कि हमारी भाषा और संस्कृति हमारी पहचान, विरासत और स्वाभिमान का आधार हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के अधिकारों, भाषा, संस्कृति और जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर सदैव मजबूती के साथ खड़ी रही है और आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से जनता की आवाज को बुलंद करती रहेगी।

बैठक के उपरांत पांकी विधानसभा के मनातू एवं तरहसी प्रखंड के विभिन्न बूथों का दौरा कर एसआईआर अभियान के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ से अभियान की प्रगति की जानकारी ली गई तथा आम मतदाताओं से अपील की गई कि वे सत्यापन प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें, आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराएं तथा यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न हटे। इस अवसर पर पांकी विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी श्री लाल सूरज, पांकी विधानसभा प्रभारी अमित साहू, जिला परिषद सदस्य मुकेश सिंह चंदेल, परमदेव सिंह, धनंजय पाठक, रंजन दुबे, सूर्यदेव पासवान, जनार्दन दुबे, प्रदेश सचिव रामचंद्र दीक्षित, लेस्लीगंज प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सिंह राजेंद्र ओझा अखिलेश ठाकुर अरविंद सिंह मुखिया प्रतिनिधि धनंजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जर्री ओवरब्रिज रेलवे सायडिंग में जानलेवा स्टंट, वायरल वीडियो ने बढ़ाई चिंता

झारखंड वार्ता संवाददाता

बालूमाथ (लातेहार): सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक युवक जर्री ओवरब्रिज स्थित रेलवे सायडिंग क्षेत्र में जानलेवा स्टंट करता दिखाई दे रहा है। रील बनाने के चक्कर में वह अपनी जान जोखिम में डालता नजर आ रहा है।

रेलवे सायडिंग और ट्रैक के आसपास इस तरह की लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सुरक्षा एजेंसियां लगातार लोगों से रेलवे क्षेत्र में स्टंट या वीडियो बनाने से बचने की अपील करती रही हैं। स्थानीय लोगों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि कुछ सेकंड की सोशल मीडिया लोकप्रियता के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगाना उचित नहीं है।

अभिभावकों और युवाओं से भी ऐसे खतरनाक ट्रेंड से दूर रहने की अपील की गई है। अपील: रेलवे परिसर और सायडिंग में स्टंट न करें। एक छोटी-सी गलती जीवनभर का पछतावा बन सकती है। आपकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

कोलकाता में आयोजित नेशनल कराटे चैंपियनशिप में भाग लेंगे संत मरियम के खिलाड़ी

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित अग्रसेन गर्ल्स स्कूल में 19 जुलाई से आयोजित होने वाली चौथी एपीजे अब्दुल कलाम इंटर स्कूल एवं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम विद्यालय के पांच चयनित बाल कराटेकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन शितो-रियु कराटे-डू फेडरेशन के तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में विद्यालय की ओर से रौनक कुमार, अनिकेत कुमार, शिवम कुमार, दिव्यांशु कुमार एवं अनुराग कुमार भाग लेंगे। सभी खिलाड़ी 18 जुलाई को विद्यालय से मुख्य कराटे प्रशिक्षक क्योंशी संतोष कुमार के नेतृत्व में कोलकाता के लिए रवाना हुए। वहीं, टीम मैनेजर की जिम्मेदारी सेंसाई संजय कुमार पासवान को सौंपी गई है। आयोजकों के अनुसार, इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के लगभग 20 राज्यों से स्कूली कराटे खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ऐसे में प्रतियोगिता का स्तर काफी प्रतिस्पर्धी रहने की संभावना है। विद्यालय के प्राचार्य कुमार आदर्श ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेना ही विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विद्यालय के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, जिले और राज्य का नाम गौरवान्वित करेंगे।

परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर दायरे में धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू परीक्षा पूर्व संध्या पर डीसी-एसपी ने केंद्रों का किया संयुक्त निरीक्षण

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 : शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 का आयोजन रविवार को मेदिनीनगर शहर के 18 परीक्षा केंद्रों पर तीन पालियों में किया जाएगा। परीक्षा के निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा को लेकर सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत सभी परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू की गई है। आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी व्यक्ति के घातक हथियार, लाठी, भाला, गड़ासा, छुरा आदि लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही पांच अथवा पांच से अधिक व्यक्तियों के एक साथ एकत्र होने पर भी रोक रहेगी। बिना सक्षम अनुमति के लाउडस्पीकर अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में संचालित सभी फोटोस्टेट दुकानों को परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखने का निर्देश दिया गया है। इधर, परीक्षा की पूर्व संध्या पर शनिवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने संयुक्त रूप से ब्राइटलैंड स्कूल एवं वीपीएम ज्ञान निकेतन स्कूल स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, जैमर की उपलब्धता, कंट्रोल रूम की व्यवस्था, वीडियोग्राफी की तैयारी, प्रश्नपत्र एवं परीक्षा सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग तथा अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के प्रत्येक चरण में निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक परीक्षा कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पंखों की सुचारु कार्यशीलता तथा अभ्यर्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया।निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी, संबंधित दंडाधिकारी, केंद्राधीक्षक तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बालूमाथ में श्रद्धा व उल्लास के साथ निकाली गई भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

राजेश कुमार साव

बालूमाथ : आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर बालूमाथ में महाप्रभु श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा धूमधाम और पारंपरिक श्रद्धा-उल्लास के साथ निकाली गई। इस पावन अवसर पर बालूमाथ के महावीर मंदिर से गाजे-बाजे और जयघोष के साथ रथ यात्रा की शुरूआत हुई। इस गरिमामयी रथ यात्रा में मुख्य रूप से जिला परिषद लातेहार की उपाध्यक्ष अनीता देवी अपने पति प्रवीण कुमार सिंह के साथ रथ खींचा और उन्होंने महाप्रभु जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। रथ यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। भगवान के रथ को खींचने के लिए भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। पूरा माहौलजय जगन्नाथ के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

इस शुभ अवसर परउपस्थित अनीता देवी ने रथ यात्रा के गौरवशाली इतिहास और महत्व के बारे में बताया:
रथ यात्रा का इतिहास सदियों पुराना है, जिसकी जड़ें पौराणिक काल से जुड़ी हैं। मान्यता है कि आज ही के दिन भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र की इच्छा पूरी करने के लिए उन्हें रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं। यह यात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जहां जाति, पंथ और ऊंच-नीच का भेद मिटाकर हर वर्ग के लोग एक साथ मिलकर भगवान का रथ खींचते हैं। मौसी बाड़ी जाकर भगवान नौ दिनों तक विश्राम करते हैं, जो हमें अपने रिश्तेदारों और समाज से जुड़े रहने का संदेश देता है। इस भव्य धार्मिक आयोजन के मौके पर बालूमाथ क्षेत्र के कई सम्मानित एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रथ यात्रा को सफल बनाने और व्यवस्था संभालने में अखिलेश भोक्ता, गंगेश्वर यादव, मंत्री, संजय कुशवाहा, सत्य प्रकाश पांडे, बिट्टू सिंह, प्रवीण सिंह,वीरेंद्र गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, पंकज सिन्हा, शशि भूषण प्रसाद, निरंजन बैठा, मनोहर साव, विजय साव, अजीत कुमार, शशि भूषण, आशीष ओझा एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद व स्कूल संचालक अजीत ओझा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित थे। सुरक्षा और व्यवस्था के बीच महाप्रभु का रथ अपने गंतव्य की ओर बढ़ा। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा की।

भैंस चराने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, दो महिलाओं समेत चार घायल

मझिआंव (गढ़वा): थाना क्षेत्र के मझिआंव खुर्द गांव में भैंस चराने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज कराया गया है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के संबंध में घायल सुनीता देवी, पति स्वर्गीय उपेंद्र यादव, द्वारा मझिआंव थाना में दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि वह अपने मुर्गी फार्म के पास बैठी थीं। इसी दौरान बृजमोहन राम, उनकी पत्नी शकुंतला देवी, पुत्र सुजीत चंद्रवंशी तथा उसकी पत्नी संगीता देवी लाठी एवं धारदार हथियार लेकर पहुंचे और जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। आरोप है कि तलवार से किए गए वार में सुनीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। आवेदन में कहा गया है कि शोर सुनकर बचाव के लिए पहुंचे उनके भसुर विनोद यादव तथा भगवती देवी के साथ भी आरोपितों ने मारपीट की, जिससे वे भी घायल हो गए। साथ ही आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान बक्से में रखे 30 हजार रुपये नकद और सोने की चेन भी छीन ली गई। वहीं, दूसरे पक्ष के घायल सुजीत कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि भैंस चराने के विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई। उन्होंने रुपये और सोने की चेन लूटने के आरोप को निराधार बताया। इस संबंध में थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मामले में पूछताछ के लिए सुजीत चंद्रवंशी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की जांच कर रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण, छात्राओं की शैक्षणिक तैयारी, करियर मार्गदर्शन एवं भोजन व्यवस्था का लिया जायजा

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनी नगर : पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सदर मेदिनीनगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं की शैक्षणिक तैयारी, करियर के प्रति उनकी जागरूकता, विद्यालय की शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता तथा अध्ययन के वातावरण का गहन आकलन किया। उपायुक्त ने कहा कि इस औचक निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य केवल विद्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना नहीं, बल्कि यह जानना था कि छात्राओं की तैयारी वर्तमान में किस स्तर पर है तथा किन क्षेत्रों में जिला प्रशासन को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक छात्रा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन, सकारात्मक वातावरण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर जीवन में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर सकें। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सर्वप्रथम विद्यालय की वार्डन से छात्राओं को निर्धारित मीनू के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराए जाने की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मीनू चार्ट का अवलोकन करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि छात्राओं को समयानुसार नाश्ता, दोपहर का भोजन, सायंकालीन अल्पाहार तथा रात्रि भोजन निर्धारित रोस्टर एवं मीनू के अनुसार उपलब्ध कराया जाए। इसके उपरांत उपायुक्त ने विद्यालय के रसोईघर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि छात्राओं को परोसी गई दाल अपेक्षाकृत अधिक पतली थी। इस पर उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए वार्डन को निर्देश दिया कि छात्राओं को नियमानुसार पौष्टिक, संतुलित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा भोजन की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों सहित अन्य विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करें तथा शिक्षा, भोजन, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों के भविष्य से जुड़े किसी भी विषय में लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त कक्षा 12 (कला संकाय) में पहुंचे और छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने एक-एक छात्रा से उनके जीवन के लक्ष्य एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान किसी छात्रा ने नर्स, किसी ने डॉक्टर, किसी ने पुलिस अधिकारी तथा एक छात्रा ने उपायुक्त जैसा प्रशासनिक अधिकारी बनने की इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि केवल लक्ष्य निर्धारित करना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उस लक्ष्य तक पहुंचने का मार्ग, आवश्यक विषय, प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी तथा तैयारी की सही रणनीति भी उतनी ही आवश्यक है। यदि लक्ष्य स्पष्ट होगा और उसके अनुरूप अनुशासित एवं निरंतर प्रयास किए जाएंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसके लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन, एकाग्रता, निरंतर अध्ययन और सकारात्मक सोच आवश्यक है। इसके बाद उपायुक्त ने कक्षा 11 की छात्राओं से भी संवाद किया। इस दौरान एक छात्रा ने पायलट बनने की इच्छा व्यक्त की। उपायुक्त ने उससे पूछा कि क्या उसे पायलट बनने के लिए आवश्यक विषयों, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा प्रशिक्षण प्रक्रिया की जानकारी है। छात्रा ने बताया कि पायलट बनना उसका सपना तो है, लेकिन पूरी प्रक्रिया की जानकारी अभी नहीं है। इस पर उपायुक्त ने उसे विस्तार से बताया कि पायलट बनने के लिए किन विषयों का अध्ययन करना होता है, किन परीक्षाओं की तैयारी करनी होती है तथा प्रशिक्षण कहां और किस प्रकार प्राप्त किया जाता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि यदि लक्ष्य बड़ा है तो उसकी तैयारी भी समय रहते योजनाबद्ध तरीके से शुरू करनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त कक्षा 10 में संचालित कम्युनिकेशन स्किल्स की कक्षा में भी पहुंचे और छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रभावी संवाद का सबसे महत्वपूर्ण आधार आत्मविश्वास है।

अपनी बात को किसी भी भाषा में स्पष्ट, सहज एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना ही वास्तविक संप्रेषण कौशल है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल एक माध्यम है, जबकि संचार का वास्तविक उद्देश्य अपनी बात को श्रोताओं तक स्पष्ट, सटीक एवं प्रभावशाली ढंग से पहुंचाना होता है। इसलिए छात्राओं को बिना किसी झिझक के आत्मविश्वास के साथ अपनी अभिव्यक्ति विकसित करनी चाहिए। उपायुक्त ने विद्यालय की लाइब्रेरी में अध्ययनरत छात्राओं से भी मुलाकात की। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान के अनुभव साझा किए और बताया कि निरंतर मेहनत, समय का सदुपयोग, नियमित अध्ययन तथा आत्मविश्वास ही सफलता का आधार हैं। उन्होंने छात्राओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया तथा उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित एवं निष्ठावान रहने के लिए प्रेरित किया।

उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक छात्रा में असीम संभावनाएं हैं। आवश्यकता केवल सही दिशा, उचित मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास की है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे बड़े सपने देखें, उन्हें प्राप्त करने का संकल्प लें और पूरी ईमानदारी एवं मेहनत के साथ अपनी तैयारी करें। जिला प्रशासन हर संभव प्रयास करेगा कि उन्हें बेहतर शिक्षा, बेहतर वातावरण और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध हों। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि विद्यालय में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर अध्ययन वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित शैक्षणिक मार्गदर्शन तथा सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कमी न रहने पाए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा समय-समय पर इस प्रकार के निरीक्षण एवं संवाद के माध्यम से उनकी आवश्यकताओं का आकलन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बच्चों के हितों से जुड़े किसी भी मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक अधिकारी एवं संबंधित कर्मी यह सुनिश्चित करें कि विद्यालय में शिक्षा, भोजन, सुरक्षा और अन्य सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों, ताकि छात्राएं एक सुरक्षित, प्रेरणादायक एवं गुणवत्तापूर्ण वातावरण में अपने सपनों को साकार कर सकें।

न्यूज ट्रेक

हेलीकॉप्टर से 2100 रुपए में देख सकेंगे पटना का नजारा

पटना। पटना अब लोग पटना शहर का हवाई सफर कर इसकी खूबसूरती का आनंद ले सकेंगे। मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना की शुरुआत शनिवार को दोपहर 3 बजे स्टेट हैंगर (पटना एयरपोर्ट के पास) से होगी। इस हवाई यात्रा के दौरान पर्यटक आसमान से जेपी गंगा पथ, गंगा नदी, तख्त श्री हरिमंदिर जी साहिब सहित पटना के प्रमुख ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थलों का विहंगम दृश्य देख सकेंगे। शनिवार को योजना के शुभारंभ के बाद रविवार को दोपहर 3 बजे से हर 30 मिनट के अंतराल पर 4 उड़ानें संचालित की जाएंगी। यह सुविधा केवल शनिवार और रविवार को मिलेगी। फिलहाल 26 जुलाई तक सभी सीटें फुल हो चुकी हैं। अगले दो हफ्तों के लिए बुकिंग रविवार से होगी। 10 मिनट की इस हवाई यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति किराया मात्र 2,100 रुपए रखा गया है। बाकी बची राशि राज्य सरकार सब्सिडी के रूप में वहन करेगी। यात्रियों को पर्यटन विभाग की ओर से मुफ्त टूरिस्ट गाइड की सुविधा भी मिलेगी। ठहरने, खाने-पीने, घूमने का खर्च खुद वहन करना पड़ेगा पर्यटकों से हेलीकॉप्टर या एरोप्लेन का किराया लिया जाएगा। ठहरने, खाने-पीने, घूमने आदि का खर्च खुद वहन करना पड़ेगा। केवल गाइड की मुफ्त सुविधा मिलेगी। अगस्त में पटना से कैमूर, राजगीर और वाल्मीकि नगर के लिए भी सेवा इस योजना के तहत अगस्त में पटना से कैमूर, राजगीर और वाल्मीकिनगर के लिए जहाज और हेलीकॉप्टर सेवा की शुरुआत होगी। इन पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को उतारने के लिए जगह का चयन किया जा रहा है। किराया 4000 से 6000 रुपए तक रखा गया है। यह एक तरफ का किराया है। आने-जाने पर दोगुना लगेगा।

पत्नी ने स्कूल मालिक पति को सांप से डसवाकर मारा

मेरठ। मेरठ में स्कूल संचालक पति को पत्नी ने सांप से डसवाकर मरवा दिया। उसने शादीशुदा वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। पहले पति को दूध में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दीं। फिर रात 2 बजे प्रेमी और सपेरों को बुलाकर बिस्तर पर करैत सांप छोड़ दिया। यह देश के 4 सबसे जहरीले सांपों में आता है।

वारदात के बाद पत्नी ने प्रेमी को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। शुक्रवार सुबह 6 बजे पत्नी कमरे में पहुंची और चीखने लगी। उसने परिजनों से कहा कि अतुल कुमार (32) को सांप ने काट लिया है। कमरे में सांप मौजूद था और अतुल के पैर पर डसने के निशान भी थे। इसे देखकर परिजनों को लगा कि उनकी मौत सांप के डसने से हुई है। मामला तब पलटा, जब पूछताछ में पत्नी दामिनी (30) ने बताया कि उसे गर्मी लग रही थी, इसलिए वह बेटे के साथ कमरे से बाहर सोने चली गई थी। उसके इस बयान पर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने दामिनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कॉल डिटेल खंगालने पर वैन ड्राइवर तुषार पायला से उसकी लगातार बातचीत सामने आई।

तुषार को पकड़ा गया तो उसने पूरी साजिश कबूल कर ली। उसने बताया कि अतुल उनके रिश्ते में रोड़ा बन रहा था। अतुल ने 20 लाख रुपए का बीमा भी कराया था। हत्या के बाद बीमा की रकम लेकर दोनों नई जिंदगी शुरू करना चाहते थे। इसलिए दोनों ने 5 लाख रुपए में दो सपेरों को तैयार किया और अतुल को करैत सांप से डसवा दिया।

मामला हस्तिनापुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने पत्नी, उसके प्रेमी और दोनों सपेरों को जेल भेज दिया है। मीडियाकर्मियों ने उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन वह बिना कुछ बोले चली गई। अतुल कुमार जिला मुख्यालय से 30 किमी भंडोरा गांव के रहने वाले थे। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। पिता अजब सिंह (72) खेती-किसानी करते हैं, जबकि मां संतोष देवी (69) गृहिणी हैं।

चौपट हो जाएगा भविष्यःसोशल मीडिया पर हथियार लहरा दबंगई दिखाई तो नेशनल क्राइम पोर्टल्स पर दर्ज होगा नाम

एजेसी पटना

विशेष अभियान में 102 केस दर्ज, 130 आरोपी गिरफ्तार, पटना टॉप पर सोशल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन और पुलिस टीम पर हमला करने वालों के खिलाफ पुलिस मुख्यालय ने सख्त रुख अपना लिया है। मुख्यालय के निर्देश पर 1 मई से 14 जुलाई के बीच विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सोशल मीडिया पर हथियार लहराने के मामले में 102 केस दर्ज कर 130 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 40 अवैध हथियार भी जब्त किए गए। इस मामले में राजधानी पटना सबसे आगे है, जहां 17 केस दर्ज कर 29 आरोपियों को जेल भेजा गया। पटना के अलावा नवगछिया, गोपालगंज, सीतामढ़ी और मोतिहारी में भी बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हुई हैं। अब ऐसे लोगों का पूरा डाटा सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम) और नेटग्रिड (द नेशनल इंटेलीजेंस ग्रिड) पर अपलोड किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय ने युवाओं और उनके माता-पिता के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) केएस अनुपम ने कहा कि रील्स में दबंगई दिखाने वालों और कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस पर हमले के 348 आरोपी दबोचे गए

जिला	दर्ज केस	गिरफ्तारियां	हथियारों की जब्ती
पटना	17	29	09
नवगछिया	09	07	03
गोपालगंज	09	08	00
सीतामढ़ी	08	09	01
मोतिहारी	08	09	01

सीसीटीएनएस और नेटग्रिड पर नाम चढ़ने के नुकसान यह सिस्टम देशभर के थानों और केंद्रीय एजेंसियों से जुड़ा है।

नालंदा के 20 स्कूलों को मॉडल स्कूल बनाया जाएगा

19 हजार विद्यार्थियों का भविष्य संवरेगा, लाइब्रेरी सहित लैब की सुविधा मिलेगी

एजेसी नालंदा

नालन्दा के सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों के लिए शिक्षा विभाग ने एक नई पहल की है, जिससे शिक्षा के स्तर में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। जिले के सभी 20 प्रखंडों में एक-एक विद्यालय का चयन कर उन्हें सरस्वती विद्या निकेतन की तर्ज पर मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में आधुनिक शिक्षण संसाधनों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है, जिसका सीधा लाभ जिले की नौवीं और दसवीं कक्षा के 18 हजार 899 विद्यार्थियों को मिलेगा।

आधारभूत संरचनाओं को किया जा रहा सुदृढ़

जिला शिक्षा पदाधिकारी हेमचंद्र ने जानकारी दी कि इन विद्यालयों को आधुनिक स्वरूप देने के लिए काम युद्धस्तर पर चल रहा है। चयनित स्कूलों में स्मार्ट क्लास और डिजिटल बोर्ड की स्थापना के साथ-साथ बेहतर फर्नीचर, प्रयोगशाला और पुस्तकालय जैसी आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।

विभाग का मानना है कि जब तक विद्यार्थियों को एक आधुनिक और अनुशासित वातावरण नहीं मिलेगा, तब तक वे अपनी प्रतिभा को पूर्ण रूप से निखार नहीं पाएंगे। इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भौतिक संसाधनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षकों का प्रशिक्षण

केवल बुनियादी ढांचे में सुधार ही काफी नहीं है, इसलिए शिक्षा विभाग ने शिक्षण की गुणवत्ता को सुधारने के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी जोर दिया है। इन मॉडल स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को चरणबद्ध तरीके से नई तकनीकों और गतिविधि आधारित शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके माध्यम से शिक्षक अब विषयों को अधिक सरल और रोचक तरीके से छात्रों तक पहुंचा सकेंगे, जिससे बच्चों में कठिन विषयों के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनकी अवधारणाएं स्पष्ट होंगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म से मिलेगी विशेषज्ञों की मदद

इस योजना की एक अनूठी कड़ी डिजिटल माध्यम से मिलने वाली विशेषज्ञ सहायता है। अब ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए जुड़ सकेंगे। कठिन विषयों को समझने में आने वाली चुनौतियों को दूर करने के लिए यह ऑनलाइन सहायता मील का पत्थर साबित होगी। साथ ही, यह पहल न केवल बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार लाएगी, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी छात्रों को एक मजबूत आधार प्रदान करेगी।

इन स्कूलों का किया गया चयन

इस कड़ी में अस्थावां का आरएसबी हाई स्कूल, बेन का गुरुशरणपुर, बिहारशरीफ का जवाहर कन्या, बिंद हाई स्कूल, चंडी का तुलसीगड़, एकंगरसराय एसएस एकेडमी, गिरियक का चोरसुआ, हरनौत का गोनावां पोआरी, हिलसा आरएस हाई स्कूल, इस्लामपुर का नेताजी श्री सुभाष, करायपरसुराय का मकरौता, कतरीसराय का गोवर्धन बिगहा, नूरसराय का सरदार बिगहा, नगरनौसा का भेभी, परवलपुर का बड़ी मठ, रहुई का पैठना सर्वोदय, राजगीर का बेलदार बिगहा, सरमेरा हाई स्कूल, सिलाव रास बिहारी और थरथरी का अस्ता हाई स्कूल शामिल हैं। विभाग ने निर्देश दिया है कि इन सभी चयनित स्कूलों में तैयारियां जल्द से जल्द पूरी कर ली जाएं, ताकि छात्र नई व्यवस्था का लाभ उठा सकें।

सुप्रीम कोर्ट बोला- एसआईआर से नाम कटने पर नागरिकता नहीं जाती, बंगाल सरकार को नोटिस

एजेन्सी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वोटर लिस्ट से बाहर किए गए लोगों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में से नाम हटने से किसी की नागरिकता नहीं जाती है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि बंगाल में जिन लोगों के नाम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के कारण कट गए हैं उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना बंद नहीं होना चाहिए। साथ ही नागरिकता पर अंतिम फैसला होने तक सभी सुविधाएं मिलती रहनी चाहिए। इस मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता प्रसनजीत बोस के वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि नागरिकता से जुड़े 34 लाख मामले अभी भी लंबित हैं, जबकि अब तक सिर्फ 38 हजार मामलों का निपटारा हुआ है। ट्रिब्यूनलों का कामकाज पारदर्शी बनाने, उनकी वेबसाइट पर सभी आदेश और नियम सार्वजनिक करने की मांग की गई है। वोटर लिस्ट से नाम हटने के बाद कई लोगों को राशन, अन्नपूर्णा या दूसरी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है, जबकि उनकी नागरिकता पर अभी फैसला नहीं हुआ है। जिन लोगों के पास पासपोर्ट जैसे वैध दस्तावेज हैं, उनसे नागरिकता साबित करने के लिए बार-बार दूसरे दस्तावेज न मांगे जाएं।

पटना- 80 पर्यटकों ने एयर राइड की सीट बुक की

जॉय राइड शुरू, पहले दिन 20 लोग हेलीकॉप्टर से घूमेंगे राजधानी

एजेसी पटना

आज से लोग पटना को आसमान से देख सकेंगे। आज से ÷मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना 2026÷ की शुरुआत हो रही है। आज दोपहर 3 बजे स्टेट हैंगर से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इसका उद्घाटन करेंगे।

पहले दिन पटना जॉय राइड का 20 लोग आनंद लेंगे। वहीं, अबतक लगभग 80 पर्यटकों ने एयर राइड के लिए सीटें बुक करा ली है।

फिलहाल ये सेवा लोगों को वीकेंड पर मिलेगी। वहीं राजगीर, वाल्मीकिनगर और कैमूर के हेलीकॉप्टर राइड के लिए फिलहाल बुकिंग नहीं हुई है। 13 जुलाई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसका शुभारंभ किया था।

पटना में हेलीकॉप्टर से मिलेगा 10 मिनट का जॉय राइड

राजधानी के लोगों के लिए हेलीकॉप्टर से जॉय राइड की विशेष सुविधा शुरू की गई है। 2100 रुपए में 10 मिनट की हवाई यात्रा में पर्यटक गंगा नदी, जेपी गंगा पथ, तख्तश्री हरिमंदिर साहिब समेत शहर के सभी प्रमुख स्थलों को ऊपर से देख सकेंगे।

पटना एयरपोर्ट से हर शनिवार और रविवार को जॉय राइड होगी। दोपहर 3 बजे के बाद उड़ान शुरू होगी, प्रत्येक राइड 10 मिनट की होगी। हर 30 मिनट के अंतराल पर फिलहाल चार राइड होगी। इस हेलीकॉप्टर पर अधिकतम पांच लोग एक बार में बैठ सकेंगे।

पटना से तीन प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ा गया

पटना से तीन प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ा गया है। इनमें पश्चिम चंपारण का वाल्मीकिनगर, नालंदा का राजगीर और कैमूर स्थित विश्व प्रसिद्ध मां मुंडेश्वरी मंदिर शामिल हैं। इस योजना के अंतर्गत वाल्मीकिनगर के लिए राजकीय वायुयान, वहीं कैमूर और राजगीर के लिए 6+2 सीटर श्रेणी के किराये के हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जाएगा। हर फेरी में अधिकतम 5 सीटें पर्यटकों के लिए आरक्षित की जा सकेंगी।

पटना से वाल्मीकिनगर की उड़ान का समय

पटना-वाल्मीकिनगर-पटना सेवा प्रत्येक शनिवार और रविवार को संचालित होगी। वाल्मीकिनगर तक पर्यटक छोटे विमान से जा सकेंगे। इसमें 20 लोग बैठ सकेंगे। पहली उड़ान सुबह 10:00 बजे पटना सबे प्रस्थान करेगी और 11:00 बजे वाल्मीकिनगर से वापसी होगा।

वहीं, दूसरी उड़ान दोपहर 3:00 बजे पटना से प्रस्थान और 4:30 बजे वाल्मीकिनगर से वापसी होगी। एक तरफ का किराया 5 हजार रुपए प्रति व्यक्ति है। इस मार्ग पर प्रति सप्ताह 20-20 सीटों की क्षमता निर्धारित है।

राजगीर और मां मुंडेश्वरी के लिए उड़ान का समय

पटना-राजगीर-पटना और पटना-कैमूर-पटना हेलीकॉप्टर सेवा भी प्रत्येक शनिवार और रविवार को संचालित की जाएगी। राजगीर के लिए हेलीकॉप्टर सुबह 9:30 बजे पटना एयरपोर्ट से उड़ेगा और वापसी सुबह 10:30 बजे होगी। कैमूर के लिए सुबह 11 बजे सेवा शुरू होगी और वापसी 12:45 बजे होगी। राजगीर के लिए प्रति व्यक्ति 4 हजार और कैमूर का 6 हजार रुपये किराया होगा। प्रति व्यक्ति 4 से 5 किलो का सामान ले जा सकेंगे। इन दोनों मार्गों पर प्रति सप्ताह 10-10 सीटों की क्षमता निर्धारित है।

फ्री में मिलेगी टूरिस्ट गाइड की सुविधा

पटना एयरपोर्ट के पास से इसका परिचालन किया जाएगा। यह सुविधा फिलहाल सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार को मिलेगी। विभाग केवल हवाई टिकट शुल्क लेगा। इसके अलावा टूरिस्ट गाइड की सुविधा फ्री में दी जाएगी।

पर्यटन स्थलों पर ठहरने, खाने-पीने, घूमने आदि की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। सभी टिकटों की बुकिंग बिहार पर्यटन और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

नेपाल में बारिश-दरभंगा के 20 गांव में चल रही नाव

6 गांव टापू बने, सड़क संपर्क टूटा; बगहा समेत 7 जिलों में बारिश, 5 शहरों में अलर्ट

एजेसी पटना

नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से कोसी नदी उफान पर है। कोसी बराज से छोड़े गए पानी की वजह से दरभंगा में 20 से ज्यादा गांव डूब चुके हैं। इन गांवों में नाव चल रही है।

बराज से पानी छोड़ने के चौथे दिन कोसी और कमला बलान नदियों का जलस्तर बढ़ने से कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के कई गांव पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। 6 गांव टापू बन चुके हैं। सड़क से संपर्क टूट गया है।

कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड की इटहर पंचायत के इटहर, चौकिया, लक्ष्मिनियां, बलथरवा और बसबरिया और सूघराईन पंचायत के भरैन टोला चारों ओर से पानी से घिरे हैं। गांवों का सड़क संपर्क पूरी तरह टूट जाने से हजारों लोग घरों में फंस गए हैं। अब गांव से बाहर निकलने का एकमात्र सहारा नाव ही बची है।

ग्रामीणों ने बताया कि बाजार जाने, दवा लाने, बैंक का काम करने या मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। निजी नाव संचालक एक बार आने-जाने के लिए प्रति व्यक्ति 40 रुपए किराया वसूल रहे हैं। इधर, बगहा, पूर्णिया, अररिया, बक्सर, जहानाबाद, खगड़िया और बेतिया में सुबह-सुबह बारिश हुई है। ठंडी हवा चल रही है। आसमान में बादल छाए हैं। लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग ने आज यानी शनिवार को प्रदेश के 5 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

आखिर क्यों हो रही इतनी उमस

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय बिहार में निचले स्तर पर पर्याप्त नमी मौजूद है, लेकिन बारिश कराने वाली मजबूत मौसमी प्रणालियां सक्रिय नहीं हैं। आसमान में बादल बन रहे, लेकिन वे अधिकांश स्थानों पर बारिश नहीं करवा पा रहे हैं।

बादलों के कारण धूप पूरी तरह नहीं निकल रही, जबकि हवा की रफ्तार भी कम है। इससे वातावरण में नमी लगातार बनी हुई है। पसीना जल्दी सूख नहीं पाता। यही वजह है कि लोगों को सामान्य गर्मी की तुलना में अधिक उमस महसूस हो रही है।

20 जुलाई से बदल सकता है मौसम

मौसम विभाग का अनुमान है कि 20 जुलाई से बिहार में मानसून फिर सक्रिय हो सकता है। इसके बाद राज्य के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर अच्छी बारिश होने की संभावना है। बारिश की गतिविधियां बढ़ने से तापमान में गिरावट आएगी और उमस से लोगों को राहत मिलेगी।

राममंदिर चढ़ावा चोरी- टिन्नू यादव गमछे से मुंह छिपाता रहा

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव को पुलिस ने रिमांड पर ले लिया है। शनिवार सुबह साढे 8 बजे पुलिस दोनों को लेने जिला जेल पहुंची। यहां से करीब 20 मिनट बाद दोनों को लेकर पुलिस लाइन रवाना हो गई। जहां दोनों से पूछताछ की जाएगी।

सीओ आशुतोष तिवारी जब टिन्नू और मनीष को जेल से बाहर लेकर आए तो दोनों गमछे से अपना मुंह छिपाते नजर आए। पुलिस पता लगाएगी कि कैसे और कब चोरी की गई। रकम को कहां छिपाया गया। शुक्रवार को पुलिस ने फैजाबाद कोर्ट से आरोपियों की 7 दिन की रिमांड मांगी थी। लेकिन, कोर्ट ने 39 घंटे की रिमांड मंजूर की। टिन्नू पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था।

ब्रीफ न्यूज

अब ईरान ने धमकाया कहा- हमले नहीं रुके तो विनाशकारी युद्ध होगा

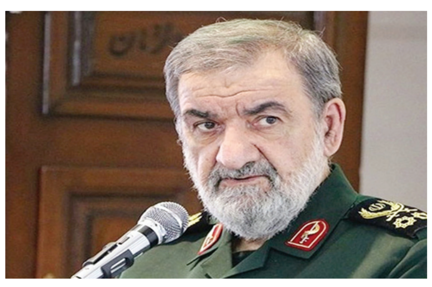

तेहरान। मध्य पूर्व में जारी सैन्य टकराव के बीच ईरान ने अमेरिका को बेहद सख्त लहजे में चेतावनी दी है। ईरान के सुप्रीम लीडर के शीर्ष सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने कहा है कि अगर अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अगले दो से तीन दिनों तक अपने सैन्य हमलों को जारी रखा, तो यह पूरा क्षेत्र एक अत्यंत आक्रामक और विनाशकारी दौर में प्रवेश कर जाएगा। एक साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट किया कि अब बातचीत और युद्ध की दोहरी नीति का समय पूरी तरह समाप्त हो चुका है। सैन्य सलाहकार ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिकी कार्रवाई नहीं रुकी, तो ईरानी सेनाएं केवल जवाबी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने और बल किसी भी राजनीतिक सीमा के भीतर सुरक्षित नहीं बचेंगे। उन्होंने खाड़ी देशों—कुवैत, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर की जनता से इस तनाव को रोकने में मदद की अपील की।

पहली बार अंतरिक्ष में हुआ इंसान का सफल एक्सरे

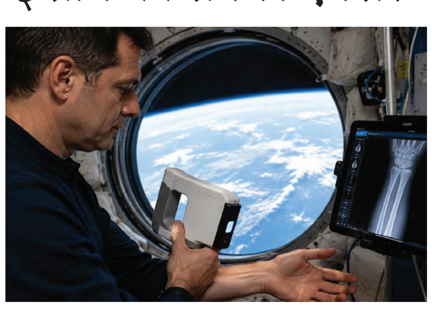

भविष्य के मून मिशनों के लिए खुलेगा रास्ता

वाशिंगटन। अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए वैज्ञानिकों ने पहली बार अंतरिक्ष में किसी इंसान का सफलतापूर्वक डिजिटल एक्सरे करने में बड़ी सफलता हासिल की है। एक निजी अंतरिक्ष मिशन के दौरान पोर्टेबल मिनी एक्सरे मशीन का यह परीक्षण पूरी तरह सफल रहा, जिससे भविष्य के चंद्रमा और गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए चिकित्सा सुविधाओं का एक नया और आधुनिक रास्ता खुल गया है। अब तक अंतरिक्ष में किसी भी चोट या आंतरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या की तत्काल जांच के लिए मुख्य रूप से केवल अल्ट्रासाउंड तकनीक का उपयोग किया जाता था, लेकिन अल्ट्रासाउंड के लिए शरीर के भीतर माध्यम की आवश्यकता होती है, जबकि इसके विपरीत एक्सरे तकनीक निर्वात जैसी कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकती है।

होर्मुज में फटे ईरान के बिछाए माइंस, दो तेल टैंकरों में आग लगने का दावा

तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य गतिरोध लगातार गंभीर होता जा रहा है। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को लगातार सातवीं रात ईरान के विभिन्न ठिकानों पर नए सिरे से हवाई हमले किए। इस सैन्य कार्रवाई के जवाब में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी बेहद चौंकाने वाले और बड़े दावे किए हैं। ईरान का कहना है कि उसने वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रैट ऑफ होर्मुज) को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। इसके साथ ही ईरान ने अमेरिकी सुरक्षा कवच में आगे बढ़ रहे चार तेल टैंकरों को रोकने और एक अमेरिकी अत्याधुनिक एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराने का भी दावा किया है। हालांकि, अंतरराष्टीय स्तर पर इन दावों की अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने भारतीय समयानुसार शनिवार सुबह लगभग 12:30 बजे ईरान पर हमलों के इस नए दौर की शुरुआत की। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया पर इस सैन्य अभियान की पुष्टि करते हुए बताया कि इन हवाई हमलों का मुख्य उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को लगातार कमजोर करना है ताकि क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चुनावों की सुरक्षा के मुद्दे पर राष्ट्र के नाम संबोधन में ट्रम्प बोले

चीन ने 22 करोड़ वोटर्स का डेटा चुराया, खुफिया एजेंसियों ने जानकारी छिपाई

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव सुरक्षा पर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी। ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार चुनाव सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक यानी डिक्लासिफाई कर रही है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी इन दस्तावेजों के मुताबिक, चीन ने 2020 के चुनाव के दौरान 22 करोड़ अमेरिकी वोटरों का डेटा चुराया था। ट्रम्प के अनुसार, 18 राज्यों

2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हुई धांधली

का वोटर डेटा हैक या हासिल किया गया। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि सीआईए, एफबीआई और दूसरी खुफिया एजेंसियों को इसकी जानकारी थी, लेकिन इसे राष्ट्रपति, कांग्रेस और जनता से छिपाया गया। हालांकि ट्रम्प के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सार्वजनिक दस्तावेज उनके सभी दावों की स्पष्ट पुष्टि नहीं करते। वहीं, 2020 के चुनाव के बाद हुई जांच, ऑडिट, पुनर्गणना और अदालतों की सुनवाई में बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली के सबूत नहीं मिले थे।

वोटिंग मशीनें हैक होने का दावा

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी वोटिंग मशीनें, वोटर डेटाबेस और बैलेट काउंटिंग सिस्टम साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने रूस, चीन, ईरान और उत्तर कोरिया को संभावित खतरा बताया। ट्रम्प ने कहा कि डीएचएस की जांच में करीब 2.78 लाख गैर-नागरिक संघीय चुनावों के लिए वोटर के रूप में रजिस्टर्ड मिले। उनका दावा है कि असली संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है। ट्रम्प ने चुनाव सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज डिक्लासिफाई करने का ऐलान किया और डीएनआई, एफबीआई, सीआईए व न्याय विभाग से मामले की जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और जरूरत पडऩे पर आपराधिक केस दर्ज करने को कहा।

तीन मोर्चों पर प्राकृतिक आपदाओं से घिरा अमेरिका

राष्ट्रपति ट्रंप की कनाडा को टैरिफ की धमकी और जेट स्ट्रीम का खतरा

वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका इस समय एक साथ तीन बड़े और गंभीर प्राकृतिक संकटों से जूझ रहा है, जिसने देश के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। एक ओर देश का पूर्वी हिस्सा पड़ोसी देश कनाडा के जंगलों की आग से उठे जहरीले धुएं से घुट रहा है, तो दूसरी ओर दक्षिण में स्थित टेक्सास राज्य भीषण बाढ़ की मार झेल रहा है। इसके साथ ही, पश्चिमी राज्यों के जंगलों में लगी दर्जनों आग तेजी से फैल रही है। इस त्रिकोणीय संकट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की सीधी धमकी दे दी है। राष्ट्रपति ट्रंप का आरोप है कि कनाडा अपने जंगलों का सही तरीके से प्रबंधन नहीं कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वहां से निकलने वाला हानिकारक धुआं सीमाओं को पार कर अमेरिका तक पहुंच रहा है और नागरिकों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है। अमेरिका के तीन अलग-अलग भौगोलिक हिस्सों में अलग-अलग तरह की भयावह आपदाएं एक साथ देखने को मिलीं। टेक्सास के हिल कंट्री इलाके में लगातार तीसरे दिन मूसलाधार बारिश के बाद भीषण बाढ़ की स्थिति बनी रही, जबकि पश्चिमी अमेरिका के 15 राज्यों में 68 स्थानों पर जंगल की भीषण आग धधक रही है। इस अभूतपूर्व संकट के कारण देश के करीब 10 करोड़ से अधिक नागरिक एयर क्वालिटी अलर्ट के दायरे में आ चुके हैं। कई प्रमुख प्रभावित इलाकों में प्रशासन ने लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से घरों के भीतर ही रहने की सख्त सलाह जारी की है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसरों का कहना है कि ये ऐसी कंपाउंड घटनाएं हैं, जिनमें कई बड़ी आपदाएं एक साथ घटित होती हैं। ऐसी स्थिति में इनका सामूहिक असर किसी एक अकेली आपदा की तुलना में समाज और बुनियादी ढांचे के लिए कहीं ज्यादा विनाशकारी साबित हो सकता है। यूनिवर्सिटी

ऑफ पेनसिल्वेनिया के जलवायु वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस चरम मौसम के पीछे जेट स्ट्रीम का एक विशेष पैटर्न जिम्मेदार हो सकता है जिसे रेजोनेंस कहा जाता है। इसमें जेट स्ट्रीम की बड़ी लहरें एक ही जगह पर अटक जाती हैं, जिससे लंबे समय तक असामान्य मौसम की स्थिति बनी रहती है। शोध बताते हैं कि 1950 के दशक के बाद से इंसानी गतिविधियों के कारण ऐसे अटके हुए जेट स्ट्रीम पैटर्न में करीब तीन गुना की वृद्धि हुई है।

जापान में खारे पानी और सीवेज के पानी से बन रही बिजली

टोक्यो

जापान ने ऐसी तकनीकी विकसित की है जिसके तहत अत्यधिक खारे पानी और शोधित सीवेज के पानी की मदद से बिजली बनाई जा रही है। जापान के फुकुओका स्थित एक समुद्री जल विलवणीकरण केंद्र में स्थापित ऑस्मोटिक पावर प्लांट प्राकृतिक वैज्ञानिक सिद्धांत का उपयोग कर बिना जीवाश्म ईंधन जलाए बिजली पैदा कर रहा है।

इस तकनीक को 'ब्लू एनर्जी' या 'सैलिनिटी ग्रेडिएंट एनर्जी' भी कहा जाता है। यह तकनीक 'ऑस्मोसिस' यानी परासरण की प्राकृतिक प्रक्रिया पर आधारित है। यही प्रक्रिया पौधों की जड़ों द्वारा मिट्टी से पानी ग्रहण करने और जीवित कोशिकाओं में जल संतुलन बनाए रखने में भी काम करती है। इसमें एक विशेष अर्ध-पारगम्य झिल्ली के दोनों ओर अलग-अलग लवणता वाला पानी रखा जाता है। यह झिल्ली पानी के अणुओं को गुजरने देती है, लेकिन नमक को रोक लेती है। परिणामस्वरूप कम खारे पानी के अणु स्वाभाविक रूप से अधिक खारे पानी की ओर बढ़ते हैं और इसी प्रवाह में ऊर्जा उत्पन्न होती है। फुकुओका के ममिजुपिया विलवणीकरण केंद्र में स्थापित यह संयंत्र 'प्रेशर-रिटार्डेड ऑस्मोसिस' तकनीक का उपयोग करता है। इस प्रक्रिया में मीठा पानी झिल्ली को पार कर दबाव वाले अत्यधिक खारे पानी के हिस्से में पहुंचता है। इससे दबाव बढ़ता है और उसी दबावयुक्त पानी को टरबाइन से गुजारा जाता है। टरबाइन जनरेटर को घुमाती है और बिजली का उत्पादन होता है। पूरी प्रक्रिया में न तो कोयला, गैस या तेल जैसे ईंधन की आवश्यकता होती है और न ही कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। इस संयंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें समुद्र के सामान्य पानी का नहीं, बल्कि विलवणीकरण प्रक्रिया के बाद बचने वाले अत्यधिक खारे ब्राइन का उपयोग किया जाता है। इस पानी में नमक की मात्रा सामान्य समुद्री जल से कहीं अधिक होती है। दूसरी ओर, मीठे पानी के रूप में पास के सीवेज शोधन संयंत्र से प्राप्त शोधित मलजल का इस्तेमाल किया जाता है। दोनों जल स्रोतों के बीच लवणता का जितना अधिक अंतर होता है, उतनी ही अधिक ऊर्जा उत्पन्न होती है और बिजली उत्पादन की क्षमता बढ़ जाती है। वर्तमान में यह संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 8.8 लाख किलोवाट-घंटे बिजली पैदा करता है, जो लगभग 300 जापानी घरों की जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त मानी जाती है। इसकी एक और खासियत यह है कि यह सौर और पवन ऊर्जा की तरह मौसम पर निर्भर नहीं है।

दो विशाल ग्रहों पर होता है हीरों का निर्माण: वैज्ञानिक

लंदन

क्या कभी आपने ऐसे ग्रहों के बारे में सुना है, जहां आसमान से पानी नहीं बल्कि हीरों की बारिश होती है? वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे सौरमंडल के दो विशाल ग्रह, नेपच्यून और यूरेनस, ऐसे वातावरण और परिस्थितियां रखते हैं जहां प्राकृतिक रूप से हीरों का निर्माण होता है और वे ग्रह के भीतर नीचे की ओर गिरते हैं। इसी प्रक्रिया को सामान्य भाषा में 'हीरों की बारिश' कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार नेपच्यून और यूरेनस दोनों ही पृथ्वी से कहीं बड़े गैसीय ग्रह हैं। नेपच्यून का आकार पृथ्वी से लगभग 15 गुना और

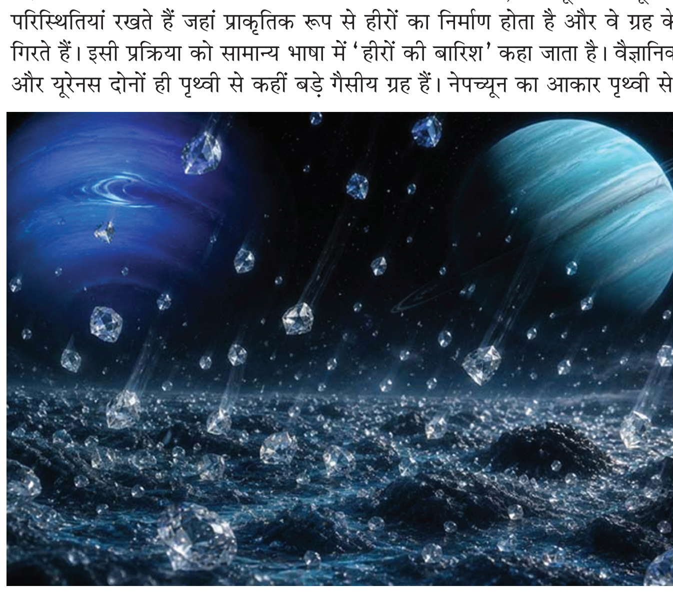

यूरेनस का करीब 17 गुना बड़ा माना जाता है। इन दोनों ग्रहों के वातावरण में मीथेन गैस की मात्रा काफी अधिक है। मीथेन मुख्य रूप से कार्बन और हाइड्रोजन से मिलकर बनी होती है। ग्रहों के अंदर अत्यधिक दबाव और हजारों डिग्री तापमान के कारण मीथेन के अणु टूट जाते हैं और कार्बन तथा हाइड्रोजन अलग हो जाते हैं। इसके बाद कार्बन के कण अत्यधिक दबाव में संकुचित होकर हीरे का रूप ले लेते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये हीरे ग्रह के अंदर गहराई की ओर गिरते रहते हैं, जिसे हीरों की बारिश कहा जाता है। इस सिद्धांत की पुष्टि के लिए वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर प्रयोगशाला में विशेष परीक्षण किए। उन्होंने अत्यधिक शक्तिशाली लेजर तकनीक की मदद से नेपच्यून और यूरेनस जैसी परिस्थितियां तैयार कीं। कार्बन और हाइड्रोजन युक्त विशेष प्लास्टिक पदार्थ पर लेजर किरणें डालकर अत्यधिक दबाव और तापमान उत्पन्न किया गया। इस प्रयोग के दौरान बेहद सूक्ष्म आकार के नैनो हीरे बनते देखे गए। इस सफलता के बाद वैज्ञानिकों का विश्वास और मजबूत हुआ कि इन दूरस्थ ग्रहों के भीतर भी इसी प्रकार की प्रक्रिया लगातार चल रही होगी।

न्यूजीलैंड में एच5एन1 वायरल की दस्तक, यह जंगली जीवों में फैली तो रोकना मुश्किल

वेलिंगटन

एक सीनियर वेटेरिनरी अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को न्यूजीलैंड में एक जंगली समुद्री पक्षी में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा का नया स्ट्रेन मिलने के बाद, इसके कुछ ही महीनों में देश में स्थानिक बीमारी बनने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिनिस्ट्री फॉर प्राइमरी इंडस्ट्रीज की चीफ वेटेरिनरी ऑफिसर ने बताया कि अगर यह वायरस जंगली जीवों में फैल गया, तो इसे खत्म करना मुश्किल होगा। वेलिंगटन के पेटोन बीच पर मिले एक समुद्री पक्षी में एच5 वायरस की पुष्टि हुई है। यह दुनिया भर में जंगली पक्षियों के बीच फैले इस वायरस का न्यूजीलैंड में पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑकलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज की प्रोफेसर ने कहा कि न्यूजीलैंड का अलग-थलग होना इस जानलेवा बर्ड वायरस को नहीं रोक पाएगा। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी जंगली जीवों की बड़े पैमाने पर मौत या न्यूजीलैंड के पक्षियों के बीच इसके फैलने का कोई सबूत नहीं है, लेकिन समय के साथ एच5एन1 के यहां फैलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वायरस पक्षियों से इंसानों में फैल सकता है, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम होते हैं और इससे खाद्य सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया और दुनिया भर में इस वायरस के फैलने के बाद से ही न्यूजीलैंड इसके आने की तैयारी कर रहा था। जंगली पक्षियों की तेजी से जांच, जीनोमिक सीक्वेंसिंग और उन पर कड़ी निगरानी रखना जरूरी होगा। कंजर्वेशन डिपार्टमेंट ने न्यूजीलैंड की पांच सबसे लुप्तप्राय प्रजातियों के 300 मुख्य प्रजनन करने वाले पक्षियों का टीकाकरण शुरू कर दिया है। मैसी यूनिवर्सिटी के महामारी विज्ञानी ने बताया कि अगर वायरस फैलता है, तो छोटी और लुप्तप्राय आबादी वाले पक्षी जिनमें बेहद दुर्लभ फेयरी टर्न भी शामिल है विलुप्त हो सकते हैं।

वायरस पक्षियों से इंसानों में फैल सकता है, ऐसे मामले बहुत कम होते हैं

समुद्री तटों पर नीले रंग के बैलून जैसे दिखने वाले समुद्री जीव से रहे सावधान

लंदन

हाल के वर्षों में दुनिया के कई समुद्री तटों पर नीले रंग के बैलून जैसे दिखने वाले एक समुद्री जीव की मौजूदगी बढ़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जीव बेहद जहरीला होता है और इसके डंक से तेज दर्द, सूजन, उल्टी, बुखार तथा गंभीर एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई मामलों में पीड़ित को अस्पताल में भर्ती तक कराना पड़ता है। इस समुद्री जीव का नाम पुर्तगाली मैन ओ वॉर है, जिसका वैज्ञानिक नाम फिसालिया फिसालिस है। देखने में यह जेलीफिश जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में यह जेलीफिश नहीं बल्कि सिफोनोफोर नामक जीवों का समूह है। यह चार अलग-अलग प्रकार के विशेष जीवों से मिलकर बना एक सामूहिक जीव होता है, जिनमें प्रत्येक का अलग कार्य होता है।

इसके ऊपरी हिस्से में गैस से भरा नीले या बैंगनी रंग का गुब्बारे जैसा फ्लोट होता है, जिसकी मदद से यह समुद्र की सतह पर तैरता रहता है। इसके नीचे लटकने वाली टेंटेकल्स या डंक वाली लंबी रस्सियां 30 मीटर तक लंबी हो सकती हैं। इन्हीं में मौजूद विषैले स्टिंगिंग सेल्स इसके सबसे खतरनाक हथियार होते हैं। पुर्तगाली मैन ओ वॉर अपनी टेंटेकल्स की मदद से छोटी मछलियों और अन्य समुद्री जीवों का शिकार करता है। डंक लगते ही शिकार का शरीर सुन्न पड़ जाता है और फिर यह उसे भोजन के रूप में उपयोग करता है। इंसानों पर भी इसका विष तेजी से असर करता है। डंक लगते ही त्वचा में असहनीय जलन, तेज दर्द, लाल निशान और सूजन शुरू हो जाती है। कुछ लोगों में चक्कर आना, उल्टी, सांस लेने में कठिनाई और गंभीर एलर्जिक प्रतिक्रिया भी देखी गई है। समुद्री वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के बढ़ते तापमान, बदलती समुद्री धाराओं और जलवायु परिवर्तन के कारण यह जीव पहले की तुलना में अधिक संख्या में समुद्र तटों तक पहुंच रहा है। भारत में गोवा, केरल, तमिलनाडु, ओडिशा और गुजरात के कई समुद्र तटों पर इसके डंक लगने के मामले सामने आ चुके हैं।

गुत्थी — अनोखा मामला वर्षों बाद भी दुनिया भर में चर्चा का विषय बना

किडनी देने के बाद पत्नी ने मांगा तलाक, पति ने कहा-मेरी किडनी वापस करो

वॉशिंगटन

अमेरिका में वैवाहिक रिश्तों और कानूनी जटिलताओं से जुड़ा एक बेहद अनोखा मामला वर्षों बाद भी दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में रहने वाले एक डॉक्टर ने अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए अपनी एक किडनी दान की थी। लेकिन कुछ साल बाद जब पत्नी ने तलाक की अर्जी दाखिल कर दी, तो डॉक्टर ने अदालत में एक ऐसी मांग रख दी जिसने सभी को हैरान कर दिया। पीड़ित डॉक्टर ने कोर्ट से गुहार लगाई कि या तो उन्हें उनकी दान की गई किडनी वापस दिलाई जाए, या फिर उसके बदले 1.5 मिलियन डॉलर (लगभग 14.45 करोड़ रुपये) का मुआवजा दिलाया जाए। यह मामला डॉ. रिचर्ड बतिस्ता और उनकी पत्नी डॉनेल बतिस्ता के बीच का है। रिचर्ड और डॉनेल का विवाह वर्ष 1990 में हुआ था। शादी के कुछ वर्षों बाद डॉनेल की किडनी गंभीर रूप से खराब हो गई। पत्नी की जान बचाने के लिए वर्ष 2001 में डॉ. रिचर्ड ने अपनी एक किडनी उन्हें दान कर दी। यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और डॉनेल को नया जीवन मिल गया। हालांकि, इस महान त्याग के बावजूद दोनों के रिश्तों में खटास आने लगी और आखिरकार वर्ष 2005 में डॉनेल ने तलाक के लिए कोर्ट का रुख कर लिया। इस कदम से आहत डॉ. रिचर्ड बतिस्ता ने सार्वजनिक रूप से अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने पत्नी को केवल दिल ही नहीं बल्कि जिंदगी बचाने के लिए अपनी किडनी भी सौंप दी थी, लेकिन बदले में उन्हें केवल विश्वासघात मिला। डॉ. रिचर्ड के वकील ने कोर्ट में

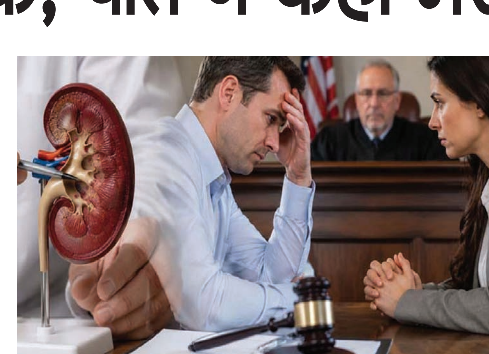

तर्क दिया कि उनके मुवक्किल प्रत्यारोपित किडनी वापस चाहते हैं और यदि चिकित्सकीय रूप से ऐसा करना संभव नहीं है, तो उन्हें उसकी कीमत के बराबर मुआवजा मिलना चाहिए। दूसरी तरफ, पत्नी के वकील ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि मामले के तथ्य वैसे नहीं हैं जैसे पेश किए जा रहे हैं और वे अदालत के सामने सही सच रखेंगे। चिकित्सा और कानून के जानकारों का मानना है कि स्वेच्छा से दान किया गया कोई भी अंग वैवाहिक संपत्ति के दायरे में नहीं आता। अंगदान को कानूनी रूप से एक स्थायी और स्वैच्छिक निर्णय माना जाता है, जिसे किसी भी स्थिति में वापस नहीं लिया जा सकता। हाल ही में यह दिलचस्प मामला सोशल मीडिया पर एक बार फिर तेजी से वायरल हो रहा है।

संपादकीय

महंगाई फिर रफतार पर, बढ़ाई आम आदमी की चिंता

अभिमत

खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ मानी जाती है, जब विकास के साथ-साथ महंगाई भी नियंत्रण में रहे। अगर आवश्यक वस्तुओं के दाम अनियंत्रित तरीके से बढ़ते जाएं, तो आम जनता की बचत कम होने से उसकी क्रय शक्ति भी घट जाती है। इससे निवेश और बाजार की मांग प्रभावित होती है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यानी कीमतों में स्थिरता के बिना लंबे समय तक समावेशी और संतुलित विकास हासिल नहीं किया जा सकता।

देश में महंगाई के मोर्चे पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इसी स्थिति की ओर इशारा करती है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर को चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़ा इससे आगे निकल गया है। सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि महंगाई नियंत्रण में है और आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं। मगर, वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महंगाई को नियंत्रित करने की सरकार की नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं या फिर कीमतों को काबू करने की डोर को जान-बूझकर ढीला छोड़ देने की कोशिश की जा रही है?

खाद्य महंगाई का मई में 4.78 फीसद से बढ़कर जून में 5.32 फीसद पर पहुंच जाना वास्तव में चिंताजनक है। जब आरबीआई ने खुद महंगाई को चार फीसद के आसपास रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो फिर क्या वजह है कि यह आंकड़ा तेजी से ऊपर की ओर जा रहा है। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इसका खमियाजा आम आदमी को अपनी जरूरतों और खर्च में कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से गौर करना चाहिए कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार समाज के उस कमजोर तबके पर पड़ती है, जो दिनभर कड़ी मेहनत के बावजूद बमुश्किल अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर पाता है।

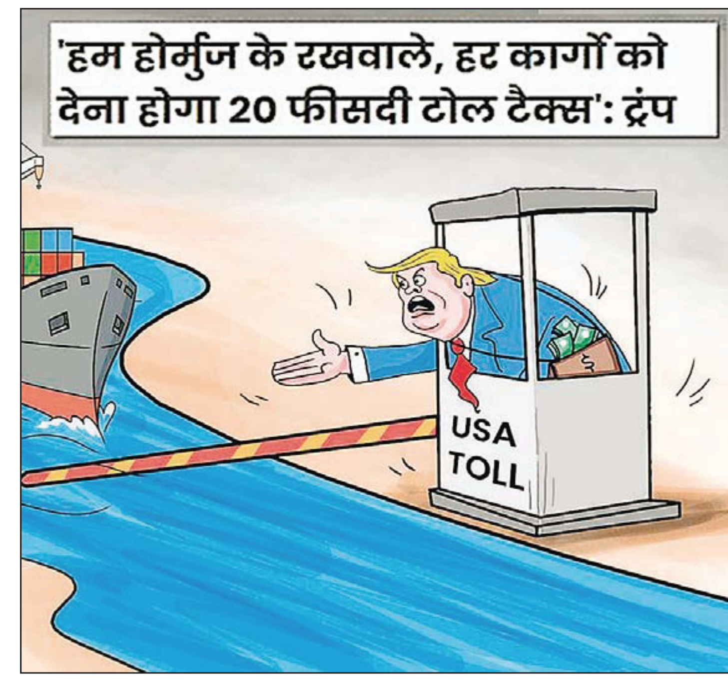

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1290 एडवर्ड कने इंग्लैंड से सभी यहूदियों को निष्कासित करने वाला एक एडिशन जारी किया।
- 1389 फ्रांस और इंग्लैंड सौ साल के युद्ध के दौरान 13 साल की शांति स्थापित करते हुए ट्रूस ऑफ लेलिंगिंगम के लिए सहमत हुए।
- 1630 स्पेन के सैनिकों ने इटली के मंतुआ प्रांत पर कब्जा किया।
- 1743 साप्ताहिक अखबार न्यूयार्क में दुनिया में पहली बार आधे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित किया गया।
- 1743 पहला आधा पृष्ठ अखबार विज्ञापन प्रकाशित किया गया है (ठ साप्ताहिक पत्रिका)
- 1781 ब्रिटेन के विख्यात खगोल शास्त्री विलियम हरशल ने आकाश गंगा की वास्तविकता का पता लगाया।
- 1801 नेपोलियन ने पोप पायस श्क्कके साथ एक कॉनकोरट पर हस्ताक्षर किए।
- 1825 उरुग्वे ब्राजील से अलग हुआ।
- 1841 1831 के बाद से ब्राजील के अंतिम सम्राट पेड्रो क्कने असमानता से शासन किया, प्रशंसित, ताज पहनाया और अभिषेक किया।
- 1863 यूनियन आर्मी कर्नल रॉबर्ट गोल्डशॉ द्वारा 54 वीं मैसाचुसेट्स इन्फैंट्री रेजिमेंट, अमेरिकी औपचारिक युद्ध, पहली औपचारिक अफ्रीकी अमेरिकी सैन्य इकाई, दक्षिण कैरोलिना के फोर्ट वैगनर पर हमला किया गया।
- 1870 द फर्स्ट वेटिकन काउंसिल ने घोषणा की कि पोप अचूक है, वह पूरी तरह से ईश्वरीय रहस्योद्घाटन में विश्वास के रूप में विश्वास पर एक हठधर्मी शिक्षण की घोषणा करता है।
- 1872 ब्रिटेन में चुनाव में गुप्त मतदान अधिनियम आया। इससे पहले मतदान खुले तौर पर किए जाते थे।
- 1931 पहला वातानुकूलित पानी का जहाज ह्यमरिपोसाह्व शुरू ?हुआ।
- 1942 जर्मन इंजीनियरों के परीक्षण ने पहली बार जेटेंगेंगिन के साथ मेसर्शचिट मी 262 उड़ाया।
- 1944 ब्रिटिश सैनिकों ने नॉरमैंडी की बोर्केबस पर्वतीय श्रृंखला पर कब्जा किया।
- 1951 उरुग्वे ने संविधान स्वीकार किया।
- 1955 पहली बार परमाणु ऊर्जा से उत्पादित बिजली को व्यावसायिक रूप से बेचा गया।
- 1977 वियतनाम संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना।
- 1984 बेवर्ली बर्न्स दुनिया की पहली महिला बोइंग 747 कप्तान बनी।
- 1995 सुस्ती के एक लंबे समय के बाद, सौतेरेय हिल्स ज्वालामुखी फिर भी एक चल रहा है, जो मोंटसेराट द्वीप को नष्ट कर रहा है।

कविता

नन्हे कदम

नन्हे-नन्हे पाँव से,
छू लेगा आकाश।
मेहनत, सच्चाई,
प्रेम से, होगा जग में खास॥

मधुर वचन, निर्मल हृदय,
रखे सदा मुस्कान।
माता-पिता का मान कर,
पाए सच्चा मान॥

ज्ञान-दीप मन में जले,
बढ़े सदा विश्वास।
संस्कारों की छाँव में,
महके जीवन-श्वास॥

हँसता बचपन फूल-सा,
मन निर्मल निष्काम।
ऐसे बच्चों से सजे,
भारत का हर धाम॥

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखक

लोक मुद्दा

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, को अब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेजी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की जरूरत है। हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिक भंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ-साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) - खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना - में बताया गया है कि 2024 में 74 देशों में 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे।

डॉ. स्वाति नायक

भविष्य के खाद्य भंडार की सफलता केवल उनके भंडारण सुविधा में रखे अनाज की मात्रा पर निर्भर नहीं करेगी। इसके बजाय, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे संकट के समय समाज को स्थिर रखने में कितनी मदद कर सकते हैं, गरीब लोगों के लिए अच्छे पोषण के परिणाम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं।

यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु-स्तरीय आर्थिक उथल-पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। 2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूवार्नुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

यह ब्रिक्स देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादक/आयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं। हालाँकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यवधानों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट - 'विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोग' - के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षा; अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है।

ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन

किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा 'फसल से घर तकः अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माण' विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था।

भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज - चावल और गेहूं - के साथ-साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविक पोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है। यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ-साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई-समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें।

रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू-राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग-अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है झ्र दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण-संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं। इसके अलावा, विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे 'छोटे, सरल और स्मार्ट' होते हैं और बाजार प्रबंधन के बजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे।

(लेखिका सीड सिस्टम्स और प्रोडक्ट मैनेजमेंट की दक्षिण एशिया प्रमुख तथा इंडिया कंट्री मैनेजर (अंतरिम) हैं नॉर्मन बॉरलॉग फील्ड पुरस्कार विजेता (विश्व खाद्य पुरस्कार) 2023, अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान।)

लोक विचार

अब मप्र में यूसीसीः भाजपा शासित राज्यों की बदलती तस्वीर

संजय सक्सेना

पार्टी विविधता के संरक्षण की बात पर जोर देती है। उधर, बसपा यूसीसी पर बहुत मुखर होने के बजाय सतर्क रुख अपनाये हुए है, और उसने आमतौर पर यह मांग की है कि किसी भी ऐसे कानून को लागू करने से पहले सभी वर्गों, खासकर दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा लंबे समय से संवैधानिक और राजनीतिक चचाओं के केंद्र में रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को यह निर्देश दिया गया है कि वह भारत के समस्त नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्राप्त करने का प्रयास करे। इसी क्रम में, मध्य प्रदेश सरकार अब अपने राज्य में इसे लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया था, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने की। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री मोहन यादव को सौंप दी है। राज्य सरकार इस विधेयक को आगामी मानसून सत्र में पेश कर सकती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि समिति ने अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को इस कानून के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश की है, जो राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 21 फीसदी हैं।

सरकार का तर्क है कि यह कानून विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे नागरिक मामलों में सभी के लिए एक समान नियम सुनिश्चित करेगा। गौरतलब हो, उत्तराखंड आधिकारिक रूप से देश का वह पहला राज्य है, जिसने स्वतंत्रता के बाद समान नागरिक संहिता को विधायी प्रक्रिया के माध्यम से लागू किया है। उत्तराखंड में यह कानून 27 जनवरी 2025 से प्रभावी हुआ। इसके अलावा, गोवा में लंबे समय से पुर्तगाली नागरिक संहिता, 1867 लागू है, जिसे अक्सर यूसीसी के एक व्यावहारिक मॉडल के रूप में देखा जाता है। गुजरात भी उन राज्यों की सूची में शामिल है, जिसने

यूसीसी विधेयक पारित किया है। उत्तर प्रदेश के संदर्भ में, राज्य सरकार ने कई बार यूसीसी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, और राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि उत्तर प्रदेश भी उत्तराखंड की तर्ज पर इस दिशा में कदम उठा सकता है, हालांकि अभी वहां कोई अंतिम ड्राफ्ट कानून का रूप नहीं ले पाया है।

सबसे पहले उत्तराखंड में यूसीसी लागू होने के बाद, वहां नागरिक मामलों में एक नई कानूनी व्यवस्था बनी है। इसके प्रभाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हैं। समर्थकों का मानना है कि इससे लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा, विशेषकर विरासत और संपत्ति के अधिकारों में महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक मिलेगा। कानूनी प्रक्रियाओं का सरलीकरण और धर्म-आधारित पर्सनल लॉ की जगह एक साझा कानून की उपस्थिति को सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। दूसरी ओर, लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीकरण और उससे जुड़े नियमों पर बहस भी जारी है।

आलोचकों का तर्क है कि इससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता प्रभावित हो सकती है। जहां तक यूसीसी के उल्लंघन के लिए किसी कार्रवाई का प्रश्न है, चूंकि यह कानून अभी बहुत नया है और इसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया चल रही है, इसलिए इसके तहत दंड या सख्त कानूनी कार्रवाई की व्यापक खबरें अभी शुरूआती दौर में ही हैं। अधिकांश ध्यान अभी कानूनों को समझने और उनके पंजीकरण पर केंद्रित है। भारतीय जनता पार्टी यूसीसी को अपने मुख्य एजेंडे में रखती आई है। पार्टी का मानना है कि यह देश में एकरूपता, लैंगिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के लिए आवश्यक है। मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में भाजपा का प्रयास इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसके उलट, कांग्रेस का आधिकारिक रुख आमतौर पर इस पर सावधानी से देखने का रहा है। पार्टी अक्सर यह तर्क देती है कि भाजपा सरकार बेरोजगारी और महंगाई जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे विषयों को आगे लाती है। कांग्रेस का कहना है कि किसी भी कानून को लाने से पहले व्यापक विमर्श और आम सहमति जरूरी है। वहीं, समाजवादी पार्टी के नेताओं ने इसे अक्सर एक विवादास्पद मुद्दा माना है। सपा का कहना है कि वे बराबरी के पक्षधर हैं, लेकिन उनकी चिंता यह रहती है कि क्या यह कानून किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाने के लिए तो नहीं लाया जा रहा है।

संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक - सत्यम कुमार जायसवाल। शिव साई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, टेंडर बगीचा के पास, थाना और पोस्ट-रातू 835222 राची, झारखंड से मुद्रित। ब्लॉक रोड़ मझिआंव पेट्रोल पंप के पास मझिआंव, जिला-गढ़वा 822134 से प्रकाशित। **RNI no - JHHIN/25/A0561** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

ब्रीफ न्यूज

इस हफ्ते सोना दो हजार और चांदी में चार हजार रुपए की गिरावट रही

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। भू-राजनीतिक तनाव के बीच 24 कैरेट सोना 2,200 रुपए से अधिक और चांदी 4,900 रुपए से ज्यादा सस्ती हुई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 24 कैरेट सोने का दाम 2,209 रुपए कम होकर 1,41,159 प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो पहले 1,43,368 रुपए था। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,29,302 रुपए और 18 कैरेट सोना 1,05,869 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस हफ्ते सोने का न्यूनतम दाम 17 जुलाई की शाम को 1,41,159 रुपए देखा गया, जबकि उच्चतम दाम 13 जुलाई को सुबह 1,42,289 रुपए रहा। सोने के साथ चांदी में भी 4,917 रुपए की तेज गिरावट दर्ज की गई। चांदी का दाम 2,20,390 रुपए प्रति किलो से गिरकर 2,15,474 रुपए प्रति किलो हो गया।

विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़कर 675.15 अरब डॉलर पहुंचा

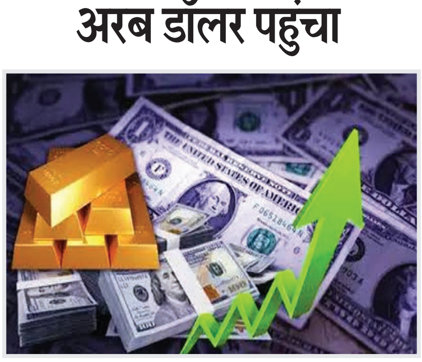

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने के मुताबिक 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब भारत के भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है, जो मौजूदा आर्थिक परिदृश्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार में 7.26 अरब डॉलर की उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी को पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले यह रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर पर था। हालांकि, संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ने और आरबीआई के डॉलर बेचकर बाजार में हस्तक्षेप करने से भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट आई थी। अब लगातार दूसरे सप्ताह की वृद्धि मौजूदा दबावों से कुछ राहत का संकेत दे रही है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 93 करोड़ डॉलर बढ़कर 546.51 अरब डॉलर हो गईं। इसी अवधि में देश के स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 105.22 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विशेष आहरण अधिकार 30 लाख डॉलर बढ़कर 18.63 अरब डॉलर तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का आरक्षित कोष भी 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर दर्ज किया गया है।

आईसीआईसीआई प्रू डेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड ने 5 साल में दोगुना किया निवेशकों का पैसा

नई दिल्ली। जो निवेशक बिना अधिक जोखिम उठाए अपने पैसों को तेजी से बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरा है। एक विश्लेषण के अनुसार, इस स्कीम ने पिछले 5 साल के दौरान (जुलाई 2021 से जून 2026 तक) 14 फीसदी तक का सालाना चक्रवृद्धि रिटर्न दिया है, जिससे निवेशकों का पैसा लगभग दोगुना हो जाता है। यह फंड लम्पसम और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) दोनों तरीकों से शानदार रिटर्न देने में सक्षम रहा है। यह स्कीम लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में एकसाथ निवेश करती है, जिससे जोखिम को संतुलित रखते हुए बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सके। आंकड़ों के मुताबिक यदि 17 जुलाई, 2021 को इस स्कीम में 10 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश किया गया होता, तो 30 जून, 2026 तक उसकी कीमत बढ़कर करीब 19.61 लाख रुपये हो जाती, जो 14.55 फीसदी का चक्रवृद्धि रिटर्न दर्शाता है। यह स्कीम के बेंचमार्क के 11.88 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है। एसआईपी निवेशकों के लिए भी यह फंड काफी फायदेमंद साबित हुआ है। स्कीम शुरू होने के बाद से यदि हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी 30 जून, 2026 तक की गई होती, तो कुल 6 लाख रुपये के निवेश पर 8.47 लाख रुपये मिलते।

भू-राजनीतिक तनाव से बेअसर रहा भारतीय शेयर बाजार

हफ्ते की शुरुआत कमजोर, पर अंत में जोरदार उछाल!

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण सप्ताह की शुरुआत भले ही कमजोर रही हो, लेकिन निवेशकों के दृढ़ विश्वास और कुछ सकारात्मक घरेलू संकेतों ने बाजार को अंततः नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित शक्ति को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निराशाजनक रही, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण सेंसेक्स 650 से अधिक अंक लुढ़का और निफ्टी 24,000 के महत्वपूर्ण स्तर का परीक्षण करता दिखा। हालांकि, आईटी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में मजबूती से बाजार ने दिन के अंत तक लगभग सपाट स्तर पर वापसी कर ली। मंगलवार को फिर से भू-राजनीतिक चिंताओं, विदेशी कोषों की निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने सेंसेक्स और निफ्टी दोनों को लाल निशान पर बंद होने को मजबूर किया। बुधवार को अमेरिकी खुदरा मुद्रास्फीति की धीमी रफ्तार के अनुमान ने एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बनाया, जिससे भारतीय बाजार भी हरे निशान पर खुले और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। गुरुवार को पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष के बावजूद भारतीय बाजार ने कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए मजबूती दिखाई। हालांकि, एक्सपायरी के दिन और ईरान-अमेरिका युद्ध की अनिश्चितताओं के कारण बाजार सपाट बंद हुए, लेकिन यह भारतीय बाजार की अंतर्निहित स्थिरता का प्रमाण था। सप्ताह का अंत धमाकेदार रहा। शुक्रवार को आईटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी और टेक महिंद्रा के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को नई ऊर्जा दी। जब अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे वैश्विक बाजार भारी गिरावट का सामना कर रहे थे, तब भारतीय निवेशकों ने घरेलू बाजार में चौतरफा खरीदारी की। इसके परिणामस्वरूप, सेंसेक्स 964.58 अंक की जोरदार तेजी के साथ 78,151.45 पर और निफ्टी 272.75 अंक चढ़कर 24,345.50 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

डीमैट म्यूचुअल फंड यूनिट्स पर भी एसडब्ल्यू और एसटीपी संभव, सेबी ने दी मंजूरी

मुंबई

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। अब डीमैट खातों में रखी म्युचुअल फंड यूनिट्स पर भी सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) और सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह कदम उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो अपनी म्युचुअल फंड होल्डिंग को डीमैट फॉर्म में रखते हैं और अब तक इन स्वचालित विकल्पों का लाभ नहीं उठा पा रहे थे। सेबी ने बताया कि यह नई सुविधा दो चरणों में लागू की जाएगी। पहले चरण में, 31 जनवरी, 2027 तक यूनिट-आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी के लिए पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी, जहाँ निवेशक निश्चित संख्या में यूनिटों को रिडीम या ट्रांसफर कर सकेंगे। दूसरा चरण 30 अप्रैल, 2027 तक लागू होगा, जिसमें यह सुविधा रकम-आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी तक बढ़ाई जाएगी, जिससे निवेशक नियमित अंतराल पर तय राशि निकाल या ट्रांसफर कर पाएंगे। नियामक ने डिपॉजिटरीज को 31 अक्टूबर तक आवश्यक परिचालन व्यवस्था स्थापित करने और सिस्टम में बदलाव करने का निर्देश दिया है।

निवेशकों को मिलेगी बड़ी सहूलियत, दो चरणों में 2027 तक पूरी तरह लागू होगी सुविधा

एआई से डरे नहीं युवा, भारतीय आईटी को मिलेंगे नए अवसर : आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टेक महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस (एआई) को लेकर भारतीय आईटी सेवा उद्योग में व्याप्त आशंकाओं को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि एआई इस क्षेत्र की भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि समय के साथ इसे और महत्वपूर्ण बनाएगा। युवाओं को एआई से घबराने के बजाय तालमेल बैठाने की सलाह दी गई है। टेक महिंद्रा की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में आनंद महिंद्रा ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में एआई रोजगार के कई नए अवसर पैदा करेगा और मौजूदा नौकरियों को बेहतर बनाएगा। उन्होंने जोर दिया कि भारत केवल बाहर विकसित प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई के क्षेत्र में निर्माता और आकार देने वाला भी बनना होगा। परम सुपरकंप्यूटर का उदाहरण देते हुए उन्होंने स्वदेशी नवाचार और संप्रभु एआई के विकास में घरेलू क्षमता व आत्मनिर्भरता पर बल दिया। आईटी सेक्टर में सबसे अधिक डर और विस्तार को स्वीकारते हुए महिंद्रा ने कहा कि सबसे ज्यादा अवसर भी यहीं पैदा होंगे। उन्होंने युवाओं को एआई से घबराने के बजाय तालमेल बिठाकर इन मौकों का लाभ उठाने की सलाह दी, जो भविष्य में सफलता की कुंजी होगी।

लाल सागर पर ईरान का कथित खतरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गहराएगा दबाव

सऊदी तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका, भारत को आपूर्ति स्रोतों में और विविधता लानी होगी

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच, ईरान की कथित धमकी ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर दबाव की आशंका बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने यमन के हूती आंदोलन से लाल सागर में महत्वपूर्ण बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को अवरुद्ध करने की तैयारी करने को कहा है, यदि अमेरिका उसके बिजली ढांचे पर हमला करता है। यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है, खासकर सऊदी अरब से कच्चे तेल की आपूर्ति के मद्देनजर, जो देश के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद सऊदी अरब अपनी ईस्ट-वेस्ट क्रूड ऑयल पाइपलाइन के जरिए लाल सागर बंदरगाहों तक कच्चा तेल पहुंचा रहा है। जून में सऊदी अरब भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल स्रोत था, जिसने उस महीने भारत के कुल आयात का 7 प्रतिशत से अधिक हिस्सा दिया। एक ऊर्जा विश्लेषक ने इस स्थिति को चिंताजनक बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि सऊदी अरब अपनी क्षमता का 55-60 प्रतिशत लाल सागर के जरिये निर्यात करता है, और इस मार्ग के अवरुद्ध होने से देशों को अपने भंडार का उपयोग करना पड़ेगा। भारत के पास पर्याप्त भंडारण नहीं है; भारतीय रिफाइनरों के पास केवल लगभग 20 दिनों का वाणिज्यिक भंडारण है, जिससे मांग में कटौती करनी पड़ सकती है। बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में नौवहन बाधित होने पर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर जोखिम बढ़ सकता है और तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पर भी अधिक खतरा होगा। इस संभावित संकट से निपटने के लिए भारत पहले से ही अपने कच्चे तेल स्रोतों को विविध बना रहा है। पश्चिम एशिया संकट के कारण पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से आपूर्ति बाधित होने के बाद, भारतीय रिफाइनरियों ने रूस, ब्राजील, वेनेजुएला, अंगोला और अमेरिका से आयात बढ़ाया है। जून में रूस से भारत का कच्चे तेल का आयात रिकॉर्ड 25.8 लाख बैरल प्रति दिन तक पहुंच गया, जो उस महीने देश के कुल आयात का आधे से अधिक था। फिलिपकैपिटल के वाइस प्रेसिडेंट नितिन तिवारी के मुताबिक लाल सागर का बंद होना असर डालेगा, लेकिन भारत स्थिति को और विविधता लाकर संभाल सकता है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात से भी आपूर्ति बढ़ने की संभावना व्यक्त की। भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी रणनीति बदलकर गैर-पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से खरीद बढ़ाकर व्यवधान की भरपाई की है।

एफसीएनआर-बी जमा पर दाव कमजोर, रुपए की साख पर गहराया संकट!

आवकों में निराशा, दो महीने के निचले स्तर पर रुपया फिसला

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रुपये को मजबूत करने के प्रयासों के बावजूद, फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) या एफसीएनआर-बी जमा के माध्यम से आने वाला धन बाजार की उम्मीदों से काफी कम रहा है। इस निराशाजनक आवक के चलते इस सप्ताह डॉलर के मुकाबले रुपया एक प्रतिशत से अधिक गिरकर लगभग दो महीने के निचले स्तर 96.35 प्रति डॉलर पर आ गया है। हालांकि, वित्त मंत्री और आरबीआई गवर्नर की सक्रियता के बावजूद, शुरुआती रुझान कमजोर दिख रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि जमा जुटाने की प्रक्रिया में तेजी आने में अभी समय है और अंतिम महीनों में आवक में बड़ा उछाल आ सकता है। बाजार की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी आवक, रुपया लड़खड़ाया जून में- आरबीआई द्वारा एफसीएनआर-बी जमा के लिए विशेष विंडो सहित कई उपायों की घोषणा के बाद रुपया 0.36 प्रतिशत मजबूत हुआ था, लेकिन बाजार की 40 से 50 अरब डॉलर की अपेक्षाओं की तुलना में अब तक की आवक निराशाजनक रही है।

आरबीआई ने छह कंपनियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामकीय मानदंडों का पालन न करने के कारण छह वित्तीय और गैर-वित्तीय कंपनियों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों में प्रमुख रूप से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मुथूट फाइनेंस और अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज शामिल हैं। यह कार्रवाई केंद्रीय बैंक द्वारा जारी अधिसूचना के बाद की गई है, जिसमें नियमों के उल्लंघन की बात कही गई है। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपए, अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर सर्वाधिक 6.20 लाख रुपए, सत्य माइक्रोकैपिटल और पैन एमामी कॉस्मेड पर 3.10-3.10 लाख रुपए, तथा धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि मुथूट फाइनेंस पर यह जुर्माना खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था लागू करने में विफलता और संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी पहचान तथा सूचना के लिए मजबूत सॉफ्टवेयर का उपयोग न करने के कारण लगाया गया है। इसी प्रकार, अन्य कंपनियों पर भी अलग-अलग नियामक उल्लंघनों के लिए कार्रवाई की गई है।

लाभ — कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और बेहतर मार्जिन रहे प्रमुख कारण

रिलायंस के ओ2सी का बंपर मुनाफा, राजस्व 30 फीसदी बढ़ा

मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के ऑयल-टु-केमिकल्स (ओ2सी) कारोबार ने जून 2026 तिमाही में जोरदार प्रदर्शन किया है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत मार्जिन के दम पर कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 2,01,803 करोड़ रुपये और एबिटा 17 फीसदी बढ़कर 17,010 करोड़ रुपये हो गया। कच्चे तेल की कीमतें, जो होरमुज स्ट्रेट बंद होने से बढ़कर 104.5 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, इस राजस्व वृद्धि का मुख्य कारण रहीं। बेहतर ट्रांसपोर्टेशन फ्यूल क्रैक और डाउनस्ट्रीम मार्जिन ने एबिटा में बढ़ोतरी में योगदान दिया। चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वैश्विक बाधाओं और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के बावजूद इसे शानदार प्रदर्शन बताया। हालांकि, महंगे फीडस्टॉक की खरीद, निर्धारित रखरखाव और बढ़ती माल ढुलाई व बीमा लागत ने मार्जिन पर दबाव डाला। घरेलू बाजार में, आरआईएल ने ईंधन कीमतें स्थिर रखीं और एलपीजी उत्पादन बढ़ाया, जिससे बिक्री में नुकसान हुआ। डीजल, मोटर स्पिरिट (एमएस) और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की पुनः बहाली ने भी मार्जिन को प्रभावित किया। पश्चिम एशिया संकट और ऊंची कीमतों के कारण जून 2026 तिमाही में घरेलू पॉलीमर की मांग में 21.7 फीसदी की गिरावट देखी गई, जिसमें पॉलीएथिलीन 30 फीसदी, पॉलीप्रोपालीन 20 फीसदी और पॉलीविनाइल क्लोराइड 8 फीसदी नीचे रहे।

सड़क हादसों पर लगेगी लगामः जिले के 25 हजार से अधिक घूमंतू मवेशियों को पहनाई जाएगी रेडियम बेल्ट

जनभागीदारी से होगा आवारा मवेशियों का प्रबंधन, लापरवाह पशु मालिकों पर लगेगा जुर्माना

बिलासपुर

जिले में सड़कों पर घूमने वाले आवारा मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित घूमंतू पशु प्रबंधन की समीक्षा बैठक में जिले के 25,649 घूमंतू मवेशियों को रेडियम बेल्ट पहनाने का निर्णय लिया गया। इससे रात के समय भी वाहन चालकों को मवेशी दूर से दिखाई देंगे और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि आवारा मवेशियों के कारण सड़क दुर्घटनाएं, यातायात बाधित होने, जनहानि, खरीफ फसलों को नुकसान, संक्रामक रोगों के प्रसार तथा स्वच्छता संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समस्या का समाधान केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें जनभागीदारी भी आवश्यक है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतें चरवाहों तथा 3 से 4 सक्रिय युवाओं को मानदेय पर रखकर सड़कों से मवेशियों को हटाने की व्यवस्था करें। गौधाम योजना के अंतर्गत संचालित सुरभि गौधाम एवं गौशालाओं में उपलब्ध क्षमता के अनुसार घूमंतू मवेशियों को रखा जाए। साथ ही छुट्टा मवेशियों के बंध्याकरण के लिए विशेष अभियान चलाने और नगरीय निकायों में भी सड़कों पर आवारा पशुओं की आवाजाही रोकने के निर्देश दिए गए। लापरवाह पशु मालिकों पर होगी कार्रवाई -- बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दूध निकालने के बाद या जानबूझकर मवेशियों को सड़कों पर छोड़ने वाले पशु मालिकों की पहचान कर उनके खिलाफ जुर्माने सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुर्घटना में मृत गौवंश का होगा सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार -- कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना में किसी गौवंश की मृत्यु होने पर जेसीबी की व्यवस्था कर सम्मानपूर्वक दफनाने की जिम्मेदारी संबंधित जनपद पंचायत निभाए। वहीं पशु चिकित्सा विभाग को दुर्घटना या बीमार पशु की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. नरेंद्र सिंह, सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, सरपंच, सचिव तथा गौशाला संचालक उपस्थित रहे।

नवागत पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल का जन परिषद ने किया स्वागत, अपराध नियंत्रण की जताई उम्मीद

बिलासपुर

। शहडोल संभाग के नवागत पुलिस अधीक्षक श्री संजय अग्रवाल के पदभार ग्रहण करने पर जन परिषद शहडोल संभाग की ओर से उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

जन परिषद शहडोल संभाग के अध्यक्ष श्री शुभदीप खरे एवं संभागीय मीडिया प्रभारी श्री बी. पी. तिवारी ने नवागत पुलिस अधीक्षक श्री संजय अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने श्री अग्रवाल को गुलदस्ता भेंट कर शहडोल आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया।

अपराधियों और उनके संरक्षकों पर कड़े एक्शन की उम्मीद

स्वागत के दौरान जन परिषद के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि नवागत पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिले की कानून व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। हमें पूरी उम्मीद है कि नवागत पुलिस अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में पुलिस प्रशासन क्षेत्र के अपराधियों और उन्हें पर्दे के पीछे से संरक्षण देने वाले रसूखदारों, दोनों पर कड़ा शिकंजा कसने में पूरी तरह सफल होगा।÷

जन परिषद शहडोल संभाग

संभाग के नागरिकों और जन परिषद ने नवागत पुलिस अधीक्षक से जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने और भयमुक्त वातावरण तैयार करने की अपेक्षा की है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता, जनता से संवेदनशील व्यवहार करेंः एसपी गौरव राय

बिलासपुर

नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक गौरव राय (आईपीएस) ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों की पहली समीक्षा बैठक लेकर कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अपराध नियंत्रण और जनसेवा को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति, अपराधों की समीक्षा, लंबित मामलों, संवेदनशील क्षेत्रों और वर्तमान कानून-व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक थाना प्रभारी प्रतिदिन सुबह से शाम तक की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर उसी के अनुरूप टीम के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। एसपी राय ने निर्देश दिए कि थानों में आने वाले प्रत्येक पीड़ित एवं आम नागरिक के साथ सम्मानजनक, संयमित और मददगार व्यवहार किया जाए, जिससे पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हो। साथ ही हाट-बाजारों, व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों तथा संवेदनशील स्थानों पर पैदल एवं वाहन गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को पुलिस की सक्रिय मौजूदगी का एहसास हो सके। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आपसी समन्वय एवं टीमवर्क के साथ कार्य करते हुए अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने पर जोर दिया। एसपी ने स्पष्ट कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दूसरे चरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें थाना प्रभारी भाटापारा ग्रामीण निरीक्षक हेमंत पटेल, थाना प्रभारी राजादेवरी उप निरीक्षक कुरैशी, पुलिस सहायता केंद्र निपनिया के प्रभारी सहायक उप निरीक्षक नवीन शुक्ला तथा पुलिस सहायता केंद्र लिमतरा के प्रधान आरक्षक प्रवीण पांडे शामिल हैं। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार, एसडीओपी भाटापारा तारेश साहू, उप पुलिस अधीक्षक कैंप कसडोल कौशल किशोर वासनिक, उप पुलिस अधीक्षक यातायात संजय साहू, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती उषा सोंधिया सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी, रक्षित निरीक्षक तथा पुलिस कार्यालय का विभागीय स्टाफ उपस्थित रहा।

श्री दूधाधारी मठ के ग्राम अमेठी एवं हिरमी के बाड़ा में प्राण प्रतिष्ठा समारोह

बिलासपुर

जांजगीर चांपा -- श्री दूधाधारी मठ रायपुर के गांव अमेठी एवं हिरमी में स्थित बाड़ा में नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला बलौदा बाजार-भाटापारा के पलारी के समीप स्थित ग्राम अमेठी में श्री हनुमान जी महाराज का मंदिर बनकर तैयार हो गया है, यहां श्री हनुमान जी महाराज के मूर्ति स्थापना एवं प्राणप्रतिष्ठा का कार्यक्रम 19 जुलाई को संपन्न होगा, यह दो दिवसीय कार्यक्रम है। 18 तारीख को अखंड मानस गायन का कार्यक्रम सुबह 10ः00 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। इसी तरह ग्राम हिरमी, तहसील सुहेला, जिला बलौदा बाजार -भाटापारा में दिनांक 21 से 23 जुलाई तक तीन दिवसीय महोत्सव में वैदिक पूजन, प्राण प्रतिष्ठा, मूर्ति स्थापना, हवन- यज्ञ, भजन- कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित होगा। यहां भगवान श्री राम जानकी, श्री लक्ष्मण जी महाराज की स्थापना होगी। इस आध्यात्मिक महोत्सव में महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज एवं श्री दूधाधारी मठ ट्रस्ट कमेटी के सदस्यों ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में अभाविप कार्यकर्ताओं ने सेवा, संस्कृति और संगठन का दिया सशक्त संदेश

बिलासपुर

(छत्तीसगढ़)। भगवान श्रीजगन्नाथ की पावन रथ यात्रा 2026 श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक वैभव के वातावरण में भव्य एवं उत्साहपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट परिचय देते हुए हजारों श्रद्धालुओं की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाई।

रथ यात्रा के दौरान अभाविप कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल एवं प्रसाद वितरण, मार्गदर्शन, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था में सहयोग, स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य आवश्यक सेवा कार्यों का दायित्व पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया। आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं का अनुशासन, सेवा भाव और संगठनात्मक क्षमता श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। बिना किसी अपेक्षा के सेवा में जुटे कार्यकर्ताओं ने भारतीय संस्कृति के मूल भाव ÷नर सेवा ही नारायण सेवा÷ को चरितार्थ किया। अभाविप ने कहा कि भगवान श्रीजगन्नाथ की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता, समानता और लोककल्याण की महान परंपरा का प्रतीक है। यह यात्रा समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ते हुए प्रेम, सहयोग और आत्मीयता का संदेश देती है। परिषद का मानना है कि ऐसे सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों में युवाओं की भागीदारी उन्हें अपनी गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भी बोध कराती है।

परिषद ने बताया कि अभाविप सदैव ÷ज्ञान-शील-एकता÷ के आदर्शों को आत्मसात करते हुए विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक चेतना, सेवा संस्कार और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का कार्य करती रही है। परिषद का विश्वास है कि राष्ट्र का भविष्य केवल पुस्तकीय ज्ञान से नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, चरित्र निर्माण और सामाजिक सहभागिता से भी निर्मित होता है। इसी उद्देश्य से अभाविप विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय अभियानों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाती रही है।

रथ यात्रा के दौरान किए गए सेवा कार्यों के माध्यम से अभाविप ने यह संदेश दिया कि भारतीय संस्कृति का वास्तविक स्वरूप केवल परंपराओं के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग, संवेदना और सेवा पहुँचाने में निहित है। परिषद का मानना है कि जब युवा अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हैं, तभी सशक्त, समरस और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

अंत में अभाविप ने सभी श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों तथा आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। परिषद ने संकल्प दोहराया कि वह भविष्य में भी ÷छात्र शक्ति ङ्क राष्ट्र शक्ति÷ के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए सेवा, संगठन और संस्कार के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगी तथा समाजहित और राष्ट्रहित के प्रत्येक अभियान में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

हर बूंद बचाने का संकल्प, हर घर तक जल संरक्षण का संदेश

रजौली में कैच द रेन अभियान में कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने दिलाया जनसंकल्प

अमृत सरोवर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया फलदार पौधरोपण, स्कूल निरीक्षण में कम उपस्थिति पर जताई नाराजगी

बिलासपुर

कोरिया, जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जल मिशन के निर्देशानुसार जिले के ग्राम रजौली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कैच द रेन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव, एडीएम सुरेन्द्र वैद्य, अपर कलेक्टर डी.डी. मण्डावी, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र - छात्राओं, महिलाओं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर वर्षा जल संरक्षण का संकल्प लिया।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया जल संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर जिलेवासियों को जल संरक्षण का संदेश दिया तथा वर्षा की प्रत्येक बूंद को सहेजने का संकल्प दोहराया। कलेक्टर ने कहा कि कैच द रेन केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक की जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। यदि आज हम वर्षा जल का संरक्षण करेंगे, तभी भविष्य में जल संकट से बचा जा सकेगा।

जहां गिरे, जब गिरे सिद्धांत पर जल संरक्षण का आह्वान

कलेक्टर ने कहा कि वर्षा जल को जहां गिरे, जब गिरे वहीं संरक्षित करना इस अभियान का मूल उद्देश्य है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि खेतों, बाड़ियों और खुले स्थानों में सोख्ता गड्ढों एवं अन्य जल संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल को भूमि के भीतर पहुंचाएं। साथ ही वर्षा समाप्त होने के बाद घरों से निकलने वाले पानी को भी सोख्ता गड्ढों के माध्यम से भूजल पुनर्भरण में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पारंपरिक जल स्रोतों की सफाई एवं मरम्मत तथा जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता ही इस अभियान की सफलता का आधार है।

सोख्ता ग` और वर्षा जल संचयन कार्यों की सराहना

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय परिसर की छत पर वर्षा जल संचयन की व्यवस्था तथा जनभागीदारी से बनाए गए सोख्ता गड्ढे का निरीक्षण किया। उन्होंने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास अन्य विद्यालयों और संस्थानों के लिए भी प्रेरणादायक हैं तथा इससे भूजल स्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

औपचारिकता नहीं, उसकी नियमित देखभाल भी हो

अमृत सरोवर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत फलदार पौधरोपण कार्यक्रम के पश्चात ग्राम रजौली के अमृत सरोवर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत फलदार पौधरोपण किया गया। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने अमरूद, आम, नींबू और कटहल सहित विभिन्न फलदार पौधे लगाए। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि पौधरोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उसकी नियमित देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। आज लगाया गया पौधा आने वाली पीढ़ियों को छाया, स्वच्छ वायु, हरियाली और फल देगा।

प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधे को परिवार के सदस्य की तरह संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए।

विद्यालय निरीक्षण में कम उपस्थिति पर जताई नाराजगी

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय खुले एक माह से अधिक समय हो चुका है, इसके बावजूद कम उपस्थिति गंभीर लापरवाही है। उन्होंने प्राचार्य को निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान शिक्षक लोचन सिंह सिदार की अनुपस्थिति पाए जाने पर कलेक्टर ने तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा स्पष्ट किया कि संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों से कहा खूब पढ़ें, खूब बढ़ें

कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर से मुलाकात कर बेहद प्रसन्न हुई तो कलेक्टर ने कहा खूब पढ़ें, आगे बढ़ें। उन्होंने हायर सेकेंडरी में अध्ययनरत बच्चों से अभी से सामान्य ज्ञान व प्रतियोगी पुस्तकों का अध्ययन करें।

जनभागीदारी से ही सफल होगा जल संरक्षण अभियान

अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। सभी ने यह संदेश दिया कि हर बूंद पानी बचाना और हर पौधे की देखभाल करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यही प्रयास भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल और हरियाली की अमूल्य धरोहर सिद्ध होंगे।

स्वच्छ पेयजल की दिशा में बड़ी पहलःग्राम रोझी के हैंडपंपों का हुआ क्लोरीनेशन

जलजनित बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम, रोझी में हैंडपंपों के क्लोरीनेशन से सुरक्षित हुआ पेयजल

बिलासपुर

जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत रोझी में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन कर ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अभियान का उद्देश्य पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, जलजनित बीमारियों की रोकथाम करना तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री आकाश पोद्दार के निर्देशानुसार विभाग की तकनीकी टीम एवं हैंडपंप टेक्निशियनों ने ग्राम के सभी सार्वजनिक हैंडपंपों का निर्धारित मानकों के अनुरूप क्लोरीनेशन किया। प्रत्येक हैंडपंप में 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग कर पेयजल को जीवाणुरहित बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई, जिससे पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं एवं संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों का प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

अभियान के दौरान विभागीय टीम ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, हैंडपंपों के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा जल संरक्षण के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीणों को वर्षा ऋतु के दौरान दूषित जल से होने वाले रोगों के प्रति सतर्क रहने और केवल सुरक्षित पेयजल का उपयोग करने की सलाह दी गई।

ग्रामीणों ने विभाग की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, पेयजल को प्रदूषित होने से बचाने तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नियमित क्लोरीनेशन अभियान से गांव में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा और जलजनित बीमारियों की रोकथाम में भी सहायता मिलेगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता बनाए रखने, नियमित क्लोरीनेशन, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा जनजागरूकता गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। विभाग का लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाना तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है।

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम-2026 का लागू होना ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय : आशीष जैन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम-2026 का लागू होना प्रदेश की सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य कदम है। यह बात आशीष जैन, प्रदेश सहप्रभारी, भाजपा सोशल मीडिया अल्पसंख्यक मोर्चा, छत्तीसगढ़ ने जारी अपने वक्तव्य में कही। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का पूर्ण सम्मान करते हुए धर्मांतरण के नाम पर होने वाले छल, प्रलोभन, कपट एवं दबाव जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करेगा। यह कानून प्रत्येक नागरिक की धार्मिक आस्था, संवैधानिक अधिकारों तथा सांस्कृतिक मूल्यों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आशीष जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय जी एवं गृहमंत्री आदरणीय श्री विजय शर्मा जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपराओं एवं सामाजिक सौहार्द को संरक्षित करने हेतु निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम-2026 इसी दूरदर्शी सोच और जनभावनाओं के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, एव संपूर्ण छत्तीसगढ़ सरकार को हार्दिक बधाई एवं हृदय से आभार व्यक्त किया। आशीष जैन ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा हेतु सभी नागरिक इस महत्वपूर्ण कदम का स्वागत करें तथा प्रदेश की एकता एवं समरसता को और अधिक सुदृढ़ बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। सभी धर्मों का सम्मान, सामाजिक समरसता का संरक्षण एवं संविधान की भावना के अनुरूप धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा ही एक सशक्त और समृद्ध छत्तीसगढ़ की पहचान है।

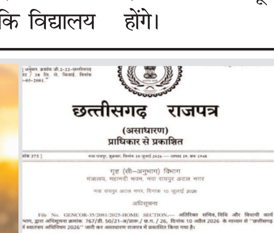
छत्तीसगढ़ राजपत्र
(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

झारखंड वार्ता
रविवार, 19-07-2026
www.jharkhandvarta.com
09

न्यूज ट्रेक

शिविर में 91 मरीजों की जांच 23 का ऑपरेशन के लिए चयन

नलखेड़ा। सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर एवं सरदार पटेल युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम गुदरावन में नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन पाटीदार धर्मशाला गुदरावन में शुक्रवार को हुआ। जिसमें 91 मरीजों की आंखों की जांच की गई जिनमे से 23 मरीजों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए किया गया। ऑपरेशन के लिए चयनित मरीजों को बस द्वारा आनंदपुर ले जाया गया जहाँ निशुल्क ऑपरेशन कर गुदरावन छोड़ा जाएगा। शुक्रवार को आयोजित नेत्र जांच शिविर में सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर से आये चिकित्सकों द्वारा मरीजों की आंखों की जांच की गई। ग्राम गुदरावन में यह 24 वां नेत्र जांच शिविर था।

मोहन नागर ने सरस्वती विद्या मंदिर में किया पौधरोपण

नलखेड़ा। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर केशवकुंज में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष एवं पद्मश्री सम्मानित मोहन नागर द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें पद्मश्री सम्मान प्राप्त होने पर पुष्पमाला पहनाकर एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में समिति के गोविंद वेदिया, अरविंद सिंघवी, मनोज फाफरिया, प्राचार्य ईश्वर सोलंकी सहित आचार्य परिवार उपस्थित रहा। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

युवा कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, 10 से अधिक नेता हिरासत में

अवैध नशे, रेत खनन और सट्टे के खिलाफ घेरा एसपी कार्यालय, थाना प्रभारी को सस्पेंड करने की मांग

झाबुआ

शुक्रवार को झाबुआ में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में रैली निकालकर एसपी कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। जिले में बढ़ती अवैध गतिविधियों, नशीले पदार्थों के कारोबार और रेत माफियाओं के आतंक के खिलाफ युवा कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नटवर डोडियार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राजगढ़ नाका से एसपी कार्यालय तक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बन गई, जिसके बाद पुलिस ने 10 से अधिक युवा कांग्रेस नेताओं को हिरासत में ले लिया।

प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर जब एसपी कार्यालय पहुंचे, तो पुलिस ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। शांति और कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए पुलिस ने जिलाध्यक्ष नटवर डोडियार, प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, जिला प्रभारी सद्दाल पटेल और जिला महामंत्री गुड्डू मुनिया समेत 10 से अधिक प्रमुख नेताओं को हिरासत में लेकर वैन में बैठाया। शेष कार्यकर्ताओं को पुलिस ने मौके से खदेड़ दिया।

टीआई पर अभद्रता का आरोप

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पिछले दिनों जब प्रभारी मंत्री झाबुआ पहुंचे थे, तब कोतवाली टीआई ने यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डोडियार के साथ अभद्रता की थी कार्यकर्ता इसी बात से बेहद नाराज हैं और टीआई को तुरंत निलंबित करने की मांग कर रहे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जिलाध्यक्ष नटवर डोडियार के साथ थाना प्रभारी ने दुर्व्यवहार किया है, उन्हें तत्काल सस्पेंड किया जाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन पर कानून-व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने शहर में अवैध शराब परिवहन और नशे के कारोबार को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाए।

नशे का नेटवर्क और धमकियां

संगठन ने आरोप लगाया कि झाबुआ में ड्रग्स और अवैध शराब का बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। जो कार्यकर्ता इसके खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं।

आदिवासी युवाओं का भविष्य

राजगढ़ नाका और राजवाड़ा जैसे प्रमुख इलाकों में जुआ-सट्टे का संचालन हो रहा है, जिससे क्षेत्र के आदिवासी युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। क्षेत्र में रेत माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकने की मांग की गई है।

प्रशासन को दी चेतावनी

युवा कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि ढाबों और होटलों में देर रात तक परोसी जा रही अवैध शराब पर तुरंत प्रतिबंध लगे और पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। जिलाध्यक्ष नटवर डोडियार ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि इन अवैध गतिविधियों पर जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो युवा कांग्रेस आगामी समय में और भी उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

कमरे में बंद मिली बुजुर्ग महिला पुलिस ने कराया आजाद

आगर मालवा। जिले के सुसनेर नगर में शुक्रवार को एक बुजुर्ग महिला को कमरे में बंद रखने का मामला सामने आया। वार्ड क्रमांक-5 स्थित कल्याण जीन क्षेत्र में पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे का ताला खुलवाकर महिला को बाहर निकाला और पूछताछ के लिए सभी पक्षों को थाने ले गई। बुजुर्ग महिला की पहचान कौशल्या बाई के रूप में हुई है। आरोप है कि उन्हें पिछले करीब दो माह से कमरे में रखा गया था। हालांकि, इस संबंध में पुलिस जांच कर रही है और परिजनों के दावे भी सामने आए हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी और पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा को दी। दोनों मौके पर पहुंचे और परिजनों से कमरे की चाबी मांगी, लेकिन चाबी नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ताला खुलवाया और बुजुर्ग महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद महिला को थाने ले जाया गया, जहां उनके दोनों बेटों और बहुओं को भी बुलाकर पूछताछ की गई।

मानसिक स्थिति को लेकर अलग-अलग दावे

पुलिस के समक्ष परिजनों ने कहा कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह कई बार बिना बताए घर से निकल जाती थीं। वहीं, पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा का दावा है कि महिला सामान्य रूप से बातचीत कर रही थीं।

समझाइश के बाद तीसरे बेटे के साथ भेजा

थाने में पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों से चर्चा और समझाइश के बाद आपसी सहमति से बुजुर्ग महिला को उनके तीसरे बेटे गणेश के साथ भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक होने पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उचित मूल्य दुकान संचालक पर लगाए अनियमितता और अभद्रता के आरोप

राशन नहीं मिलने से नाराज 150 से अधिक महिलाओं का प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर की शिकायत

बड़वानी

बड़वानी जिले की बड़वानी जनपद पंचायत के नर्मदा पट्टी क्षेत्र स्थित बिजासन और अमराली ग्राम पंचायतों की 150 से अधिक महिलाओं ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर उचित मूल्य दुकान की कार्यप्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाओं का आरोप है कि पिछले दो माह से उन्हें नियमित रूप से राशन नहीं मिल रहा है और दुकान संचालक द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है। प्रदर्शन के बाद महिलाओं ने खाद्य विभाग को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने खाद्य अधिकारी भरत सिंह जमरे को दिए ज्ञापन में बताया कि बिजासन में 'मां सरस्वती स्व-सहायता समूह' के नाम से उचित मूल्य दुकान संचालित है। उनका आरोप है कि नियमानुसार दुकान का संचालन समूह की महिला सदस्य को करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय उसका पति दुकान का संचालन कर रहा है। महिलाओं ने इसे नियमों का उल्लंघन बताते हुए संबंधित व्यक्ति को हटाने की मांग की।

दो महीने से राशन नहीं मिलने का आरोप

ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि पिछले दो माह से नियमित राशन वितरण नहीं हुआ है। उनका आरोप है कि दुकान महीने में 10 तारीख के बाद केवल दो-तीन दिन ही खुलती है, जिससे अधिकांश हितग्राही राशन लेने से वंचित रह जाते हैं। महिलाओं का यह भी कहना है कि कई बार पहले ही राशन पर्चियां निकाल ली जाती हैं और चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता देकर वितरण किया जाता है, जिससे कई पात्र हितग्राहियों का राशन लैप्स हो जाता है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने बताया कि राशन लेने के लिए उन्हें घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है, लेकिन कई बार बिना राशन लिए वापस लौटना पड़ता है। इससे उनकी दिहाड़ी मजदूरी भी प्रभावित होती है और परिवार के सामने खाद्यान्न का संकट खड़ा हो जाता है।

जांच और कार्रवाई का आश्वासन

प्रदर्शनकारियों ने दोषी संचालक के खिलाफ कार्रवाई, लैप्स हुए राशन का वितरण सुनिश्चित करने तथा उचित मूल्य दुकान का संचालन नियमानुसार कराने की मांग की। खाद्य अधिकारी भरत सिंह जमरे ने महिलाओं से ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

नि:शुल्क लर्निंग लाइसेंस शिविर में उमड़ी भीड़

झाबुआ

जिले में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने और नागरिकों की सुविधा के उद्देश्य से मां त्रिपुरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में एक विशेष 'निःशुल्क लर्निंग लाइसेंस निर्माण शिविर' का आयोजन किया गया। इस शिविर में कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान आवेदकों को लर्निंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया में तकनीकी सहायता प्रदान की गई। इसमें पात्र आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन भरने से लेकर आवश्यक दस्तावेजों की जांच और सत्यापन तक की प्रक्रिया मौके पर ही पूरी की गई। इससे आमजन को परिवहन कार्यालय के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली और उन्हें एक ही छत के नीचे यह सुविधा प्राप्त हुई। यह सराहनीय पहल जिला कलेक्टर डॉ.योगेश भरसट और जिला परिवहन अधिकारी कृतिका नामदेव के विशेष निर्देशन में आयोजित की गई। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि सड़क पर अनधिकृत चालकों की संख्या कम हो सके और यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

शिविर के समापन अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कॉलेज प्रबंधन ने प्रतिभागियों को यातायात नियमों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों और नागरिकों ने सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन करने और एक जिम्मेदार वाहन चालक के रूप में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे जन-हितकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रशासनिक सेवाओं का लाभ पहुँच सके।

एक ही दुकान पर 12 निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म मिलने पर दुकान की सील

देवास

जिले के सतवास में निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर के निर्देश पर हुई जांच में एक ही दुकान पर 12 निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म मिलने के बाद दुकान को सील कर दिया गया। मामले में अब निजी स्कूलों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। कलेक्टर के निर्देश पर डीपीसी अजय मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षा विभाग, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने कान्हा कलेक्शन पर कार्रवाई की। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान दुकानदार ने 12 निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म रखने की बात स्वीकार की, लेकिन उससे जुड़े कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका।

'प्रत्येक नागरिक पौधरोपण कर लें पर्यावरण संरक्षण का संकल्प'

नलखेड़ा। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष डी.एस. चौहान के निर्देशानुसार 'पंच-ज' अभियान के तहत जिला न्यायालय परिसर आगर-मालवा में फलदार एवं फूलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.एस. चौहान ने कहा कि 'पंच-ज' अभियान का मुख्य उद्देश्य जल, जंगल, जमीन, एवं जन, आदि का संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण कर उसके संरक्षण में सहभागिता निभानी चाहिए। न्यायालय परिसर में रोपित किए गए पौधों की देखरेख एवं संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु उन्होंने न्यायालयीन कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर द्वितीय जिला न्यायाधीश मधुसूदन जंघेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अश्विनी सिंह, व्यवहार न्यायाधीश मोनिका यादव, व्यवहार न्यायाधीश प्रियंका चौहान,सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

शुजालपुर में लापता 10 वर्षीय छात्र का शव मिला, हत्या की आशंका

शुजालपुर। शाजापुर जिले के कालापीपल थाना क्षेत्र के नांदनी गांव में गुरुवार शाम से लापता 10 वर्षीय छात्र का शव शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। शव बिजली कंपनी के पावर ग्रिड के पास स्थित एक खंडहरनुमा भवन में मिला। पुलिस ने प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। संदेह के आधार पर एक नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मृतक की पहचान प्रियांशु मेवाड़ा (10) के रूप में हुई है। वह किसान सुरेश मेवाड़ा का पुत्र था और गांव के आकाश पब्लिक स्कूल में चौथी कक्षा का छात्र था। परिवार में वह दो बहनों का इकलौता भाई था। परिजनों के अनुसार, प्रियांशु गुरुवार शाम करीब 5 बजे के बाद घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। सूचना मिलने पर कालापीपल थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर रात से ही उसकी तलाश शुरू कर दी थी।

पुलिस के अनुसार, जिस क्षेत्र में पावर ग्रिड स्थित है, वहां बच्चे अक्सर खेलते हैं। प्रियांशु को आखिरी बार इसी इलाके में देखा गया था। शुक्रवार सुबह तलाश के दौरान उसी क्षेत्र में उसका शव बरामद किया।

समीक्षा बैठक

सभी छात्रावासों में शत-प्रतिशत सीटों पर विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें : मालवीय

- **विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाते समय ही आधार अपडेशन एवं लिंकेज करवाए : अ.जा आयोग**
- **अ.जा. आयोग के सदस्य ने आगर-मालवा में की विभागीय समीक्षा**

नलखेड़ा

मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य रामलाल मालवीय ने आगर-मालवा के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित जिला अधिकारियों की बैठक में अनुसूचित जाति कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर प्रीति यादव, एसपी दिलीप कुमार सोनी, एडीएम आरपी वर्मा, जि.पं. सीईओ बी.एस सोलंकी, सभी एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में आयोग के सदस्य श्री मालवीय ने जिले में संचालित अ.जा. छात्रावासों में निर्धारित सीट, विद्यार्थियों का प्रवेश एवं रिक्त सीटों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि इस सत्र में सभी छात्रावासों में निर्धारित सभी सीटों पर प्रवेश दिलाया जाए। उन्होंने अ.जा. कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शालाओं और घर-घर संपर्क अभियान चलाकर छात्रावासों की सभी सीटों पर विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें।

आयोग के सदस्य ने अ.जा. अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों की संख्या और उन पर की गई कार्यवाही, राहत स्वीकृति आदि की भी जानकारी ली। आयोग के सदस्य श्री मालवीय ने कहा कि अ.जा. वर्ग के विद्यार्थियों की आधार लिंकेज, अपडेशन आदि कारणों से लंबित छात्रवृत्ति का त्वरित भुगतान करवाया जाए।

बैठक में बताया गया कि जिले में अ.जा. अत्याचार निवारण राहत योजना के तहत वर्ष 2025-2026 में 127 प्रकरणों में 93.70 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। राहत स्वीकृति का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है।

सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत 8 प्रकरणों में 1.65 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। अंतरजातीय विवाह योजना के तहत 8 प्रकरणों में 16 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि भुगतान की गई है। अ.जा. आयोग के सदस्य श्री मालवीय ने आयोग में लंबित शिकायतों के बारे में एक-एक प्रकरण पर चर्चा कर उन पर की गई कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आयोग को भेजने के लिए लंबित प्रतिवेदन अविलंब भेजे। उन्होंने आयोग से प्रेषित लंबित सभी प्रकरणों में एक सप्ताह में जांच पूरी कर प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए हैं।

ऐसे करें अपनी सुरक्षा

दिन हो या रात, घर में हो या रास्ते में आज के समय में आपको अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। चोर और लुटेरों की नजर आप पर, कहीं भी हो सकती है। उन्हें बस मौका मिलने की देर है। फिर वे आपका कीमती सामान और पैसा लेकर गायब हो सकते हैं।

चाहे मंदिर जा रही हों, बाजार में हों या किसी विवाह समारोह में, महिलाओं के गले से चेन खींचने की घटनाएँ तो आजकल आम हो गई हैं। ऐसे समय में यदि आप कुछ बिंदुओं पर यदि सावधानी रखें तो अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो सकती हैं। आइए जानें क्या हैं ये सावधानियाँ।

- रात के समय सुनसान रास्तों में अकेली ना जाएँ। चाहे आप कितनी ही आत्मविश्वासी हों या हिम्मती हों, आपातकाल के अलावा अकेली जाने से बचें। आपातकाल में भी कोशिश करें कि आप साथ में किसी को ले लें। न तो शॉर्ट कट के चक्कर में, न ही इस भुलावे में कि ये तो रोज का रास्ता है, सुनसान रास्ते का चयन करें।
- किसी अजनबी व्यक्ति से लिफ्ट न लें और न ही दें। खासतौर पर चार पहिया वाहन चालक से लिफ्ट लेने से बचें। यदि आपके पास वाहन नहीं है तो कोई भी सार्वजनिक परिवहन सुविधा ही सबसे बेहतर उपाय है। यदि ऑटो या टैक्सी करने की जरूरत पड़े तो भी थोड़ी सजग रहें। जहाँ तक बात लिफ्ट देने की है, चाहे महिला हों या पुरुष, लिफ्ट देने से बचें।
- अधिक कीमती जेवरात पहनकर घर से बाहर ना जाएँ। सामान्य जेवर जैसे मंगलसूत्र, चेन आदि पहनकर भी यदि बाहर जाएँ तो उन्हें साड़ी के पल्लू या दुपट्टे से छुपाकर रखें। इसी तरह घर में भी ज्यादा जेवर न रखें, उनके लिए बैंक का लॉकर सबसे सुरक्षित जगह है। किसी भी अवसर पर सफर में भी ज्यादा जेवर साथ न रखें। अगर रखें हैं भी तो उनका बखान न करें और सतर्कता रखें।
- यदि बैग लिए हैं तो उसे कंधे पर लटकाकर रखें, हाथ में झुलाकर न चलें। इससे आपके दोनों हाथ भी स्वतंत्र रहेंगे।
- कार्यालय से संभव हो सके तो रात होने के पहले ही निकल जाएँ। यदि किसी जरूरी मीटिंग में देर हो भी गई हो तो समूह में ही एक साथ घर के लिए निकलें। वैसे आजकल लेट अवर्स में काम करने वालों को ऑफिस द्वारा घर तक छुड़वाने की व्यवस्था भी होती है।
- आभूषणों की सफाई सुनार के पास ही करवाएँ, बजाय घर पर आए किसी अजनबी से करवाने के।
- बैंक या किसी अन्य समय किसी अजनबी व्यक्ति को नोट गिनने को न दें।
- बैंक जाते समय इस बात का ढिंढोरा नहीं पीटें। न ही बैंक में किसी अजनबी को नोट गिनने के लिए दें। इस काम में बैंककर्मी आपकी सहायता कर सकते हैं। बुजुर्ग अपने साथ बैंक जाते समय किसी को जरूर रखें।
- यदि आपको ऐसा लगता है कि रास्ते में कोई आपकी गाड़ी का पीछा कर रहा है तो आगे ना जाएँ, कहीं रुक जाएँ और किसी पर आपको संदेह हो तो मदद लेने से नहीं हिचकें।
- सफर में किसी से ज्यादा प्रगाढ़ मित्रता न करें न ही हर अजनबी द्वारा दी गई चीज खाएँ।

बच्चों के आगे जबान संभाल के...!

बेहतर यही है कि दुख पहुँचाने वाले ऐसे शब्दों का प्रयोग न किया जाए, जो बच्चे के आत्मगौरव को ही नष्ट कर दें।

स्कूल की बस से राहुल को उतरते देख आज फिर रोहिणी आपे से बाहर हो गई। राहुल की शर्ट फिर मिट्टी से सनी थी। उतरते ही रोहिणी का एक जोरदार चाँटा तो राहुल के गाल पर पड़ा ही... साथ ही सप्तम सुर में कहा- 'कितनी बार वही बेवकूफी करोगे। स्कूल में जानवरों की तरह लोट लगाने जाते हो क्या? बैडबॉय।' और आग्नेय नेत्रों से उसे घूरती, उसका हाथ पकड़ लगभग घसीटते हुए रोहिणी घर की तरफ चल दी। उसने यह भी नहीं देखा कि बस से उतरते बाकी बच्चे उसकी आवाज सुनकर खड़े रह गए थे और राहुल तो मानो स्तब्ध ही हो गया।

बच्चों को पालना हर किसी के संयम का इम्तिहान है। लेकिन बेहतर यही है कि दुख पहुँचाने वाले ऐसे शब्दों का प्रयोग न किया जाए, जो बच्चे के आत्मगौरव को ही नष्ट कर दे। आप चाहते हैं कि आपका बच्चा दुनिया के सामने मिसाल बने। लोग उसके उदाहरण अपने बच्चों को दें, लेकिन आप यह क्यों भूल जाते हैं कि वह बच्चा है और उसे बच्चे के स्तर पर ही समझाना पड़ेगा? जिद, क्रोध या आवेश में आकर बच्चों से ऐसा कुछ न कहें, जो उनके मन को दुख पहुँचाए और उन्हें आहत कर दे। याद रखिए, यह बच्चों के विकास में भी बाधक हो सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा तमीज से पेश आए तो पहले आप अपने गुस्से और कुंठा पर नियंत्रण रखें।

जरा अपनी टीना को देखो!

चाहे भाई-बहन हों या फिर मित्र, तुलना करने से बच्चों में गलत प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। अगर बच्चों की अनुचित तुलना की जाएगी तो वह अपने भाई या बहन या मित्र का विरोध करने लगेगा। तुलना करने की बजाय आप उन बातों पर ध्यान दें, जो आप अपने बच्चे से चाहते हैं मसलन साफ कमरा, बेहतर टेबल मैनर्स आदि। फिर बच्चे की जिन आदतों को बदलना चाहते हैं, उन पर आप फोकस करें। उसे समझाएँ कि अच्छी आदतें कैसे उसके लिए फायदेमंद हो सकती हैं।

इतने बड़े हो गए, पर अकल नहीं आई!

कई बार सार्वजनिक स्थान पर या मेहमानों के सामने आपका 10 साल का बच्चा 4 साल के बच्चे की तरह हरकत करने लगता है जिससे आपको शर्मिंदगी होती है और आप उससे कहते हैं, 'अपनी उम्र के हिसाब से हरकतें करो?' या फिर 'इतने बड़े हो गए, लेकिन अकल नहीं आई।' नतीजा, वह अपमानित महसूस करता है। ऐसे में वह और गलत व्यवहार कर सकता है। इसलिए उसे कुछ अलग तरीके से समझाने की कोशिश करें, जैसे उसे यह समझाएँ कि वह जो कर रहा है उससे लोगों पर उसका गलत प्रभाव पड़ेगा या फिर ऐसी हरकत तो उसका छोटा भाई या बहन करता है, जो स्कूल भी नहीं जाता और वह तो समझदार बड़ा भाई या बहन है।

बिलकुल जोकर लग रहे हो तुम!

बच्चे के कपड़ों या हेयर स्टाइल की आलोचना कभी भी उसके सामने न करें। आप उसे उसकी पसंद अनुसार पहनावे का प्रयोग करने दे सकते हैं। लेकिन उसे यह भी समझाएँ कि विभिन्ना स्थितियाँ विभिन्ना ड्रेस माँगती हैं और उस पर नए फैशन के हिसाब से क्या फबेगा। यह भी उसे बताएँ कि वह किस ड्रेस में सबसे अच्छा लगता है। इससे उसका आत्मविश्वास नहीं डिगेगा और आपकी बात को वह समझ पाएगा।

तुम तो हमेशा क्लास में फर्स्ट ही आओगे!

इस किस्म की बातें भी बच्चे को अपना सही मूल्यांकन नहीं करने देतीं, इसलिए बच्चे को किसी छवि में नहीं बाँधें। ऐसे में वह अपनी छवि को बनाए रखने के लिए दबाव महसूस कर सकता है। साथ ही कई बार ये बातें उसे अति आत्मविश्वास में डाल देती हैं और वह अपने लक्ष्य से भटक जाता है।

तुम इतने बेवकूफ कैसे हो सकते हो?

इस तरह के जुमले आपके बच्चे के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकते हैं। इनका प्रयोग न करें।

काश...! मेरे बच्चे ही न होते

अगर आप हताशा या क्रोध में बच्चे के सामने यह बात बोल जाते हैं तो संभलिए। ये बातें आपके बच्चे के अंदर ये भावनाएँ जगाती हैं कि जैसे उसकी कोई उपयोगिता ही नहीं।

शटअप

इन शब्दों का प्रयोग बताता है कि आप अपने बच्चे की राय की कोई परवाह नहीं करते। इसके बजाय कहें- शांत रहो! मेरी बात पर ध्यान दो।

ये करो वरना...

बार-बार की धमकियों से आपका प्रभाव कम हो जाता है। बेहतर तरीका यह है कि उस सजा का चयन करें जिसे लागू किया जा सके। यह भी याद रखें कि सजा शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना की बजाय उसे कुछ सीखने पर मजबूर करती हो।

मैं तुम्हें छोड़कर चला जाऊँगा

बच्चों से डर के साथ न खेलें। माँ-बाप बच्चे के लिए सुरक्षित दुनिया होनी चाहिए। उनसे बिछुड़ने के बारे में वे सोच भी नहीं सकते। यह उनके मन का सबसे बड़ा डर होता है, इससे खेलें नहीं। न ही उन्हें काल्पनिक चीजों से डराने का प्रयत्न करें।

पनीर पापड़म

सामग्री : 12 पनीर के टुकड़े, 50 ग्राम अदरक-लहसुन का पेस्ट, 5 ग्राम हल्दी पाउडर, 20 ग्राम धनिया पाउडर, 50 ग्राम भुने हुए चने के दाल का पाउडर, 30 ग्राम लाल मिर्च पाउडर, 40 ग्राम दही, 5 ग्राम कसूरी मेथी, थोड़ा-सा विनेगर, 200 ग्राम कच्चे पापड़ का पाउडर, नमक स्वादनुसार।

विधि : एक बाउल में सभी सामग्रियों को मिला दें। इसमें पनीर मिलाएं। पापड पाउडर में लपेटकर डीप फ्राई कर लें। गरमा गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3901

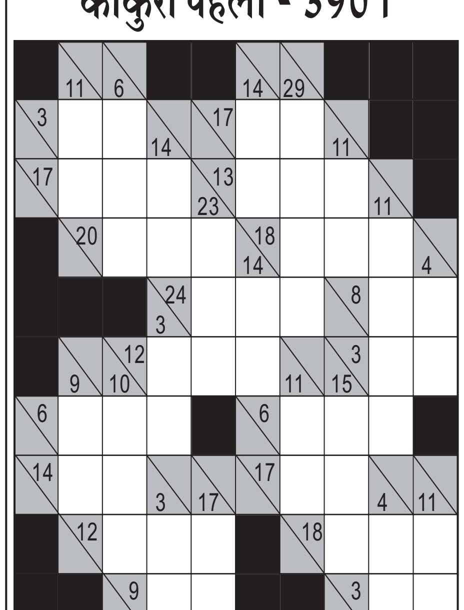

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

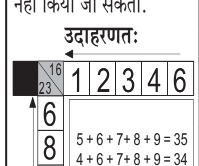

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3900 का हल

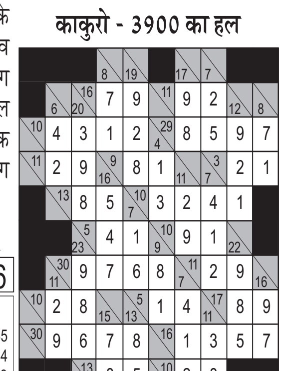

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना!''

''जी! क्या बात हो गई?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई!''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3901

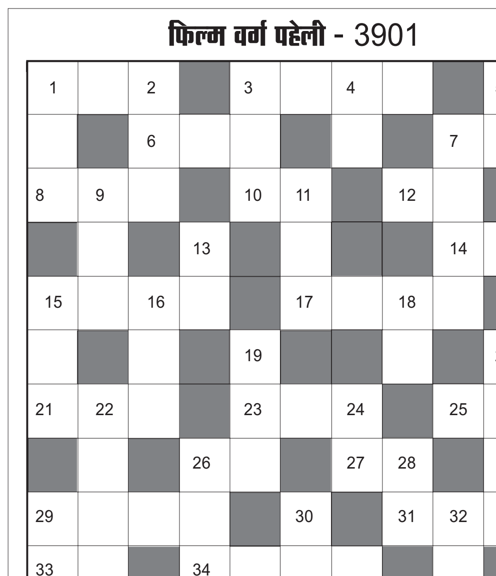

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3900

अं	जा	म		जै		बा	द	शा	ह
गा		न	म	की	न		म		म
रे	खा		हा		गी	त		ही	रा
	मो	ह	रा		ना	रा	ज		ज
	शी		जा	नू		जू		फ	
स		गो		त	ब्बू		दो	रा	स्ते
ती	स	रा	कौ	न		बा		र	
श			न		जं	जी	र		घा
शा	र	दा		जं	ग		क्ष	त्रि	य
ह		सी	मा		ल		क		ल

सूडोकु -3901

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3900 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 3901

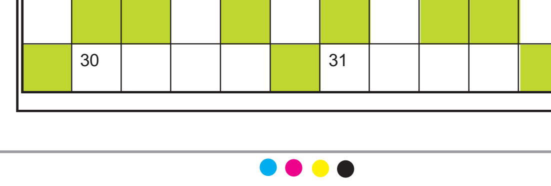

बाएँ से दाएँ

1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे

2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली -3900 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

क्रिकेटर्स ने सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी। दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी है। एक दिन पहले वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को सर गैरी सोबर्स के निधन की जानकारी दी थी। 17 जुलाई को सोबर्स का 89 साल की आयु में निधन हो गया था।

महिला हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। मुख्य कोच सर्जोर्ड मारिजन ने चयनित टीम को अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण बताया है। महिला हॉकी विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होगा। भारतीय टीम फिलहाल बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय शिविर में तैयारियों में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय एंटी डोपिंग अधिनियम लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग अधिनियम, 2022 तथा राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित कर लागू कर दिया है। इसके साथ ही देश में स्वच्छ खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कानूनी एवं संस्थागत ढांचे को और मजबूत किया गया है। सरकार के अनुसार नया कानून खेलों में डोपिंग की रोकथाम, खिलाड़ियों के अधिकारों की रक्षा और खेल प्रतियोगिताओं की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए व्यापक कानूनी आधार प्रदान करेगा। यह व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किए गए एंटी-डोपिंग मानकों के अनुरूप तैयार की गई है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेंगे भारत के 125 खिलाड़ी

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से शुरू होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारत ने अपने 125 एथलीटों के दल की घोषणा कर दी है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दल में 77 पुरुष और 48 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी कुल 13 खेल विधाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे। एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 32 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा बॉक्सिंग और जूडो में 14-14 और वेटलिफ्टिंग में 12 खिलाड़ी शामिल हैं।

लुइस सुआरेज ने रोनाल्डो नाजारियो को बताया सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9

एजेंसी, मोंटेवीडियो

उरुग्वे के स्टार फुटबॉलर लुइस सुआरेज ने ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डो नाजारियो के साथ मुलाकात के बाद भावुक पोस्ट साझा करते हुए उन्हें सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9 बताया है।

सुआरेज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रोनाल्डो नाजारियो के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9! रोनाल्डो नाजारियो को फुटबॉल इतिहास के महानतम स्ट्राइकरों में गिना जाता है। उन्होंने ब्राजील को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी और अपने शानदार करियर के दौरान कई व्यक्तिगत और टीम सम्मान हासिल किए।

इससे पहले फीफा विश्व कप 2026 के दौरान इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के साथ भी एक खास पल साझा किया था।

सुआरेज ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, एक शानदार नंबर-9 के साथ! आपसे मिलकर खुशी हुई। तस्वीर में सुआरेज और केन एक-दूसरे की नंबर-9 जर्सी थामे नजर आए। दोनों दिग्गज स्ट्राइकरों ने गर्मजोशी से मुलाकात की और आपस में जर्सी का आदान-प्रदान किया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गई।

कोहली और गंभीर के बीच किसी 'ब्रिज' की जरूरत नहीं : सितांशु कोटक

एजेंसी, कार्डिफ

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बीच मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच नियमित बातचीत होती है और उन्हें किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत की चार विकेट से हार के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोटक ने स्पष्ट किया कि अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली से उनकी बातचीत केवल बल्लेबाजी से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर थी।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच संवाद का माध्यम बने हुए हैं, तो कोटक ने कहा, नहीं, विराट और गौतम आज ही शायद 10-12 बार बात कर चुके होंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी ब्रिज की जरूरत है।

कोटक ने बताया कि विराट ने खुद बल्लेबाजी से जुड़े कुछ पहलुओं पर उनसे चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि इतने अनुभवी बल्लेबाज को बिना जरूरत तकनीकी सलाह देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा, विराट बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले कुछ चीजों पर बात करना चाहते थे। ईमानदारी से कहूं तो जब तक उन्हें खुद किसी बात की जरूरत महसूस न हो या कोई बड़ी तकनीकी बात नजर न आए।

पाकिस्तानी स्पिनर मोहम्मद नवाज एंटी डोपिंग कोड का उल्लंघन करने का दोषी

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को ICC एंटी-डोपिंग कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। नवाज ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके बाद उन पर 3 महीने का बैन लगाया गया है। अगर वे नशीले पदार्थों के इलाज से जुड़ा ट्रीटमेंट प्रोग्राम पूरा कर लेते हैं, तो इस प्रतिबंध के समय को घटाकर 1 महीना कर दिया जाएगा।

32 साल के नवाज का यह डोपिंग टेस्ट श्रीलंका के कोलंबो में हुआ था। 7 फरवरी को कड़ा मैच टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के बाद उनका सैंपल लिया गया था। इस टेस्ट में नवाज के शरीर में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (कार्बोक्सी-THC) के अंश पाए गए थे, जो कड़ा एंटी-डोपिंग कोड के तहत बैन है।

मोहम्मद नवाज ने नियमों के उल्लंघन की बात स्वीकार करते हुए यह भी साबित किया कि उन्होंने इस पदार्थ का सेवन प्रतियोगिता के दौरान नहीं किया था और इसका खेल प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद आईसीसी ने उन पर तीन महीने के प्रतिबंध का फैसला सुनाया। यह प्रतिबंध 1 मई 2026 से प्रभावी माना गया है, जिस दिन उन्होंने स्वेच्छा से अस्थायी निलंबन स्वीकार किया था।

अर्जेंटीना-स्पेन को फाइनल में पहुंचाने वाले 10 गेमचेंजर

मेसी ने सबसे ज्यादा 8 गोल दागे, स्पेनिश गोलकीपर सिमोन ने सिर्फ 1 गोल खाया

एजेंसी नई दिल्ली

102 मैच, 31 दिन और 46 टीमों के बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 को दो फाइनलिस्ट मिल गए हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार खिताबी मुकाबले में पहुंचा है, जबकि स्पेन 16 साल बाद फाइनल खेलेगा। दोनों टीमें 19 जुलाई की रात 12:30 बजे ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगी।

फाइनल तक पहुंचने का रास्ता दोनों टीमों के लिए आसान नहीं रहा। कहीं आखिरी मिनट में मैच पलटा, कहीं एक्स्ट्रा टाइम में जीत मिली तो कहीं गोलकीपर ने शानदार बचाव कर टीम को बाहर होने से बचाया। अर्जेंटीना और स्पेन के इस सफर में 10 खिलाड़ी ऐसे रहे, जो जीत की सबसे बड़ी वजह बने।

1. लियोनेल मेसी, कप्तान, फॉरवर्ड

39 साल के मेसी एक बार फिर अर्जेंटीना के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए। रूप स्टेज में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ टीम 85 मिनट तक 0-1 से पिछड़ रही थी, लेकिन आखिरी सात मिनट में मेसी ने दो असिस्ट देकर मैच पलट दिया। उनके नाम पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 8 गोल हैं।

2. एंजो फर्नांडीज, मिडफील्डर

सेमीफाइनल में एंजो ने इंग्लैंड के खिलाफ 25 गज दूर से शानदार शॉट लगाकर बराबरी दिलाई। डिफेंस और अटैक के बीच तालमेल बैठाने, गेंद पर नियंत्रण रखने और खेल की रफ्तार तय करने में उनकी भूमिका बेहद अहम रही।

3. लॉटारो मार्टिनेज, स्ट्राइकर

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच 1-1 से बराबरी पर था। लॉटारो बतौर सब्स्टिट्यूट खेलने उतरे। इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में उन्होंने हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा दिया।

4. क्रिस्टियन रोमेरो, सेंटर बैक

राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ अर्जेंटीना 0-2 से पीछे थी। 79वें मिनट में रोमेरो ने गोल कर वापसी की शुरुआत की और अगले 13 मिनट में टीम ने तीन गोल दागकर मैच पलट दिया। डिफेंस में उनके टैकल और इंटरसेप्शन ने कई मजबूत टीमों के हमले रोके।

5. जूलियन अल्वारेज, स्ट्राइकर

स्विट्जरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल एक्स्ट्रा टाइम तक खिंच गया था। 112वें मिनट में अल्वारेज ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर अर्जेंटीना को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया।

1. उनाई सिमोन, गोलकीपर

स्पेन के फाइनल तक पहुंचने की सबसे बड़ी वजह उसका मजबूत डिफेंस रहा और उस डिफेंस की सबसे मजबूत कड़ी गोलकीपर उनाई सिमोन रहे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में एमबाप्पे के कई शॉट रोके। उन्होंने सभी मैच मिलाकर 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड भी बनाया।

2. लामिन यमाल, राइट विंगर

यमाल ने अपनी स्पीड और ड्रिब्लिंग से हर मुकाबले में डिफेंडरों को परेशान किया। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने बॉक्स के अंदर फाउल हासिल किया, जिस पर मिले पेनल्टी को मिकेल ओयारजाबाल ने गोल में बदला।

3. मिकेल ओयारजाबाल, स्ट्राइकर

स्पेन के सबसे भरोसेमंद फिनिशर ओयारजाबाल ने सेमीफाइनल में पेनल्टी पर गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने पांच गोल और एक असिस्ट किया।

4. पॉ क्यूबार्सी, डिफेंडर

19 साल के क्यूबार्सी ग्रुप स्टेज के हर मिनट मैदान पर रहने वाले इकलौते टीनएजर रहे। उन्होंने 295 में से 290 पास पूरे किए। 16 बार गेंद रिकवर की और सिर्फ एक फाउल किया। एमबाप्पे और रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा।

5. पेड्रो पोरो, मिडफील्डर

पोरो ने मिडफील्ड और अटैक के बीच सबसे मजबूत कड़ी का काम किया। छोटे-छोटे पास और बेहतरीन मूवमेंट से उन्होंने विपक्षी डिफेंस को लगातार तोड़ा। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरा गोल कर स्पेन की फाइनल में जगह पक्की कर दी।

बैटिंग कोच बोले-लॉर्ड्स में बड़ी पारी खेल सकते हैं रोहित

सितांशु कोटक ने कहा- स्ट्रगल नहीं कर रहे; दावा था- रिटायरमेंट लेंगे

एजेंसी, कार्डिफ

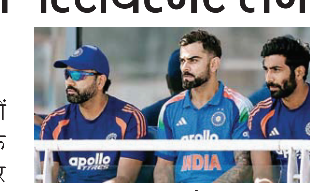

रोहित शर्मा के रिटायरमेंट की अटकलों के बीच भारतीय कोच सितांशु कोटक ने कहा- रोहित न तो दबाव में हैं और न ही स्ट्रगल कर रहे हैं। वे लॉर्ड्स में बड़ी पारी खेल सकते हैं। एक दिन पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लॉर्ड्स वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे होगा। उसके बाद उनके रिटायरमेंट की अटकलें भी शुरू हो गईं।

कोटक ने मैच के बाद कहा, 'आज भी ऐसा लग रहा था कि रोहित बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पिच पर गेंद पर असमान्य उछाल था। रोहित जिन शॉट्स को आमतौर पर आसानी से खेलते हैं, उनमें उन्हें सहज महसूस नहीं हुआ। ऐसा कई बैटर्स के साथ होता है। आप लॉर्ड्स में रोहित शर्मा की बिल्कुल अलग पारी देख सकते हैं।'

इस मसले में पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा- 'मुझे उम्मीद है कि पूर्व कप्तान जबरदस्त वापसी करेंगे और एक शानदार शतक लगाकर आलोचकों का मुंह बंद कर देंगे।

'स्ट्रगल' शब्द इस्तेमाल नहीं करूंगा यशस्वी जायसवाल या ईशान किशन को वनडे टीम में मौका मिलने की संभावना पर पूछे गए सवाल पर कोटक ने कहा कि वे रोहित के लिए 'संघर्ष' शब्द का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

कोटक ने शुभमन गिल और विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा- पहले वनडे में गिल और दूसरे वनडे में कोहली को अच्छी शुरुआत मिली, जिससे वे बड़ी पारी खेल सके। लेकिन, रोहित को वैसी शुरुआत नहीं मिल सकी। इस मैच में रोहित शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इसलिए, मैं नहीं कहूंगा कि वह संघर्ष कर रहे हैं।'

कार्डिफ की पिच दूसरी पारी में आसान हुई : कोटक के अनुसार कार्डिफ की पिच पहली पारी में दो गति वाली थी, जिससे बल्लेबाजी मुश्किल रही। दूसरी पारी में विकेट बेहतर हो गया और इसका फायदा जो रूट ने नाबाद 99 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर उठाया। उन्होंने कहा, 'पहली पारी में बैक ऑफ लेंथ गेंदें रुककर आ रही थीं।

कोहली ने विवियन रिचर्ड्स की बराबरी की : रोहित के साथ 8 हजार साझेदारी रन पूरे

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को 4 विकेट से हरा दिया। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए इस मैच में विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना 14वां 50+ स्कोर बनाकर वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर ली। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 8 हजार रन की साझेदारी का आंकड़ा भी पार कर लिया। दूसरी ओर, श्रेयस अय्यर का एक शॉट मैदान पर बैठे सीगल पक्षी को लग गया, जिससे कुछ देर खेल भी रुका।

रोहित शर्मा और विराट कोहली अब इंटरनेशनल क्रिकेट में 8,021 रन की साझेदारी कर चुके हैं। इसके साथ ही यह भारत की तीसरी सबसे सफल जोड़ी बन गई। कार्डिफ में दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। विराट कोहली ने 65 रन की पारी के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ अपना 14वां 50+ स्कोर बनाया। इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा 15 बार 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा के नाम है।

महिला एथलीट्स की कवरेज के लिए बनी नई गाइडलाइन्स

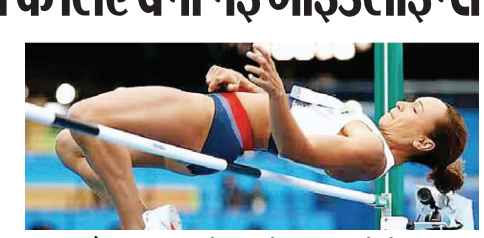

नई दिल्ली। यूरोपीय एथलेटिक्स और यूरोपीय ब्रॉडकास्टिंग यूनियन ने महिला खिलाड़ियों के ब्रॉडकास्ट को लेकर नई गाइडलाइन्स जारी किए हैं। इनका उद्देश्य कैमरा एंगल और रिप्ले के जरिए महिला एथलीटों के अनावश्यक सेक्सुअलाइजेशन को रोकना है। नई गाइडलाइंस के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इवेंट के दौरान कैमरा एंगल्स का इस्तेमाल महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर फोकस करेगा। ऐसे एंगल या रिप्ले को नहीं दिखाया जाएगा, जो महिला खिलाड़ियों को अनुचित या असहज तरीके से पेश करते हों।

यूरोपियन एथलेटिक्स के प्रेसिडेंट डोब्रोमिर करमारिनोव ने बुधवार को कहा, 'फिल्मिंग से जुड़े दिशा-निर्देश तैयार करना, हमारे खेलों में महिलाओं की नुकसानदेह छवि को खत्म करने की दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही इससे कहानी कहने और तकनीकी उत्कृष्टता का स्तर भी ऊंचा बना रहेगा।'

एथलीट्स ने ही फीडबैक दिए : गाइडलाइन्स को एथलीट्स के फीडबैक के आधार पर तैयार किया गया है। 23 पेज के गाइडलाइंस को रेंजिंग द बार नाम दिया गया है। एथलीट्स ने पिछले कुछ सालों में कई बार कैमरा एंगल को लेकर शिकायत की है। कुछ कैमरा शॉट्स से उन्हें असहजता के साथ ही फोकस करने में परेशानी होती है। इसकी वजह से उनका ध्यान खेल और प्रदर्शन पर पूरी तरह फोकस नहीं रह पाता। ब्रॉडकास्टर्स को सलाह दी गई है कि वे शरीर के खास हिस्सों के लंबे क्लोज-अप शॉट्स, एथलीट्स के पीछे या नीचे से लिए गए लो-एंगल व्यूज और ऐसे स्लो-मोशन रीप्ले दिखाने से बचें। इससे खेल को समझने में ऑडियंस को कुछ खास मदद नहीं मिलती है। चुनिंदा कैमरा एंगल और एडिटिंग के तरीकों से महिला एथलीटों को जिस तरह से सेक्सुअलाइज किया जाता है, वह एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।

सिंधु पहली बार जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में

चीन की यूफेई को 7 साल बाद हराया, यामागुची-वारदानी की विजेता से मैच

एजेंसी नई दिल्ली

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। उनका सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-4 चेन यूफेई को हराया। सिंधु सेमीफाइनल में 21-19, 15-10 से आगे थीं, तभी चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैच से हट गईं। इसी के साथ सिंधु ने लगातार 5 हार के सिलसिले को तोड़ दिया। सिंधु 7 साल के बाद चीनी खिलाड़ी को हराने में कामयाब हुई हैं। उन्हें यूफेई पर पिछली जीत 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान मिली थी।

2 साल बाद वर्ल्ड टूर इवेंट का फाइनल खेलेंगी

सिंधु करीब 2 साल बाद बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी। इससे पहले उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीता था। वे अब इस सीजन में अपना पहला और बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 लेवल का लंबे समय बाद पहला खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

क्वार्टर फाइनल में ओकुहारा ने वॉकओवर दिया

सिंधु को क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजामी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया था। इससे पहले वे चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया।

सिंधु को ओकुहारा ने वॉकओवर दिया, जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्हें क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजामी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया।

बालासाहेब पाटिल टीम की अगुवाई करेंगे

आईएसएसएफ विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे 'गन फॉर ग्लोरी' के चार निशानेबाज

एजेंसी, नई दिल्ली

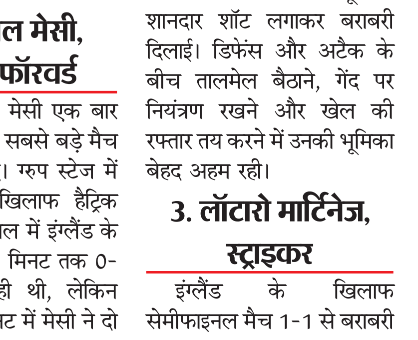

गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन (गन फॉर ग्लोरी) के चार निशानेबाज आगामी आईएसएसएफ विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चीन के हांगझोउ में 20 से 29 जुलाई तक होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी चुनौती पेश करेंगे। फाउंडेशन की ओर से ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन और रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल टीम की अगुवाई करेंगे। एलावेनिल महिला 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, जबकि रुद्रांक्ष पुरुष 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे।

इनके अलावा फाउंडेशन की उभरती हुई निशानेबाज साक्षी सुनील पडेकर (महिला 10 मीटर एयर राइफल) और शाहू तुषार माने (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल) भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। दोनों खिलाड़ी घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन और अकादमी में लंबे समय तक की गई तैयारी के बाद विश्व कप में उतरेंगे।

पिछले तीन वर्षों से गन फॉर ग्लोरी अकादमी से जुड़ी साक्षी सुनील पडेकर ने हाल के दिनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। विश्व कप से पहले उन्होंने फाउंडेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा, मेरा पूरा ध्यान एक समय में एक शॉट पर रहेगा। यही सोच अब तक मेरे लिए कारगर रही है। पिछले कुछ सप्ताह में हमने तकनीकी पहलुओं पर काफी काम किया है और मुझे अपनी तैयारी तथा अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है। हर प्रतियोगिता सीखने का अवसर होती है और मैं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए उत्साहित हूं।

पुरुष वर्ग के निशानेबाज शाहू तुषार माने भी पिछले ढाई वर्षों से गन फॉर ग्लोरी अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। हाल ही में एयर राइफल ट्रायल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले शाहू ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर ध्यान देना है। उन्होंने कहा, मैं विश्व कप में किसी विशेष लक्ष्य के साथ नहीं जा रहा हूं। जब मैंने हाल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, तब मैं केवल खेल का आनंद ले रहा था और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। इस बार भी मैं उसी सोच के साथ उतरूंगा। यदि मैं अपनी दिनचर्या का पालन करूं और हर पल का आनंद लेते हुए निशाना लगाऊं, तो परिणाम अपने आप मिल जाएंगे। पदक जीतना निश्चित रूप से खास होगा, लेकिन मेरी प्राथमिकता अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन करना है।

हांगझोउ में होने वाला आईएसएसएफ विश्व कप भारतीय राइफल निशानेबाजों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। यह प्रतियोगिता आने वाली प्रमुख अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारियों के लिहाज से भी भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है।

बेहतर कैरियर की उन्नति के रास्ते

सफलता का पहला और सबसे जरूरी टिप्स है अपने भीतर कॉन्फिडेंस को लाएं। जहां तक हो सके हीन भावना को अपने अंदर ना आने दें। विश्वास होने पर इंसान कठिन से कठिन काम आसान से कर सकता है। वहीं अगर आप में कॉन्फिडेंस की कमी है तो आप योग्यता होते हुए भी पीछे रह जाते हैं।

आप कितनी भी प्रतिभाशाली क्यों ना हों लेकिन यदि आप अपने को बेहतर साबित करना चाहती है तो आत्ममूल्यांकन करें। अपनी कुछ गलतियों को दूर कर कुछ गुणों को आत्मसात करना होगा। तो आइए जानते हैं कि किन रास्तों पर चलकर कैरियर बेहतर हो सकता है।

सफलता का पहला और सबसे जरूरी टिप्स है अपने भीतर कॉन्फिडेंस को लाएं। जहां तक हो सके हीन भावना को अपने अंदर ना आने दें। विश्वास होने पर इंसान कठिन से कठिन काम आसान से कर सकता है। वहीं अगर आप में कॉन्फिडेंस की कमी है तो आप योग्यता होते हुए भी पीछे रह जाते हैं। पूरे विश्वास से आप मुश्किल काम को भी आसानी से कर ने काबिलीयत रखती हैं।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि महिलाएं पुरूषों की तुलना में कहीं अधिक संवेदनशील होती हैं। वे जरा सी बात पर दिनों-दिन अपसेट रह सकती हैं। तैश में आकर गलत फैसला ले सकती हैं या फिर गुस्से में कुछ भी बोल कर माहौल खराब कर सकती हैं। वहीं दूसरी तरफ पुरूष ना तो जल्दी तैश में आते हैं, ना ही विचलित होते हैं। अस स्वभावके कारण उन्हें प्रतिक्रिया देने में भी जल्दबाजी नहीं होती। यह महत्वपूर्ण गुण है इसलिए हो सके तो इस गुण को अपने अंदर लाने की कोशिश करिए कैरियर और परिवार में सफलता जरूरी मिलगी।

काम और जिम्मेदारी को तनावपूर्ण ढंग से लेने की आदत गलत है। इसका सीधा असर आपके काम के साथ आपके पूरे व्यक्तित्व पर प्रभाव करता है। इसलिए काम के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें ना कि उसे बोझ समझ कर खुद भी टैंशन में रहते हैं और आसपास के माहौल को तनाव से भर देते हैं। इसलिए तनाव में रहकर किए गए काम काम कभी भी ठीक से परिणाम नहीं देंगे।

9 से 5 की नौकरी में भी रहना है फिट? फॉलो करें ये आसान हेल्थ टिप्स

आधुनिक दौर की व्यस्त दिनचर्या में नौकरीपेशा लोगों का एक बड़ा हिस्सा अपना अधिकांश समय कंप्यूटर या लैपटॉप की स्क्रीन के सामने बैठकर गुजारता है। घंटों तक लगातार एक ही जगह बैठे रहना, खानपान में लापरवाही, अत्यधिक मानसिक तनाव, अधूरी नींद और शारीरिक सक्रियता की कमी के कारण आज कामकाजी लोगों में कई गंभीर बीमारियां तेजी से पांव पसार रही हैं। यही वजह है कि कॉरपोरेट जगत में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए अपनी सेहत के प्रति जागरूक होना अब किसी विकल्प के तौर पर नहीं, बल्कि एक अनिवार्य जरूरत बन चुका है। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में बेहद छोटे-छोटे और आसान बदलाव करके न सिर्फ शारीरिक रूप से तंदुरुस्त रहा जा सकता है, बल्कि इससे काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी), मानसिक सुकून और ऊर्जा के स्तर में भी भारी सुधार देखा जा सकता है। यदि आप भी दफ्तर में बैठकर लंबी शिफ्ट करते हैं या वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) मोड में हैं, तो कुछ सामान्य स्वास्थ्य नियमों को अपनाकर अपनी लाइफस्टाइल को बेहतर बना सकते हैं। आइए जानते हैं उन असरदार और व्यावहारिक हेल्थ टिप्स के बारे में, जो आपको हमेशा ऊर्जावान, सक्रिय और तनावमुक्त रखने में मदद करेंगे-

कामकाजी लोगों को फिट रखने वाले 10 अचूक उपाय

1. हर घंटे में एक बार अपनी सीट जरूर छोड़ें-अगर आपकी नौकरी ऐसी है जिसमें लगातार सिस्टम के सामने बैठना पड़ता है, तो हर 45 से 60 मिनट के अंतराल पर अपनी कुर्सी से 5-10 मिनट का ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ा टहलें या हल्की स्ट्रेचिंग करें। इससे शरीर में रक्त का संचार बेहतर होता है और पीठ दर्द, गर्दन की अकड़न व मोटापे जैसी समस्याओं का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

2. खुद को रखें पूरी तरह हाइड्रेटेड-अक्सर काम के दबाव में लोग पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) हो जाती है। दिनभर में कम से कम 2.5 से 3 लीटर पानी का सेवन सुनिश्चित करें। पर्याप्त पानी पीने से शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, पाचन क्रिया सुचारू रूप से काम करती है और असमय होने वाली थकान से राहत मिलती है।

3. जंक फूड को कहें बाय, हेल्दी स्नैक्स को अपनाएं-ऑफिस में काम के दौरान जब भी हल्की भूख लगे, तो चाय-कॉफी के साथ चिप्स, बिस्किट या तली-भुनी नमकीन खाने के बजाय पौष्टिक चीजें चुनें। अपनी डेस्क पर भुना चना, मखाना, ताजे फल, ड्राई फ्रूट्स या दही जैसी चीजें रखें। ये विकल्प शरीर को जरूरी पोषण देते हैं और लंबे समय तक आपका पेट भरा रखते हैं।

4. आंखों की सुरक्षा के लिए लें डिजिटल डिटॉक्स ब्रेक-लगातार स्क्रीन को एकटक देखने से आंखों में सूखापन, जलन, दर्द और धुंधलेपन की शिकायत होने लगती है। इससे बचने के लिए 20-20-20 का नियम अपनाएं। हर 20 मिनट के काम के बाद, 20 सेकंड के लिए अपनी स्क्रीन से नजरें हटाकर लगभग 20 फीट दूर रखी किसी वस्तु पर ध्यान केंद्रित करें। इससे आंखों की मांसपेशियों को आराम मिलता है।

5. बैठने के सही पोश्चर पर दें विशेष ध्यान-काम करते समय आपके बैठने का तरीका (सिटिंग पोश्चर) बिल्कुल सही होना चाहिए। अपनी रीढ़ की हड्डी को हमेशा सीधा रखें, कुर्सी के सपोर्ट का पूरा इस्तेमाल करें और मॉनिटर का लेवल हमेशा अपनी आंखों की सीध में रखें। गलत तरीके से बैठने से भविष्य में स्पॉन्डिलाइटिस और गंभीर कमर दर्द की समस्या हो सकती है।

6. शारीरिक व्यायाम के लिए निकालें समय-दफ्तर के व्यस्त शेड्यूल से वक्त चुराकर रोजाना कम से कम 30 मिनट का समय योग, तेज कदमों की सैर (ब्रिस्क वॉक) या हल्की एक्सरसाइज के लिए जरूर निकालें। नियमित रूप से की गई फिजिकल एक्टिविटी वजन को नियंत्रित रखने के साथ-साथ दिल की सेहत और मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखती है।

बांटिए अपना प्रोफेशनल ज्ञान

कार्यक्षेत्र में एक खास मुकाम हासिल करने के बाद अनुभवी कर्मी यदि नए कर्मचारियों की बिना किसी स्वार्थ के मदद करते हैं तो यह केवल नवोदितों और कंपनी के लिए ही नहीं, बल्कि उनके अपने लिए भी खासा फायदेमंद रहता है।

यदि आपने कुछ समय किसी टीम के साथ काम करने में बिताया है तो आपके खाते में प्रोफेशनल योग्यता का कुछ हिस्सा जरूर आया होगा। इस अनुभव के बाद आपके पास विशिष्ट ज्ञान, हुनर और अनुभव आ चुका होगा, जिनके दम पर आप अपने संस्थान की धरोहर के तौर पर होंगे। परंतु इस अनुभव का आप कितना सकारात्मक लाभ उठा पा रहे हैं? क्या यह सब अनुभव आपके अपने लिए ही है? क्या अपनी विशेषज्ञता को आप अपने करियर को आगे ले जाने में इस्तेमाल कर रहे हैं, बिना यह सोचे कि वह दूसरों के किस तरह काम आ सकती है? बेशक उपरोक्त सवाल सुनने में कुछ अजीब लगें, परंतु आपकी विशेषज्ञता एक ऐसी चीज है, जिसका लाभ सबको मिलना चाहिए।

आपने उसके लिए मेहनत की है, फिर भी उस समस्त ज्ञान को आप अपने तक ही क्यों सीमित रखें? उससे दूसरों को सीखने और विकास करने का मौका क्यों न मिले? और सबसे जरूरी बात, इससे न केवल दूसरों को, बल्कि खुद आपको भी मदद मिलेगी। आइए जानें कैसे..

- ज्ञान बांटने से बुनियाद होती है मजबूत।

- इससे आपकी सोच-समझ में भी वृद्धि होती है। अपनी विशिष्टता बांटने का मतलब है विचार-विमर्श के नए रास्ते खोलना। यदि आप अपनी आंखें, काम और मस्तिष्क खुला रखते हैं तो आपको उस प्रक्रिया को पुन- नए तरीके से जानने का भी मौका मिलेगा।

- इससे विशेषज्ञ के तौर पर भी आपकी छवि पुख्ता होती है। यदि आप अपने क्षेत्र में एक अग्रणी छवि बनाना चाहते हैं तो आपको अपने ज्ञान का प्रदर्शन करना ही होगा। परंतु दूसरों पर अपनी विशेषज्ञता थोपने की बजाय उसे ऐसे बांटें, जिससे उनकी विशेषज्ञता का स्तर ऊंचा हो सके।

- इससे आपका प्रोफेशनल स्तर बढ़ता है। जब आपकी विशेषज्ञता से टीम को लाभ होता है तो आप उसके अभिन्न अंग बन जाते हैं और भविष्य में मिलने वाले लाभ जल्दी आप से आ मिलते हैं। लिहाजा, जरूरत है अपना नजरिया बदलने की। अपने सहकर्मियों और जूनियर्स की मदद करने में अहंकार का कोई स्थान नहीं। यह भाव निष्ठा से पैदा होता है, दूसरों को कुछ देने की इच्छा से नहीं।

अपनी प्रोफेशनल विशेषज्ञता को दूसरों के साथ बांटें ऐसे..

मार्गदर्शक बनें

ऐसे युवा प्रोफेशनल्स की कमी नहीं, जो सही मार्गदर्शन चाहते हैं। जब ऐसे किसी युवा पर आपकी नजर पड़े, जिसमें हुनर हो, पर उसे सही मार्गदर्शन की जरूरत भी हो तो उसे सही राह दिखाएं। जो ज्ञान आपने बरसों कड़ी मेहनत के बाद एकत्रित किया है, उसे बांटें।

सिखाने के दौरान भी अपनी आंखें, कान और मस्तिष्क खुले रखें। मार्गदर्शक बनने का सबसे बड़ा लाभ होता है कि यदि सीखने वाले के साथ संबंध मजबूत हों तो दोनों को एक समान लाभ होता है। सिखाने की प्रक्रिया में आपको अपने कार्य के प्रति सोचने का एक नया नजरिया भी मिलता है। आपसे सीख रहे युवा की ऊर्जा भी आपको एक सशक्त अंतर्दृष्टि दे सकती है.. यदि आप उसे अपनाने को तैयार हों तो।

खूब लिखें

लिखित शब्द हमेशा दूसरों तक पहुंचने का सशक्त माध्यम बनते हैं। आपकी इंडस्ट्री या प्रोफेशन के पक्ष में प्रकाशित होने वाले किसी पत्र-पत्रिका में कोई लेख लिखें या एक ब्लॉग की शुरुआत करें! अपने विचारों को लिख कर दुनिया के सामने रखने से सशक्त माध्यम और दूसरा कोई नहीं। इंटरनेट की पहुंच वैश्विक है और अनुभव कहता है कि इसके जरिए आप जो भी संपर्क साधेंगे, उससे दूसरों के जीवन में आमूल परिवर्तन आएगा। वहीं एक लेखक होने के नाते आपके हिस्से में स्वत- ही कुछ अधिकार भी आ जाते हैं। यह सुनने में अजीब-सा लगता है, परंतु लेखकों को अक्सर विशेषज्ञ मान लिया जाता है (भले ही उनका लिखा वैचारिक स्तर पर कितना ही अस्पष्ट क्यों न हो)।

प्रशिक्षित करें

स्थानीय स्तर पर होने वाली इंडस्ट्री कॉन्फ्रेंस या किसी मीटिंग के दौरान किसी ऐसे मुद्दे पर चर्चा करें, जिसमें सबकी रुचि हो। जिस विषय पर आप बात करना चाहते हैं, उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ कुछ इस तरीके से रखें, जिससे सब उसके प्रति आकृष्ट हो सकें। यह भी याद रखें कि दूसरों को नीचा दिखाना आपका मकसद नहीं; बतौर प्रशिक्षक आपकी भूमिका कमरे में मौजूद प्रतिभाओं को तलाशने की भी होती है। बात इस तरीके से करें कि दूसरों की विशेषताएं भी सामने आ सकें। यह कभी न सोचें कि सिर्फ आपको ही अपनी बात रखने का हक है।

परिवेश कैसा भी हो, दूसरों को प्रशिक्षित करते हुए आपकी पब्लिक स्पीकिंग स्किल में सुधार होता है और आपके स्तर में भी। ठीक लेखन की तरह, मीटिंग के दौरान सबके सामने खड़े होकर बोलने पर दूसरों का आप में विश्वास पुख्ता होता है।

स्रोत बनें

जब आप कोई नया व बेहद मददगार आलेख पढ़ते हैं या कोई नई सूचना आपके हाथ लगती है अथवा काम करने का कोई अन्य कारगर तरीका आपको समझ आता है तो उसे अपने तक ही सीमित न रखें। प्रतिदिन आपके पास कुछ ऐसा हो सकता है, जो आपके सहकर्मियों के लिए भी मददगार साबित हो। इसके लिए आपको किसी औपचारिक ट्रेनिंग सेशन की जरूरत नहीं होनी चाहिए, सीधे संपर्क करें। सोचें, यदि आपका कोई सहकर्मी आपके लिए ऐसा करे तो आपको कैसा लगेगा ? उस व्यक्ति के बारे में आपकी क्या राय बनेगी? कोई छोटी-सी मदद किसी के समूचे करियर को एक सकारात्मक दिशा दे सकती है।

नेतृत्व करें

यदि आपके पास किसी विशेष काम को करने के लिए कोई विशेषज्ञता है तो आगे बढ़कर मोर्चा संभालने में संकोच न करें। लोग आप से मदद मांगने आएं, ऐसी नौबत न आने दें। खुद आगे बढ़ कर मदद की पेशकश करें। यदि आप उस कार्य को बेहतर तरीके से अंजाम दे सकते हैं तो तुरंत नेतृत्व संभालें। याद रखें कि सर्वश्रेष्ठ लीडर टीम में प्रत्येक व्यक्ति को उसका श्रेष्ठ प्रयास करने को प्रेरित करते हैं और खुद भी ऐसा ही करते हैं।

क्या करें जब आप अपने बॉस से ज्यादा योग्य हों..

IMAGE CREDIT: istockphoto.com/shironosov

जॉब के दौरान आप हमेशा ऐसा बॉस चाहते हैं जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिले और जिनका आप आदर करें. लेकिन आप उस स्थिति में क्या करेंगे जब आपका बॉस प्रोफेशनली कम प्रतिभाशाली है. आप क्या करेंगे जब आप पाएंगे कि आपका बॉस आपसे कम टैलेंटेड है. आपकी स्किल्स उससे कहीं ज्यादा बेहतर हैं. नीचे दिए गए प्वाइंट्स इस दुविधा से निकलने में आपकी मदद करेंगे-

बॉस प्रोफेशनली कम प्रतिभाशाली है. आप क्या करेंगे जब आप पाएंगे कि आपका बॉस आपसे कम टैलेंटेड है. आपकी स्किल्स उससे कहीं ज्यादा बेहतर हैं. नीचे दिए गए प्वाइंटस इस दुविधा से निकलने में आपकी मदद करेंगे-

- अपने बॉस की बुराई न करें

पीठ पीछे अपने बॉस की बुराई कभी न करें. यह कोई मायने नहीं रखता कि वह कितने क्वालिफाइड हैं, ऑफिस के अन्य लोगों से उनकी शिकायत करना अच्छी बात नहीं है. करियर में आगे बढ़ना आपकी योग्यता पर निर्भर करता है.

- बॉस के ज्यादा से ज्यादा काम आएं

खुद को बॉस के लिए ज्यादा से ज्यादा यूजफुल बनाएं. उनकी वो कमजोरियां ढूंढ़ें जिन्हें आप अपने टैलेंट से भर सकते हैं. इससे आप दोनों में न सिर्फ अच्छी रिलेशनशिप विकसित होगी बल्कि आप सकारात्मक तरीके से उच्च पदों पर तैनात लोगों के नोटिस में आएंगे.

- पॉजिटिव रहें और सीखने पर ध्यान दें

ऑफिस में अपना जोर पॉजिटिव रहते हुए सीखने पर दें. गॉसिप करने के बजाए आगे बढ़ने के अवसर तलाशें. बॉस के साथ काम करें, उनके खिलाफ नहीं. जिन कामों में आप लीडरशिप रोल निभा सकते हैं, वहां आगे आएं. किसी की छवि को खराब करके खुद को ऊपर उठाने की न सोचें.

- सबके सामने न कहने से बचें

ऑफिस के अन्य कर्मचारियों के सामने या मीटिंग में अपने बॉस को %न% कहने से बचें. सबसे सामने अपनी बॉस की बातों का विरोध करना, उन्हें नीचा दिखाना बिल्कुल सही नहीं. अगर आपका मत भिन्न है तो अपने विचार विनम्रता के साथ जरूर व्यक्त कर सकते हैं. इसके अलावा अन्य किसी बात को बॉस के साथ अकेले में भी शेयर कर सकते हैं. ध्यान रहे असहमति व्यक्त करते समय आपकी बातों में उनके प्रति आदर जरूर दिखना चाहिए.

- बॉस की खूबियों को भी नोटिस करें

खराब से खराब बॉस में भी कुछ खूबियां होती हैं. उनसे आप काफी कुछ सीख सकते हैं. इसके अलावा सीखने के लिए ऑफिस में अपना नेटवर्क का विस्तार करें. सीखना हमेशा आपके हाथ में है.

फैशन डिज़ाइनर स्टाइलिश कैरियर

दुनिया को अपनी डिज़ाइंस में देखना चाहते हैं और अपनी अलग पर्सनैलिटी बनाना चाहते हैं, तो ट्राई करें इस इंडस्ट्री को. बेहद ग्लैमराइज़ और स्टाइलिश इस फील्ड की दुनिया कायल है. नेम-फेम के साथ इसमें पैसा भी बहुत है. अपने करियर को एक अलग अंदाज़ देना चाहते हैं, तो इस फील्ड में बनाएं करियर. कैसे? आइए, हम बताते हैं.

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बारहवीं पास होना ज़रूरी होता है. आप अगर बारहवीं पास हैं, तो इस क्षेत्र में आपके लिए सुनहरा अवसर है. इसके बाद किसी भी संस्थान से डिप्लोमा कोर्स करने के बाद इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं.

कोर्स के दौरान

सबसे अच्छी बात ये है कि बाकी कोर्सेस की तरह इसमें आपको पूरा समय नहीं देना पड़ता. आप अपनी सुविधानुसार क्लास का समय चुन सकते हैं. कोर्स के दौरान आपको गार्मेंट मैनुफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, फैब्रिक पैटर्न मेकिंग, मार्केटिंग स्ट्रैटेजी, लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स, ग्लोबल मार्केट ट्रेंड आदि के बारे में पढ़ाया जाता है.

व्यक्तिगत विशेषता

भीड़ में भी सबसे अलग नज़र आनेवाला ये क्षेत्र उन्हीं लोगों के लिए अब तक सफल साबित हुआ है, जिनका इसके प्रति लगाव हो. कलर्स, फैब्रिक लेटेस्ट स्टाइल के साथ ही आपको बहुत ज़्यादा क्रिएटिव होने की आवश्यकता है.

कहां हैं जॉब?

इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की कोई सीमा नहीं है. अपनी क्षमता और पहुंच के हिसाब से आप आसमान की बुलंदियों को छू सकते हैं. शुरुआत आप अपने घर से कर सकती हैं. किसी कंपनी से जुड़कर पार्ट टाइम जॉब भी कर सकते हैं.

प्रमुख संस्थान

- सोफिया पॉलिटेक्निक, मुंबई.
- पर्ल ऐकेडमी ऑफ फैशन, नई दिल्ली.
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बैंग्लोर, हैदराबाद और गांधीनगर.
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिज़ाइन, कोलकाता.
- सी ई पी ज़ेड इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मुंबई.

सैलरी पैकेज

इस फील्ड में बहुत पैसा है. शुरुआत में आपको किसी के अंडर रहकर काम करना पड़ता है, ताकि आप इस दुनिया की कुछ प्रैक्टिक बातें सीख सकें. स्टार्टिंग में आहपको 10-15 हज़ार मिलते हैं. किसी बड़े डिज़ाइनर का साथ मिल जाए, तो ये सैलरी इससे ज़्यादा भी हो सकती है. अनुभव और कॉन्टैक्ट्स के बाद आप अपना ब्रैंड स्टैब्लिश करने के साथ ज़्यादा कमा सकते हैं.

■ श्वेता सिंह